www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

वर्ष 31 अंक 262 | जबलपुर, गुरुवार 19 मार्च 2026 | पृष्ठ 12 | मूल्य ₹ 3.00

4 मंजिला इमारत में लगी आग, 9 लोगों की मौत

नई दिल्ली

दिल्ली के पालम स्थित साध नगर में एक रिहायशी 4 मंजिला बिल्डिंग में बुधवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। 2 लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। दिल्ली फायर सर्विस के कर्मियों ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया है। इनमें 3 लोग घायल हैं। करीब 30 फायर ब्रिगेड मौके पर मौजूद हैं। आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और तेजी से फैल गई। इमारत में उस समय 10-15 लोग मौजूद थे। इनमें कुछ शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। पालम आग हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताते हुए मुआवजे का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। इस बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी घटना पर दुख जताया और पार्टी कार्यकर्ताओं से पीड़ितों की मदद करने की अपील की।

एक चिंगारी से चली गई 8 लोगों की जान

ईवी में हुआ शॉर्ट सर्किट और फटने लगे गैस सिलिंडर

इंदौर

मध्यप्रदेश के इंदौर में इलेक्ट्रिक कार टाटा पंच में चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई, जिसने तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रबर कारोबारी मनोज पुगलिया, उनकी गर्भवती बहू सिमरन सहित 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हैं। मारे गए लोगों में से 6 मनोज के रिश्तेदार थे, जो मंगलवार को बिहार के किशनगंज से आए थे। घटना बुधवार तड़के 3.30 से 4 बजे के बीच बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी की है। मकान मालिक मनोज पुगलिया के घर आग लगते ही आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। कुछ लोगों ने बाल्टियों में पानी लेकर आग बुझाने की कोशिश की। इसी दौरान घर के अंदर गैस सिलिंडरों में धमाके होने लगे, जिससे पड़ोसी डर गए और पीछे हट गए। कुछ लोग मनोज पुगलिया और उनके परिवार वालों को आवाज लगाते रहे, लेकिन तब तक आग ने अंदर फंसे आठ लोगों की जान ले ली थी। बताया जाता है कि मनोज पुगलिया के घर कुछ मेहमान भी ठहरे हुए थे। वे यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने इंदौर आए थे। मेहमान भी आग की चपेट में आ गए। एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीम ने 4 घायलों सहित 7 शवों को बाहर निकाला। बाद में एक बच्चे का शव भी बरामद हुआ, जो इतना बुरी तरह जल चुका था कि उसे पोटली में बांधकर बाहर लाया गया। इस हादसे के बाद प्रीति नगर के पड़ोसी सहमे हुए हैं। पूरी कॉलोनी में शोक का माहौल है। लोग इस बात से हैरान हैं कि कैसे एक पल में पूरा परिवार आग की भेंट चढ़ गया। आग इतनी तेजी से फैली कि पड़ोसी परिवार को बचाने की कोई कोशिश नहीं कर पाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी।

सांसद बोरदोलोई ने छोड़ा कांग्रेस का साथ

दिसपुर। असम में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही राजनीति की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। लेकिन वोटिंग से पहले ही कांग्रेस के लिए एक बुरी खबर आई है। ने कांग्रेस का साथ छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया है। जिससे चुनावी मैदान में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने खुद जानकारी दी कि कांग्रेस के मौजूदा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई अब बीजेपी में शामिल हो गए हैं।

मप्र के दो अफीम तस्कर भीलवाड़ा में गिरफ्तार

भीलवाड़ा। राजस्थान की भीलवाड़ा पुलिस ने मध्यप्रदेश के नीमच जिले के दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 1 किलो 568 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाली अवैध अफीम बरामद की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार बुधवार को कोटड़ी थाना क्षेत्र में गश्त और नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान कोटड़ी तालाब के पास सवाईपुर की ओर से आ रही एक संदिग्ध मोटरसाइकिल से अफीम बरामद की गई।

अश्लील गाने सरके चुनर पर लगा बैन

मुंबई। फिल्म केडी: द डेविल का गाना सरके चुनर रिलीज के बाद से ही विवादों का सामना कर रहा है। केंद्र सरकार ने भी इस पर गाने पर बड़ा एक्शन लिया है और इसे पूरी तरह बैन कर दिया है। वहीं, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मुद्दे के बारे में बात करते हुए बताया कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कुछ भी नहीं परोसा जा सकता है। दरअसल, समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने लोकसभा में इस गाने के मुद्दे को उठाया था, जिसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि गाने को पहले ही बैन किया जा चुका है।

मिलावटी डेयरी उत्पाद मामले में 20 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित तौर पर मिलावटी डेयरी उत्पादों के निर्माण में शामिल जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके प्रबंध निदेशक किशन मोदी की 20.59 करोड़ रुपये की 11 अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। ईडी के भोपाल जोनल कार्यालय ने बुधवार को कहा कि उसने जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों और अधिकारियों के खिलाफ भोपाल के हबीबगंज थाने में दर्ज दो प्राथमिकियों और भोपाल के आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज एक अन्य प्राथमिकी के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत धन शोधन की जांच शुरू की थी।

राजनीति में फुलस्टॉप नहीं होता

राज्यसभा में 37 सांसदों के विदाई भाषण में बोले प्रधानमंत्री

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को राज्यसभा में वरिष्ठ सांसदों के लिए विदाई भाषण देते हुए कहा कि पुरानी पीढ़ी के नेताओं का अनुभव लोकतांत्रिक व्यवस्था की अमूल्य पूंजी है और नए सांसदों को उनसे सीखने का हर अवसर इस्तेमाल करना चाहिए। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि राजनीति ऐसा फील्ड है जहां कभी फुल स्टॉप नहीं होता। राज्यसभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, सदन में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होती है और प्रत्येक सदस्य की इसमें एक अनूठी भूमिका होती है। ऐसे क्षणों में, दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर आपसी सम्मान की भावना उत्पन्न होती है। अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद सदन छोड़ रहे नेताओं से मैं कहना चाहता हूं कि राजनीति में कोई अंत नहीं होता। प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा, मल्लिकार्जुन खड़गे और शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन नेताओं ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संसदीय कार्य में बिताया है। उन्होंने कहा, इतने लंबे अनुभव के बाद भी, सभी नए सांसदों को उनसे सीखना चाहिए। समर्पित भाव से सदन में आना, समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाना। ये सब वरिष्ठ नेताओं से प्रेरणा देने वाली बातें हैं। मैं उनके योगदान की सराहना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने बेहद शांत, विनम्र और संयमित तरीके से सदन का संचालन किया। उन्होंने कहा, हरिवंश जी को लंबे समय तक सदन में जिम्मेदारी निभाने का अवसर मिला। वे सिर्फ कलम के धनी नहीं, बल्कि कर्मठ भी रहे हैं। देश के हर कोने में जाकर उन्होंने अपना काम किया है। पीएम मोदी ने हास्य-व्यंग्य के अंदाज में कहा, आठवले जी जा रहे हैं, लेकिन यहां किसी को उनकी कमी महसूस नहीं होगी, वो व्यंग्य परोसते रहेंगे, यह सबको भरोसा है। सदन में हल्की मुस्कान के बीच प्रधानमंत्री ने कहा कि दो साल के अंतराल में राज्यसभा से एक बड़ा समूह रिटायर होता है और हर बार नए और पुराने सदस्यों के बीच अनुभव का आदान-प्रदान लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करता है।

देवगौड़ा ने मोहब्बत हमसे, शादी मोदीजी से की: खड़गे

राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी स्पीच के दौरान पूर्व पीएम और जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा का जिक्र किया। उन्होंने कहा- मुझे पता नहीं कि उन्हें (देवगौड़ा) क्या हुआ। उन्होंने मोहब्बत हमसे की, लेकिन शादी मोदीजी के साथ की। खड़गे की बात सुनकर राज्यसभा में मौजूद सभी लोग ठहाके लगाने लगे। प्रधानमंत्री मोदी भी हंसते हुए नजर आए।

मेरी जबरन शादी कराई, इसलिए तलाक लेना पड़ा: देवगौड़ा

खड़गे की टिप्पणी पर देवगौड़ा ने देर शाम एक लेटर लिखकर जवाब दिया और बताया कि जब खड़गे सदन में बोल रहे थे, तब वे वहां मौजूद नहीं थे। देवगौड़ा ने आगे लिखा कि अगर मैं अपने मित्र खड़गे को उसी शादी वाली भाषा में जवाब दूं, तो मैं कहना चाहूंगा कि मैं कांग्रेस के साथ जबरन शादी में था, लेकिन वह एक अपमानजनक रिश्ता था, इसलिए मुझे उनसे तलाक लेना पड़ा।

ईडी रेड में ममता की दखलंदाजी पर सुप्रीम कोर्ट बोला

आईपैक दफ्तर पहुंचकर आपने ठीक नहीं किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को आईपैक के ऑफिस में प्रवर्तन निदेशालय की रेड के दौरान पश्चिम बंगाल की सीएम के अचानक पहुंचने पर सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आपने वहां पहुंचकर ठीक नहीं किया। ऐसे असामान्य हालात में केंद्रीय एजेंसी को क्या करना चाहिए। अगर कल कोई और मुख्यमंत्री भी ऐसी छापेमारी में घुस जाए तो क्या ईडी के पास कोई समाधान नहीं होगा। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में ममता के आईपैक के कार्यालय और प्रतीक जैन के घर और कार्यालय से लैपटॉप, फोन और कई दस्तावेज ले जाने को सत्ता का गंभीर दुरुपयोग बताया है। एजेंसी ने मुख्यमंत्री और उनके साथ आए अधिकारियों के खिलाफ पुलिस केस दर्ज करने की मांग भी की है। 8 जनवरी को ईडी की टीम ने प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दूसरी टीम सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पर छापा मारा था। प्रतीक जैन ही ममता बनर्जी के लिए पॉलिटिकल स्ट्रैटजी तैयार करते हैं। कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11.30 बजे के बाद मामला बढ़ा। सबसे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर, प्रतीक के आवास पर पहुंचे। कुछ समय बाद सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट स्थित उनके घर पहुंच गईं। ममता वहां कुछ देर रुकीं। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद वे आईपैक के ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं। ईडी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की गई।

भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत बनेंगे 100 नये विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्क

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 33,660 करोड़ रुपये की भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) को मंजूरी प्रदान कर दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसके तहत देश भर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों का निर्माण किया जायेगा जिससे विनिर्माण को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि हर औद्योगिक पार्क 100 एकड़ से 1,000 एकड़ के क्षेत्रफल में होगा। पूर्वोत्तर राज्यों और पर्वतीय इलाकों के लिए न्यूनतम 25 एकड़ की सीमा रखी गयी है। केंद्र सरकार प्रति एकड़ एक करोड़ रुपये की वित्तीय मदद देगी जिससे पार्कों के अंदर सड़कें, भूमिगत यूटिलिटी सुविधाएं, नाली, साझा ट्रीटमेंट संयंत्र और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा प्रशासनिक तंत्र तैयार किये जायेंगे। साथ ही निवेशकों के लिए फैक्ट्री शेड, जांच प्रयोगशालाएं और वेयरहाउस भी पहले से तैयार होंगे। श्रमिकों के रहने के लिए घर और अन्य सहायक सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक की केंद्रीय मदद बाह्य बुनियादी ढांचों के लिए दी जायेगी। श्री वैष्णव ने कहा कि सरकार की नीतियों में स्थिरता, प्रतिभा भंडार और डिजाइनिंग की क्षमता के दम पर भारत विनिर्माण के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बन कर उभरा है। प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों से आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया को समर्थन मिलेगा और विशेषकर युवा वर्ग को काफी लाभ होगा। उन्हें विनिर्माण सेक्टर में रोजगार के अवसर मिलेंगे और आने वाले समय में देश को बहुत फायदा होगा। उन्होंने बताया कि यह छह साल का कार्यक्रम होगा।

राज्यों को 10% एक्स्ट्रा एलपीजी कोटा मिलेगा

नई दिल्ली

देश में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत के बीच केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि राज्यों को 10 प्रतिशत ज्यादा एलपीजी कोटा देने का ऑफर दिया गया है। साथ ही राज्यों से धीरे-धीरे एलपीजी की जगह पीएनजी अपनाने में मदद करने को कहा गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिकारी सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू एलपीजी उत्पादन 40 प्रतिशत बढ़ा है लेकिन हालात पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं।

साध्वी निरंजन ज्योति ने ओबीसी आयोग के अध्यक्ष पद का दायित्व संभाला

नई दिल्ली (वार्ता)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता साध्वी निरंजन ज्योति ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद बुधवार को पदभार ग्रहण कर लिया। साध्वी निरंजन ज्योति ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में खुद यह जानकारी दी और यह दायित्व सौंपने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। साध्वी ने अपनी पोस्ट में माता गौरा को नमन करते हुए लिखा सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणि नमोस्तुते॥ नई दिल्ली में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। पिछड़े समाज के सम्मान, अधिकारों की रक्षा और उनके समग्र विकास के लिए समर्पित यह दायित्व प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से आभार। आयोग का यह संकल्प है कि पिछड़े समाज को न्याय, सुरक्षा, सम्मान और विकास के समान अवसर प्राप्त हों। इसी भावना के साथ आयोग कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पहले जापान को पछाड़ा अब जर्मनी की बारी

रिपोर्ट में दावा: 2030 तक भारत बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस दशक के अंत तक (2030 तक) भारत जर्मनी को पीछे छोड़ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। इसके अलावा, भारत जल्द ही नामिनल जीडीपी के मामले में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएगा। बीसीजी ने यह भी कहा कि देश के विकास की रफ्तार को बनाए रखने के लिए कुछ ढांचागत चुनौतियों को हल करना होगा। बता दें कि नामिनल जीडीपी किसी देश की सीमा के भीतर एक वर्ष में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल बाजार मूल्य है। इनकी गणना वर्तमान कीमतों पर की जाती है। इसमें मुद्रास्फीति का समायोजन नहीं होता है, इसलिए यह वास्तविक आर्थिक विकास के साथ-साथ बढ़ती कीमतों का भी असर दिखाता है। रिपोर्ट में मैन्यूफैक्चरिंग में गिरावट को मुख्य चिंता के तौर पर उजागर किया गया है और कहा गया है कि पिछले एक दशक में जीडीपी में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत से घटकर 13 प्रतिशत रह गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि किसी कंपनी में मैन्यूफैक्चरिंग का

हर नया रोजगार पूरी अर्थव्यवस्था में दो से ज्यादा अतिरिक्त रोजगार पैदा करता है जबकि सेवा क्षेत्र में भर्ती का गुणक प्रभाव बहुत कम होता है और यह आमतौर पर सिर्फ एक अतिरिक्त रोजगार पैदा करता है। सरकार ने बुधवार को बताया कि भारत का सार्वजनिक पूंजीगत खर्च वित्त वर्ष 2014-15 के दो लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में 12.20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। साथ ही, केंद्रीय बजट 2026-27 में इन्फ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड और सिटी इकोनमिक रीजन्स जैसे नए उपाय पेश किए गए हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड और नेशनल बैंक फार फाइनेंसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट जैसे संस्थानों ने वैश्विक और घरेलू पूंजी के रूप में अरबों रुपये जुटाए हैं, जिससे शासन और दीर्घकालिक वित्तपोषण प्रवाह को मजबूती मिली है।

रिपोर्ट में इन क्षेत्रों पर जोर

रिपोर्ट में कृषि क्षेत्र में वितरण की अक्षमताओं को भी उजागर किया गया है। इस कमी के चलते किसानों को उनकी उपज के लिए उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान की गई राशि का केवल 25 प्रतिशत ही मिल पाता है। इसके चलते भारत के समग्र आर्थिक विस्तार के बावजूद ग्रामीण आय में वृद्धि सीमित रहती है। रिपोर्ट में भारतीय कंपनियों से आग्रह किया गया है कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को केवल एक प्रयोग के तौर पर नहीं देखें बल्कि इसे एक रणनीतिक अनिवार्यता के रूप में अपनाएं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, भारत का एक उच्च-आय वाली अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब शहरों को रहने लायक बनाने के लिए शहरी बुनियादी ढांचे, किफायती आवास और सार्वजनिक परिवहन में निवेश किया जाए, जिससे पूरी आबादी को इसका लाभ मिल सके।

वैश्विक कल्याण के लिए विज्ञान ही सबसे सशक्त माध्यमः पूर्व विधायक पं. खंपरिया

हितकारिणी देवताल महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का भव्य आयोजन

प्राचार्यों का शिक्षक सम्मान से हुआ गौरवपूर्ण अभिनंदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी देवताल महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम का भव्य एवं गरिमामय आयोजन मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल के सहयोग से उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस वर्ष कार्यक्रम का केंद्रीय विषय वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंडित नित्य निरंजन खंपरिया अध्यक्ष हितकारिणी सभा एवं पूर्व विधायक सिहोरा उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि विज्ञान आज मानवता के समग्र विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं वैश्विक चुनौतियों के समाधान का प्रमुख आधार बन चुका है। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवदत्त मिश्रा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सुनीता शर्मा विभाग अध्यक्ष जंतु विज्ञान आदर्श विज्ञान महाविद्यालय एवं डॉ. रोहित मिश्रा जी। डीन हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल रहे उन्होंने न विज्ञान के विविध आयामों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को नवाचार एवं अनुसंधान की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्राचार्य डॉ. नीलेश पाण्डेय ने स्वागत भाषण प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। संचालन डॉ. पुष्पा शुक्ला ने प्रभावशाली ढंग से किया। उत्कृष्ट योगदान के लिए किया सम्मानित

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण शिक्षक सम्मान रहा, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डेलन सिंह मार्को प्राचार्य शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजोरी), श्रीमती किरण राव प्राचार्य, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मेडिकल परिसर गढ़ा, रजनीश श्रीवास्तव प्राचार्य हितकारिणी उच्च माध्यमिक शाला देवताल, भगवान सिंह पटेल प्राचार्य, सांदीपनी विद्यालय चरगंवा, विकासखंड शहपुरा, राजेश जगाती प्राचार्य शासकीय उच्च माध्यमिक सहशिक्षा विद्यालय गढ़ा, श्रीमती प्रगति गुप्ता प्रभारी प्राचार्य शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुकरी मंगोला, अनिंद चौधरी सचिव, चौधरी मदर केयर उच्च माध्यमिक विद्यालय स्नेह नगर तथा राजेंद्र मिश्रा प्राचार्य, सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगा नगर प्रमुख रहे। आयोजन का सफल संयोजन डॉ. संगीता शुक्ला द्वारा किया गया। अंत में डॉ. अंजना मिश्रा ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डॉ. ममता पाठक , डॉ. सरिता शर्मा, प्रो संदीप परिहार, प्रो अंकिता, प्रो श्रद्धा, प्रो मोनिका, डॉ मीना, प्रो सौम्या, जुगल सेन, अल्का विश्वकर्मा सहित महाविद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लोडिंग वाहन की टक्कर से पत्नी की मौत, पति और बेटा घायल

कुंडम के तिलसानी में हुआ दर्दनाक हादसा, पुलिस ने किया मामला दर्ज

जबलपुर

कटनी से जन्मदिन पार्टी मनाकर लौट रहे बाईक सवार दंपत्ति और उनके बच्चें को एक तेज रफ्तार लोडिंग पिकअप वाहन ने कुंडम के तिलसानी में पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें महिला की मौत हो गई, वहीं उसका पति और बच्चा घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। पुलिस ने बताया कि ग्राम पड़वार खेरमाई मोहल्ला निवासी 38 वर्षीय अजय कुशवाहा फिनिक्स पोल्ट्री फार्म में काम करता है। जिसकी साली सबनम कुशवाहा ग्राम भटकमा जिला कटनी में रहती है, जिनके यहां जन्मदिन का कार्यक्रम था। जिसमें शामिल होने के लिये 16 मार्च को अजय अपने बेटे हिमांशु कुशवाहा व पत्नी प्रियंका कुशवाहा को लेकर गया था। बीते दिवस वहां से वापस आते समय शाम को जब वे कुंडम के तिलसानी पहुंचे, उसी समय पीछे से आ रही लोडिंग पिकअप क्रमांक एमपी 20 जीए-4165 के चालक ने तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उनकी मोटर साइकिल में टक्कर मार दी। जिससे तीनों मोटर सायकल सहित गिर गये। उसकी पत्नी प्रियंका काछी उम्र 30 वर्ष को सिर एवं शरीर में गम्भीर चोट आई, उसे पैर में चोट आई बेटे हिमांशु को साधारण चोट आई। जिसके बाद 108 एम्बुलेंस से पत्नी को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल कुण्डम लेकर गये। जहां डाक्टर ने चैक कर उसकी पत्नी प्रियंका को मृत घोषित कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

विभिन्न संगठनों ने महिलाओं को रक्तदान करने किया प्रोत्साहित

जबलपूर (स्वतंत्र मत)

मां अंजनी सेवा समिति, ईज लाइफ फिजियोथैरेपी सेंटर, निवारण और रेडक्लिफ पैथोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ शिखा लारिया, रिम्पी कौर सिद्धू, संध्या पाठक, नीतू संघी और अर्चना खंडेलवाल ने रक्तदान कर समाज की अन्य महिलाओं को प्रेरित करने का विशेष किया। वर्तमान में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में रक्तदान का प्रतिशत काफी कम है। यदि महिला वर्ग इस क्षेत्र में अपनी सहभागिता बढ़ाता है तो रक्त की कमी के कारण होने वाली अकाल मृत्यु को रोकने में बड़ी सफलता मिल सकती है। थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया, कैंसर और डेंगू जैसी बीमारियों के साथ ही गंभीर दुर्घटनाओं, जटिल शल्य चिकित्सा में रक्त की आवश्यकता बनी रहती है। गर्मी के मौसम में सभी ब्लड बैंकों में रक्त की भारी कमी हो जाती है। कार्यक्रम के दौरान 100 से अधिक बार रक्तदान करने वाले वरिष्ठ रक्तदाताओं सरबजीत सिंह नारंग, किशोर थारवानी, शैलेश जैन और विकास खंडेलवाल का विशेष सम्मान किया गया। इस अवसर पर नीतू मोहित संघी, डॉ. रूपांशु मेहरा, डॉ. विनीता घनघोरिया, डॉ.संजय असाटी, डॉ.अंकुर सिंह और अनिल पटेल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

फ्लाईओवर से गिरकर युवक की मौत

जेब से मिली कार की चाबी, मामला दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मदन महल थाना अंतर्गत रानीताल क्षेत्र के समीप स्थित फ्लाईओवर से गिरकर एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। घटना संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। गंभीर हालत में युवक को तत्काल एमएच अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार घटना बुधवार को सामने आई। सूचना मिलने पर मदनमहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। जांच के दौरान युवक की जेब से एक वाहन की चाबी बरामद हुई है। पुलिस अब आसपास खड़े वाहनों से इस चाबी का मिलान कर रही है, ताकि मृतक की पहचान सुनिश्चित की जा सके और घटना से जुड़े अन्य सुराग मिल सकें।

सीसीटीवी कैमरों की जांच - पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फ्लाईओवर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इन फुटेज से यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि युवक ने स्वयं छलांग लगाई थी या वह किसी दुर्घटना का शिकार हुआ। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मृतक के परिजनों की तलाश कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बाइक से गिरकर घायल हुए युवक की मौत

जबलपुर। तिलवारा थानातंर्गत जोधपुर पड़ाव के पास विगत 12 मार्च को बाईक से गिरकर घायल हुए गोटेगांव नौनी करेली निवासी 26 वर्षीय गुलशन श्रीपाल की उपचार दौरान मौत हो गई। पुलिस को संजय पाल ने बताया कि उसकी बुआ का लड़का गुलशन श्रीपाल 12 मार्च को मोटर साइकिल से जबलपुर किसी काम से आया था। वापस जाते समय रात्रि करीब सवा नौ बजे 12 मार्च को वह जोधपुर पड़ाव के पास बाईक से गिर गया था। जिससे आई गंभीर चोटों पर उसे उपचार के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसके बाद बीते दिवस उसे मेडिकल रेफर किया गया, जहां उपचार दौरान देरशाम गुलशन की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

कैप्टिव पावर विधुत संशोधन 2026 से वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर गंभीर खतरा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने विद्युत (संशोधन) नियम 2026 पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह डिस्कॉम (वितरण) कंपनियों की वित्तीय स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा है। कैप्टिव पावर (स्व-उपयोग हेतु बिजली) से संबंधित हाल ही में अधिसूचित विद्युत (संशोधन) नियम 2026 के देश भर की वितरण कंपनियों (डिस्काम) के राजस्व और वित्तीय स्थिति पर गंभीर परिणाम होंगे। सहायक कंपनियों, होल्डिंग कंपनियों और समूह कंपनियों को अब एक ही कैप्टिव उपयोगकर्ता माना जाएगा। इससे बड़े कॉर्पोरेट घराने डिस्कॉम के बजाय कैप्टिव प्लांट से बिजली प्राप्त कर सकेंगे, जिससे औद्योगिक उपभोक्ताओं का बड़े पैमाने पर बिजली कंपनियों से पलायन होगा। विभिन्न समूह कंपनियों में कैप्टिव खपत उद्योग अब अलग-अलग स्थानों पर स्थित अपनी विभिन्न समूह कंपनियों के बीच कैप्टिव बिजली वितरित कर सकते हैं। इससे डिस्कॉम की आपूर्ति पर निर्भरता कम होगी और उनके सबसे अधिक मुनाफे वाले उपभोक्ता वर्ग में कमी आएगी।

ग्रुप कैप्टिव के लिए नियमों में ढील- भले ही व्यक्तिगत उपयोगकर्ता आनुपातिक खपत का कड़ाई से पालन न करें, फिर भी संयंत्र को कैप्टिव माना जाएगा, बशर्ते सामूहिक खपत आवश्यक सीमा को पूरा करती हो। इससे डिस्कॉम की बिजली से बचना आसान हो जाएगा। कैप्टिव स्थिति के सत्यापन के लंबित रहने तक, क्रॉस सब्सिडी सरचार्ज (सी एस एस) और अतिरिक्त अधिभारज नहीं लगाया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप डिस्कॉम को बड़े राजस्व का नुकसान होगा।

कृति माला बनीं रौनियार वैश्य समाज महिला वर्ग की अध्यक्ष

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। श्रीमती कृति माला रौनियार वैश्य समाज जबलपुर के महिला वर्ग की अध्यक्ष पद पर नियुक्त हुई हैं। उनकी यह नियुक्ति आगामी 2 वर्ष के लिए रहेगी। इस दौरान संस्था के नियमों का पालन करने बैठकों की अध्यक्षता करने और समाज के कल्याण के लिए जिम्मेदारियां निभाने की अपेक्षा की जाती है। नियुक्ति पर वैश्य समाज के अन्य पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों ने बधाई दी है। 3

दिनदहाड़े सूने घर से जेवर उड़ा ले गया चोर

जबलपुर। मंझौली थानातंर्गत हरदुआ के एक घर से दिनदहाड़े अज्ञात चोर सोने-चांदी के जेवर चुरा ले गया। परिजनों ने मामले में गांव के ही एक युवक पर संदेह व्यक्त किया है, क्योकि उसे सूने घर के पास देखा गया था। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस को हरदुआ निवासी 47 वर्षीय संतोष पटेल ने बताया कि 16 मार्च की सुबह वह अपनी पत्नी बबीता बाई को लेकर उपचार कराने जबलपुर गया था। उसके पिता, माता व भांजी लक्ष्मी पटेल पर घर पर ही थे। रात्रि जब वह वापस लौटा तो उसकी माँ चम्पाबाई ने बताया कि शाम चार बजे वह और लक्ष्मी गांव में बैठने के लिये गये थे। पिताजी और लक्ष्मी की बेटी अवनी घर के बाहर आंगन में थे, जो कि दरवाजे पर कुंडी लगाकर घूमने चले गये। वापस आये तो देखा कि दरवाजे की कुंडी खुली थी, अंदर जाकर देखा तो मोबाईल, पत्नी और भांजी के सोने का हार तीन-तीन तोला वजनी गायब था।

अपोलो जबलपुर में हुई प्रदेश की पहली रोबोटिक प्रोस्टेट सर्जरी

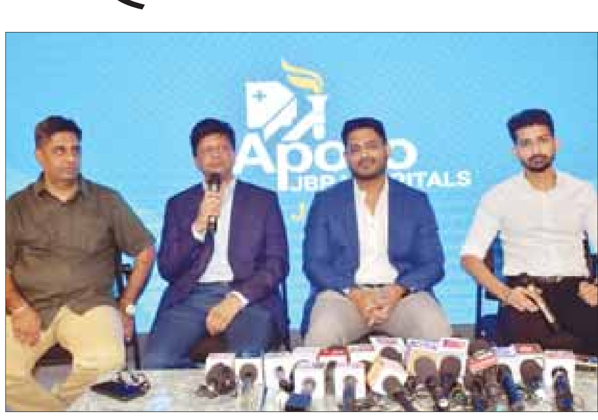

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अपोलो हॉस्पिटल्स, जबलपुर में म.प्र. की पहली सफल रोबोटिक प्रोस्टेट सर्जरी की गई है। यह ऐतिहासिक सर्जरी यूरोलॉजिस्ट, लेप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक यूरो सर्जन डॉ. प्रणल सहारे के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुई। इस सर्जरी केसाथ ही म.प्र. अब उन चुनिंदा राज्यों की सूची में शामिल हो गया है जहाँ रोबोटिक तकनीक से प्रोस्टेट कैंसर का इलाज उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सर्जन डॉ. गणेश गोरथी एवं डॉ. प्रणल सहारे ने बताया कि रोबोटिक प्रोस्टेट सर्जरी एक अत्याधुनिक न्यूनतम चीर-फाड़वाली तकनीक है जिसमें पारंपरिक सर्जरी की तुलना में मात्र 1 से 2 सेंटीमीटर के छह छोटे छेद किए जाते हैं, जबकि पारंपरिक सर्जरी में 15 से 20 सेंटीमीटर का बड़ा चीरा लगाया जाता है। इस तकनीक से सर्जरी के दौरान खून का बहाव न्यूनतम होता है और मरीज को पारंपरिकसर्जरी की तुलना में बहुत कम दर्द होता है। इस तकनीक में मरीज को केवल तीन से पांच दिन हॉस्पिटल में रुकना पड़ता है जबकि पारंपरिक सर्जरी में आठ से दस दिन की आवश्यक्ता होती है। रिकवरी का समय भी पारंपरिक सर्जरी के छह से आठ सप्ताह की तुलना में मात्र दो से तीन सप्ताह होता है। इस तकनीक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें प्रोस्टेट के आसपास की नसों को अधिक सुरक्षित रखा जा सकता है जिससे सर्जरी के बाद यौन क्रिया पर पड़ने वाला प्रभाव न्यूनतम होता है। साथ ही पेशाब नियंत्रण भी जल्दी ठीक हो जाता है जिससे मरीज की जीवन की गुणवत्ता पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता। इस उपलब्धिजनक जानकारी को साझा करते समय डायरेक्टर डॉ. शोभित बड़ेरिया तथा बिजनेस हेड नीलेश रावल मौजूद रहे।

फोटोः अनिल तिवारी

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**

श्रद्धा और आस्था का महापर्व नवरात्र शुरू

मंदिरों-शक्तिपीठों में 9 दिनों तक होंगे विविध धार्मिक आयोजन

जल ढारने लगी भक्तों की कतारे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हिन्दू श्रद्धा और आस्था का महापर्व चैत्र नवरात्र आज से शुरु हो गया है। नवरात्र के पावन पर्व के लिए शहर के मंदिरों-शक्तिपीठों में आज से 9 दिनों तक विविध धार्मिक आयोजन आयोजित किए जाएंगे। नवरात्र पर्व को लेकर मंदिरों में मातारानी आदिशक्ति के विशेष पूजन-अर्चन से लेकर आकर्षक साज-सज्जा की गई है। नवरात्र पर्व पर भुंसारे से ही मंदिरों में पूजन-अर्चन के लिए भक्तों की लंबी कतारें देखी जा रही है। नवरात्र पर्व पर मंदिरों में घट स्थापना भी की गई है, जिनका नवमी के बाद विसर्जन किया जाएगा। आज नवरात्र पर्व पर प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। शैलीपुत्री हिमालय की पुत्री हैं। इसी वजह से मां के इस स्वरूप को शैलपुत्री कहा जाता है। इनकी आराधना से हम सभी मनोवांछित फल प्राप्त कर सकते हैं। माँ शैलपुत्री का प्रसन्न करने के लिए यह ध्यान मंत्र जपना चाहिए। इसके प्रभाव से माता जल्दी ही प्रसन्न होती हैं और भक्त की सभी कामनाएं पूर्ण करती हैं।

मां श्री बड़ी खेरमाई मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए किए गए विशेष प्रबंध

चैत्र नवरात्र आरम्भ होते ही गुप्त शक्तिपीठ मां श्री बड़ी खेरमाई मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के पूजन-अर्चन ,आवागमन आदि के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रातः काल भगवती को जल अर्पित करने आने वाली श्रद्धालु महिला-पुरुषों के आगमन और निगमन के लिए व्यवस्थाएं की गई हैं। साथ ही साथ मंदिर परिसर में होने वाले आयोजन इत्यादि के लिए पुलिस-प्रशासन और श्रद्धालुओं सहित मंदिर ट्रस्ट प्रबंधन द्वारा सभी इंतजाम सुनिश्चित किए जा रहे हैं। आज नवरात्र के प्रारम्भ होते ही सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरु हो जाएगा इसके चलते सभी व्यवस्थाओं को सुचारु किया जा रहा है। इस सम्बंध में मां श्री बड़ी खेरमाई माता मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री शरद अग्रवाल एवं पदाधिकारियों ने बताया कि नवरात्र के नौ दिनों में मातारानी का प्रतिदिन विशेष श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजन अर्चन किया जाएगा। सुबह जल ढारने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु माताएं बहनें आती हैं उनकी सुविधा के लिहाज से सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया जा रहा है जिससे कि उनके आगमन और निगमन की व्यवस्था में बाधा नहीं पड़े। अध्यक्ष शरद अग्रवाल ने बताया कि नौ दिवस में प्रतिदिन भगवती की विशेष आरती शाम को की जाएगी। सप्तमी-अष्टमी और नवमीं तिथि पर देवी का महालक्ष्मी, महासरस्वती , महाकाली स्वरुप में विशेष पूजन - अर्चन किया जाएगा। इन तीन तिथियों में मातारानी की भव्य महाआरती भी रात्रि बारह बजे से की जाएगी, जिसमें बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। नवमीं तिथि के बाद जवारा विसर्जन की शोभायात्रा का शुभारम्भ 29 मार्च की शाम सात बजे मंदिर परिसर से होगा।

स्वर्ण सरोवर द्वारा मातारानी की स्वराधना

दुर्गा है मेरी मां,अंबे है मेरी मां....., चलो बुलावा आया है....., नमामि देवी नर्मदे..... आदि भक्तिगीतों द्वारा नवरात्र की पूर्व संध्या में मां भवानी और नर्मदा माई की आराधना की गई। स्वर्ण सरोवर गीतमाला का रंगारंग कार्यक्रम शहीद स्मारक, गोलबाजार में आयोजित हुआ। धार्मिक गीतों के साथ- साथ सदाबहार गीतों की भी हृदयानुरागी प्रस्तुति ने जनमानस को झूमने- थिरकने को मजबूर कर दिया। सीता सराफ, रूमा बैनर्जी, राधा थापा,मंजुलता चतुर्वेदी, वर्षा सक्सेना,रजनी राजपूत,नूपुर स्थापक, मंजूषा कोरी, डॉ पुरुषोत्तम सराफ, मनोज शर्मा, महेश मेश्राम, विजय जाटव, संजय सराफ,जगतराम शिवहरे, राजेंद्र कोरी आदि ने सुर सरिता प्रवाहित की। तनिष्क शुक्ला के चाचा शैलेन्द्र शुक्ला ने तनिष्क को इंडियन आइडल का विजेता बनाने के लिए वोटिंग अपील की। मंच संचालन राजेश पाठक प्रवीण तथा डॉ पुरुषोत्तम सराफ ने किया।

स्वास्थ्य शिविर में हितकारिणी डेंटल कॉलेज की चिकित्सकीय टीम ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

रोटरी द्वारा शहडोल में तीन दिवसीय राहत निःशुल्क शिविर का आयोजन

उप मुख्यमंत्री की रही विशेष उपस्थिति

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहडोल में 13 से 15 मार्च तक आयोजित रोटरी राहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के 10 चिकित्सकों की टीम ने सेवा भाव के साथ सक्रिय सहभागिता निभाते हुए तीनों दिनों तक शिविर स्थल पर रहकर मरीजों को दंत चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान 300 से अधिक मरीजों की दंत जांच एवं उपचार किया गया तथा उन्हें दंत रोगों की रोकथाम, मौखिक स्वच्छता और उचित देखभाल के संबंध में आवश्यक परामर्श भी दिया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला द्वारा किया गया, जिसमें राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा एवं रोटरी क्लब के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। रोटरी सदस्यों द्वारा आयोजित इस शिविर में हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरवानी एवं प्राचार्य डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में टीम ने सक्रिय सहभागिता दिखाई । यह सेवा कार्य डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक हेल्थ, हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा जबलपुर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सहयोग से संचालित किया गया। शिविर में डॉ. अंकिता सिंह, डॉ. शशांक सिंह, डॉ. वत्सल महेश्वरी, डॉ. शुभांक देवसोनी, डॉ. योगिता जांगले, डॉ. आरती अहिरवार, डॉ. श्वेता पटेल, डॉ. प्रियंका पांडे, डॉ. स्मृति सराफ एवं डॉ. पुष्पेंद्र प्रजापति सहित अन्य स्टाफ सदस्यों की सहभागिता रही।

न्यायाधीशों ने किया अधिवक्ता अशोक गुप्ता का सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिला अधिवक्ता संघ द्वारा गत दिनों 40 वर्ष से अधिक के विधि व्यवसाय में रत अधिवक्तागणों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश आर. कोटेश्वर सिंह, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश विवेक रूसिया एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विवेक अग्रवाल के द्वारा एडवोकेट अशोक गुप्ता (पिपरसानियां) को सम्मानित किया गया।

सफाई कर्मियों की मानमानी आमजन पर पड़ रही भारी

सड़क किनारे कचरों के ढ़ेर, बीमारियों से लेकर हादसों का बना है खतरा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर हमेशा से ही सवाल खड़े होते रहे हैं। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के नाम पर निगम द्वारा आमजन से कर तो वसूला जाता है, लेकिन बावजूद इसके सफाई व्यवस्था चौपट नजर आती है। हालात यह है कि शहर के कई वार्डों में निगम के सफाई कर्मचारियों द्वारा कचरा कलेक्शन के बाद मनमर्जी से सड़क किनारे ही डाल दिया जा रहा है। इससे न केवल आमजन को संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है, वहीं गर्मी के दिनों में आगजनी जैसी घटनाओं का भी डर बना हुआ है। ऐसा ही एक मामला घमापुर क्षेत्र अंतर्गत कांचघर रोड स्थित भगवान दास शासकीय स्कूल के पास देखने को मिला। बताया जा रहा है कि निगम के सफाई कर्मचारियों द्वारा ट्रांसफार्मर के नीचे लगातार वार्ड से इकट्ठा किया कचरा यहां फेंका जा रहा है। जिससे मौके पर कचरे का अंबार लगा र हता है। इसी कचरे के ढ़ेर में देर रात अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग इतनी बढ़ गई की पास में लगे बिजली के ट्रांसफार्मर तक जा पहुंची। गनीमत रही कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि घटना स्थल पर एक कार भी खड़ी हुई थी, स्थानीयजनों की तत्परता से तत्काल कार मालिक से संपर्क कर उसे हटाया गया, जिसमें आग लगते लगते रह गई। स्थानीयजनों ने यह बताया कि कई बार सफाई कर्मियों को यहां कचरा फेंकने के लिये मना किया गया है। पार्षद को भी शिकायत कर चुके हैं। इसके बावजूद भी कोई कार्यवाई नहीं हुई।

नर्मदा परिक्रमा करते हुए दरोगा घाट पहुंची चार वर्षीय नंदिनी

कैंसर की बीमारी से थी ग्रसित, माँ नर्मदा पर आस्था के चलते लिया प्रिक्रमा का संकल्प

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नर्मदा परिक्रमा करना एक कठिन तपस्या है। परिक्रमा के दौरान परिक्रमावासी लगभग 3000 किलोमीटर की यात्रा करते है। इसमें जंगल के कठिन रास्ते, ऊबड़ खाबड़ पथरीली भूमि होती है। पर कहते हैं कि दिल में अगर श्रद्धा और आस्था हो तो कठिन रास्ते भी आसान हो जाते हैं। ऐसे ही मां नर्मदा के प्रति भक्ति लिए महज 4 साल की नंदिनी अपने दादा-दादी के साथ इस कठिन पैदल नर्मदा परिक्रमा पर निकली है और जबलपुर के तट दरोगाघाट में पहुंची है। नंदनी के दादा बताते हैं उनकी नातिन की जान मां नर्मदा ने बचाई थी। इसलिए वे यह कठिन तपस्या कर रहे हैं। दरअसल राधेलाल लोगरे देवास जिले के धूरियां गांव के रहने वाले हैं। राधेलाल अपनी पत्नी परसादी और 4 साल की नातिन नंदिनी के साथ यात्रा पर है। जब नंदनी का जन्म हुआ तो उसे बचपन में ही ट्यूमर हो गया था, जो बाद में कैंसर बन गया। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थीं नंदिनी का लगभग 3 साल इलाज इंदौर और भोपाल में हुआ,एक समय ऐसा भी आया जब डॉक्टरों ने अपने हांथ खड़े कर लिए।

बीमारी ठीक होने की मांगी थी मन्नत

ऐसी स्थिति में ज्यादातर लोग जहां आस्था रखते हैं, वहां जाते हैं राधेलाल का परिवार नर्मदा नदी पर आस्था रखता है। इसलिए उन्होंने नर्मदा के नेमावर घाट में मन्नत मांगी। नंदिनी की किस्मत अच्छी थी और धीरे-धीरे वह ठीक होने लगी और उसकी बीमारी पूरी तरह खत्म हो गई। इसलिए मांगी हुई मन्नत पूरी होने पर राधेलाल और उनकी पत्नी 4 साल की नंदिनी के साथ पैदल नर्मदा यात्रा पर निकल पड़े। डॉक्टर्स का कहना है बच्चों का कैंसर कई बार ठीक भी हो जाता है लेकिन नंदनी के मामले में परिवार की आस्था नर्मदा नदी के प्रति थी और वह इसे नर्मदा नदी का चमत्कार मानते हैं। इब इो आस्था कहें या कुछ और बुजुर्ग दंपति और 4 साल की बच्ची इन कठिन रास्तों पर लगातार आगे बढ़ रहे है।

दुकान की शटर उठाकर नगदी चुरा ले गये चोर

जबलपुर

गढ़ा थानातंर्गत पिसनहारी मढ़िया स्थित बड़कुल मिष्ठान भंडार दुकान की शटर उठाकर ड्राज से नगदी चुरा ले गये चोर। पुलिस को बताया कि राहुल असाटी ने बताया कि वह बड़कुल मिष्ठान में मैनेजर के पद पर कार्यरत् है। बीती रात बारह बजे दुकान बंद करके अपने घर चला गया था। बुधवार सुबह साढ़े सात बजे आकर देखा तो दुकान शटर उठी हुई थी। उसने बाजू में लगी जाली के साईड से घुसकर कैमरे में देखा तो एक लड़का ड्राज खोलकर उसमें रखी 15 से 20 हजार रुपये की नगदी चुरा ले गया। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पति और सुनार ने मिलकर हड़पे 32 तोला सोने के जेवर

पीड़िता ने मझौली थाने में दर्ज करायी शिकायत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मंझौली क्षेत्र में एक आश्चर्य जनक मामला साामने आया है। जहां पति ने ही एक सुनार के साथ मिलकर अपनी पत्नी के 32 तोला सोने के जेवर हड़प लिये। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।पुलिस ने बताया कि रेखा राय उम्र 42 वर्ष निवासी रामनगर कालोनी मंझौली वर्तमान पता धनी की कुटिया अधारताल ने लिखित शिकायत की कि उसके घर की आर्थिक परिस्थितियों के कारण वह वह एवं उसके पति शशिकांत साहू ने प्रहलाद सोनी के यहां वर्ष 2023 में आर्थिक तंगी के कारण 32 तोला सोने के जेवर रखकर राशि प्राप्त की थी। इसके बाद वर्ष 2025 में 7 लाख 24 हजार रूपये की राशि वापस करने के बाद वह प्रहलाद सोनी के घर गई, जहां प्रहलाद सोनी ने बताया कि आपके पति शशिकांत साहू आपके सभी जेवर लेकर चले गये हैं। जब पीड़िता ने अपने पति शशिकांत साहू से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने प्रहलाद सोनी से जेवर नहीं लिये है, बाद में 1 लाख रूपये उसने लिया था। इसके बाद पीड़िता कई मर्तबा प्रहलाद सोनी के पासजेवर लेने गई उसके पति ने प्रहलाद सोनी का सहयोग करउसके सोने के जेवर को हड़प लिये। इतना ही नहीं पीड़िता का आरोप है कि जेवर मांगने पर दोनों जान से मारने की धमकी देते हैं। जांच दौरान पुलिस ने पीड़िता रेखा राय, शशिकांत साहू, प्रहलाद सोनी के कथन लेख किये। वहीं पीड़िता रेखा राय द्वारा दस्तावेज नोटरी शपथ पत्र की छायाप्रति पेश की गई। कथन एवं दस्तावेज के अवलोकन के पश्चात् पुलिस ने आरोपी शशिकांत साहू उम्र 48 वर्ष निवासी रामनगर कालोनी मंझौली एवं प्रहलाद सोनी के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। तिलवारा थानातंर्गत शास्त्री नगर चौक में बाईक से लौट रहे युवक पर स्कूटी सवार दो बदमाशों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों के वार से बचने युवक ने खुद को बचाया तो चाकू उसकी जांघ में जा घुसा। जिसके बाद पीड़ित तेजी से अपनी जान बचाते हुए घर पहुंचा और मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज करायी। पुलिस ने बताया कि क्रेसर बस्ती कबीरमठ निवासी 23 वर्षीय करन बर्मन पुट्टी पालिस का काम करता है। बीती रात साढ़े आठ बजे वह अपने साथी प्रहलाद विश्वकर्मा के साथ सगड़ा स्थित दुकान पर चाय पीने गया था। जहां से वापस आते समय जब वे शास्त्री नगर चौक पर पहुंचे, तभी पीछे से अनुराग ठाकुर और राज वासनिक स्कूटी में आये। अनुराग ठाकुर स्कूटी चला रहा था और दोनों उसके साथ गाली गलौज करने लगे। इसी दौरान अनुराग ठाकुर ने जान से मारने की नियत से उस पर चाकू से हमला किया। करन ने अपना बचाव किया तो चाकू उसके पेट में न लगकर जांघ में लगा, जिससे गंभीर चोट आ गई।

जिनसार द्वारा सीपीआर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिनसार द्वारा 18 मार्च बुधवार को इंडियान कॉफी हॉउस करमचंद चौक में सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रीससिटेशन) का एक प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के उद्देश्य सीपीआर और आपातकालीन प्रतिक्रिया के बारे में जागरूकता फैलाना, जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी प्रदान करना और हृदय संबंधी आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आत्मविश्वास विकसित करना था। यह कार्यक्रम विशेष रूप से इंडियन कॉफी हाउस के कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें कुल 46 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अत्यंत उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। यह कार्यक्रम प्राचार्य प्रभारी प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया तथा समन्वयन प्रो. श्रीमती आराधना धन्यवाद द्वारा किया गया। साथ ही बीएलएस टीम के समन्वयक ने भी कार्यक्रम के आयोजन और संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को सीपीआर तकनीकों का प्रायोगिक (हेन्डस ऑन) प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में उनकी तैयारी और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।

बालाजी मंदिर में 20 मार्च से 75वां रामनवमी महोत्सव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कांची कामकोटि पीठ और दक्षिण भारतीय भजन सभा के द्वारा 75वां रामनवमी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 20 मार्च से कार्यक्रम प्रारंभ होंगे और 29 मार्च को भंडारा प्रसाद के साथ समापन होगा। उक्त जानकारी दक्षिण भारतीय भजन सभा के अध्यक्ष पी रामन व श्री रमणीक ने पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि जबलपुर में दक्षिण भारतीय भजन सभा और कांची काम कोटि पीठ के द्वारा विगत 75 वर्षों से रामनवमी महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जाता है। इस वर्ष भी रामनवमी महोत्सव का हीरक जयंती वर्ष है। इस वर्ष परंपरा के अनुसार बालाजी मंदिर में दक्षिण भारतीय भजन सभा द्वारा 20 मार्च को गणेश पूजन के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ किया जाएगा। 21 मार्च को श्री रामचंद्र एवं माता सीता का विधि विधान के साथ विवाह आयोजन प्रारंभ होगा। 22 मार्च को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक वैदिक परंपराओं के अनुसार माता सीता एवं भगवान श्री राम का दिव्य विवाह सीता राम जी कल्याणम संपन्न किया जाएगा। कार्यक्रम के उपरांत प्रसाद वितरण होगा। 23 मार्च को शाम 6 बजे से राम परिवार रथ शोभा यात्रा आयोजन किया जाएगा।

अदालतों की सुरक्षा के मुद्दे पर गंभीर क्यों नहीं सरकार

उच्च न्यायालय ने कहा- कहीं कोर्ट की दीवार गिर रही, कहीं फूट रहे बम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने बुधवार को प्रदेश की अदालतों की सुरक्षा व्यवस्था पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को 31 मार्च तक विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी टिप्पणी की। मामले में हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से अधिवक्ता बीएन मिश्रा, जजेस एसोसिएशन की ओर से सीनियर एडवोकेट केसी घिल्डियाल और राज्य सरकार की ओर से शासकीय अधिवक्ता अनुभव जैन उपस्थित रहे।

हाल की घटनाओं पर कोर्ट की सख्त टिप्पणी

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि कहीं कोर्ट की दीवार गिरने से जज घायल हो रहे हैं और कहीं परिसर में बम फूट रहे हैं। अदालत ने पूछा कि सरकार इस मुद्दे पर गंभीर क्यों नहीं है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार नरेश एम. सिंह की रिपोर्ट में बताया गया कि प्रदेश के 29 जिला न्यायालयों में चहारदीवारी नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार 27 तहसील न्यायालयों में बाउंड्री वॉल की ऊंचाई बेहद कम पाई गई है। प्रदेश के केवल 5 जिला अदालत परिसरों में ही पुलिस चौकी की व्यवस्था है। रिपोर्ट में 28 जिलों में जजों और उनके परिवार की सुरक्षा व्यवस्था नाकाफी बताई गई है।

राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि जहां कोर्ट परिसरों में दीवार नहीं थी, वहां निर्माण कराया गया है और जहां ऊंचाई कम थी, उसे बढ़ाया गया है। जजों की सुरक्षा को लेकर हाईकोर्ट ने 2016 में स्वतः संज्ञान लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई शुरू की थी, जो अब भी जारी है।

एक जिला, दो नियमः वारासिवनी में हंटर, किरनापुर में मौन क्यों?

अवैध प्लाटिंग पर किरनापुर राजस्व क्यों नहीं कर रहा कार्यवाही

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के वारासिवनी में जहां एसडीएम की ताबड़तोड़ कार्रवाइयों ने अवैध कॉलोनाइजरों की नींद उड़ा रखी है, वहीं पड़ोसी तहसील किरनापुर में राजस्व विभाग की रहस्यमयी चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है। एक ओर वारासिवनी प्रशासन अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाकर कानून का खौफ पैदा कर रहा है, तो दूसरी ओर किरनापुर में शिकायतों के अंबार और सीएम हेल्पलाइन के दबाव के बावजूद जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति का खेल चल रहा हैं। यहीं नहीं स्वंतत्र मत अखबार के द्वारा लगातार समाचार प्रकाशित कर राजस्व विभाग का ध्यान दिलाने का कार्य किया जा रहा है। क्या किरनापुर का राजस्व अमला जानबूझकर इन अवैध कॉलोनाइजरों को अभयदान दे रहा है, या फिर भोले-भाले खरीदारों को अंधेरे में रखकर उनके साथ होने वाले छलावे का मूकदर्शक बना हुआ है? आखिर क्यों किरनापुर में कानून के हाथ बंधे नजर आ रहे हैं?

जानकारी अनुसार, राणा हनुमान सिंह बीएएड कॉलेज किरनापुर के सामने बनें शासकिय आदिवासी जनजातिय छात्रावास के पिछे भूमि खसरा नं. 478/2/2, 478/25, 499/2, रकबा (0.2020 है.) जो नौखरे परिवार की भूमि पर प्लाटिंग काटी गई हैं, सूत्रों ने बताया कि यह अवैध प्लाटिंग तेजस रहांगडाले द्वारा प्लाटिंग काटी गई हैं। वहीं सूत्रों की माने तो इसी से लगी भूमि पर अवैध प्लाटिंग नरेंद्र पिता

स्वतंत्र मत
किरनापुर में अवैध प्लाटिंग की रजिस्ट्री का खेल!

श्यामलाल अग्रवाल निवासी किरनापुर द्वारा खसरा नम्बर 498/1/च एंव 498/1/ड़ को रजिस्ट्री करने के पश्चात भूमि के खसरा नं. 498/1/6 (स) एंव 498/1/5 भूमि पर अलग-अलग नाम से ले-आउट पर कालोनी का अवैद्य निर्माण व विक्रय कर रहा है एंव पटवारी द्वारा नक्शे काटकर दिए गए हैं। उक्त जानकारी को अखबार के माध्यम से राजस्व विभाग किरनापुर के संज्ञान में मामला लाया जा रहा हैं यही नहीं सीएम हेल्पलाईन की शिकायत भी बिते एक वर्ष से एल चतुर्थ लेबल अधिकारी के संज्ञान में पहुंच चुंकि हैं. बावजूद, इसके विभागीय अधिकारी कार्यवाही करने के नाम पर केवल खानापुर्ती ही करते नजर आ रहें हैं।

हेल्पाईन की शिकायत में गोलमोल जवाब

सीएम हेल्पाईन की शिकायतकर्ता ने बताया कि कोई भी राजस्व के एल वन, एल टू व एल थ्री के अधिकारियों ने कोई सम्पर्क हीं नहीं किया गया है। जब खसरा नम्बर 498/1/5 रकबा 0.121, खसरा 498/1/5 और 478/2/2 में न्यायालय में प्रकरण आदेश परित किया जा चुका हैं। लेकिन शिकायतकर्ता से किसी भी राजस्व अधिकारी ने सम्पर्क नहीं किया गया, जब शिकायतकर्ता उक्त आदेश की प्रति के लिए अधिकारियों से सम्पर्क किया गया तो उन्होने कोई जानकारी नहीं दी गई, यहीं नहीं जब हमने हल्का पटवारी फुलेश मानेश्वर से मुलाकात कर जांच रिपोर्ट की जानकारी चाही गई तो उन्होने कोई जवाब नहीं दिया। जिससे यहीं लगता हैं कि अधिकारियों के द्वारा अवैध कालोनाईजर से साठगांठ कर कार्यवाही में केवल खानापुर्ती की गई हैं।

कालोनाईजर एक्ट का नहीं हो रहा पालन.

कालोनाईज़र एक्ट के तहत, कालोनी के विकास और निर्माण से जुड़े लोगों को ज़रूरी सुविधाएं देनी होती हैं। इनमें पीने का पानी, आश्रय और शौचालय जैसी सुविधाएं शामिल हैं। मध्य प्रदेश में, मध्यप्रदेश नगर पालिका (कॉलोनाइजर का पंजीकरण, नियम और शर्तें) नियम, 1998 और मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 जैसे कानून हैं जो कॉलोनियों के विकास और विनियमन को नियंत्रित करते हैं।

यह हैं एसडीएम की कार्यवाही

वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने नियम विरूद्ध अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय किये जाने के मामले में 18 कालोनाईजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके द्वारा तैयार की जा रही कालोनी का प्रबंधन मध्यप्रदेश पंचायत राज्य एवं ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा 61 एवं मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत नियम 2014 के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा ले लिया जाए। इन कालोनाईजर्स को 10 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

बांधवगढ़ में 5 वर्षीय बाघिन की हुई मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों की लगातार हो रही मौतों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। ताजा मामला एक 5 वर्षीय बाघिन की मौत का है, जिसने इलाज और रेस्क्यू के बावजूद दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक रविवार 15 मार्च 2026 की शाम मानपुर बफर क्षेत्र के बनवेई नाला, बीट दमना के पीएफ 352 के पास एक बाघिन के बीमार होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने हाथियों की मदद से निरीक्षण किया, जिसमें बाघिन बेहद कमजोर हालत में मिली और ज्यादा दूरी तक चलने में भी असमर्थ थी। स्थिति को गंभीर देखते हुए तत्काल इलाज शुरू किया गया। 16 मार्च को बाघिन का रेस्क्यू कर उसे बहेरहा इनक्लोजर में शिफ्ट किया गया, जहां विशेषज्ञों की निगरानी में उसका इलाज जारी रहा। इसके बावजूद मंगलवार 17 मार्च की दोपहर उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना तुरंत नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) को दी गई। इसके बाद तय प्रक्रिया के अनुसार अधिकारियों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार किया गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बाघिन किसी गंभीर बीमारी से जूझ रही थी, जिसमें लिवर और तिल्ली प्रभावित थे, साथ ही आंतरिक रक्तस्राव भी पाया गया। हालांकि उसके सभी अंग सुरक्षित मिले हैं, जिससे शिकार की आशंका नहीं जताई जा रही है। लेकिन लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं कई सवाल खड़े कर रही हैं। फिलहाल सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं और विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार है। लेकिन बांधवगढ़ में बाघों की मौत का यह सिलसिला चिंता का विषय बना रहेगा।

उकवा व जगनटोला में छापामार कार्रवाई, 9 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

उकवा (स्वतंत्र मत)

घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर 18 मार्च को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अश्विनी देशमुख की टीम ने पुलिस के सहयोग से उकवा एवं जगनटोला क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की। इस दौरान प्रधान आरक्षक तिलक सोनेकर एवं आरक्षक नागेश धुमकेती मौजूद थे। कार्रवाई के दौरान राजवीर होटल, रेंज ऑफिस उकवा में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते हुए पाया गया। मौके पर 14.2 किलोग्राम का एक घरेलू गैस सिलेंडर एवं 5 किलोग्राम का एक अन्य घरेलू सिलेंडर जब्त किया गया। दोनों सिलेंडरों को जब्त कर चित्राक्षी गैस एजेंसी उकवा के प्रबंधक को सुपुर्द कर दिया गया। इसके अलावा सिलाई सेंटर, रेंज ऑफिस उकवा की जांच के दौरान 14.2 किलोग्राम के तीन खाली घरेलू गैस सिलेंडर अवैध रूप से संग्रहित पाए गए। इन्हें भी मौके पर जब्त कर गैस एजेंसी को सुपुर्दगी में दिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई में कुल 9 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मेरा बाघ, मेरा विद्यालय कार्यशाला का आयोजन

उकवा (स्वतंत्र मत)। मुख्य वन संरक्षक वन वृत बालाघाट के निर्देशन में तह वन मंडलाधिकारी उत्तर बालाघाट सामान्य एवं उपवनमंडलाधिकारी उकवा सामान्य के मार्गदर्शन में शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उकवा में 17 मार्च को मध्यप्रदेश शासन के वन विभाग द्वारा प्रायोजित मेरा बाघ, मेरा विद्यालय थीम पर एक प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश प्राप्त किए। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुई। उक्त कार्यक्रम में छात्र छात्राओं को वन एवं वन्यप्राणी का महत्व एवं संरक्षण के संबंध में जानकारी दिया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। विभाग का आभार इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

तहसीलदार, नायब तहसीलदार और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने की कार्रवाई

कटंगी(स्वतंत्र मत)

बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन पर घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगाने के लिए तहसीलदार, नायब तहसीलदार और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में 18 मार्च 2026 को तिरोड़ी में तहसीलदार गीता राहंगडाले, नायब तहसीलदार और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने संयुक्त रूप से जायसवाल ढाबा एवं फैमिली रेस्टारेंट में छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान प्रतिष्ठान से 02 नग घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग पाया गया। सिलेण्डरों को जब्त कर चिरायु गैस एंजेसी को सुपूर्द किया गया है। तहसीलदार ने जानकारी देते हुए शाम 04 बजे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर तिरोड़ी और महकेपार के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। तहसीलदार ने ढाबा संचालक को चेतावनी दी है कि घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करना नियम विरुद्ध है और भविष्य में ऐसी अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार ने साफ किया है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई होगी। गैस का गलत उपयोग किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। होटल संचालकों को नियमों का पालन करने की चेतावनी दी गई है। इस कार्रवाई से इलाके में प्रशासन की सख्ती का संदेश गया है और जो लोग गलत तरीके से घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यवसायिक उपयोग कर रहे है उनके डर का माहौल है।

उमरिया की बेटियां करेंगी राज्य का प्रतिनिधित्व

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले की दो प्रतिभाशाली बेटियों .संध्या सिंह, विभा सिंह का चयन राष्ट्रीय स्तर की हॉकी प्रतियोगिताओं के लिए मध्यप्रदेश टीम में हुआ है। यह जिले के लिए गौरव का विषय है। खेलो इंडिया सेंटर उमरिया की खिलाड़ी विभा सिंह परस्ते का चयन 20 मार्च से 24 मार्च तक राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) में आयोजित सब जूनियर अस्मिता महिला हॉकी लीग के लिए किया गया है। वहीं जिले की दूसरी खिलाड़ी का चयन 25 मार्च से 3 अप्रैल तक रायपुर (छत्तीसगढ़) में होने वाले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए हुआ है। दोनों खिलाड़ियों के चयन पर जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अजय सिंह, सचिव संतोष सिंह, हॉकी कोच प्रवीण पसेरिया, एजाज खान सहित सभी पदाधिकारियों और वरिष्ठ खिलाड़ियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

मध्यप्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

अखिल भारतीय राष्ट्रीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के आह्वान पर मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ प्रांतीय निकाय के निर्देशानुसार मंगलवार दिनांक 17 मार्च 2026 को अपने विभिन्न भागों को लेकर प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं वित्त मंत्री भारत सरकार के नाम कलेक्टर महोदय उमरिया के माध्यम से ज्ञापन सैपा गया। मध्यप्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव ज्ञानेंद्र पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि आठवें वेतन आयोग के ग्रुप डी के कर्मचारियों को कम से कम 40 प्रतिशत वेतन वृद्धि दी जाए केंद्र के समान कानून, श्रम विरोधी कानून वापस लिया जाए सभी राज्यों में रिक्त ग्रुप डी के पदों की पूर्ति सीधी भर्ती के माध्यम से किया जाए। सभी राज्य सरकार आंगनबाड़ी

कार्यकर्ता सहायिका आशा उषा कार्यकर्ता ,मध्यान भोजन रसोईया कोटवार कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन 30000 प्रति माह प्रदान किया जाए। नगर पंचायत नगर पालिका एवं नगर निगम में कार्यरत ग्रुप डी कर्मचारियों को शासकीय कर्मचारी घोषित किया जाए इसी प्रकार अन्य 10 सूत्रीय माग पत्र अनुसार अपनी मांगों की पूर्ति हेतु ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें संगठन के प्रांतीय सचिव ज्ञानेंद्र पाण्डेय. मार्गदर्शक बीरेंद्र दुबे. संभाग अध्यक्ष राजीव लोचन सोनी. जिलाध्यक्ष धनेश पुरी गोस्वामी, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गड़ारी. कोषाध्यक्ष जयकरण सिंह. जिला उपाध्यक्ष अंकज चतुर्वेदी. रूपलाल कुशवाहा. सचिव जिला मीडिया प्रभारी आदिल सिद्दीकी. निरीक्षण समिति अध्यक्ष कमलेश शुक्ला उपाध्यक्ष बैसाखू बैगा,जिला संगठन मंत्री कमलेश रैदास, सदस्य संतोष बैगा महिला ई रानी सिंह सदस्य मायादेवी वर्मन सुषमा चौधरी दुर्जन सिंह राकेश सोधिया मनोज रैदास नंदू बैगा प्रेमलाल वर्मन रामनारायण बैगा चरण सिंह आशीष सिंह दादूराम बैगा बसतीयाबाई, प्यारी बाई बैगा सुरजीत सिंह राधेश्याम कुशवाहा राकेश बर्मा किशन बैगा दिनेश बैगा कन्हैया कचेर मनीष पावेल अच्छे लाल अमित सिंह सदस्य रामलखन बैगा, सदस्य सोनू बैगा आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

उमरिया (स्वतंत्रमत) – कलेक्टर व्दारा शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए गए है। निर्देश के परिपालन में ग्राम कछरवार की पोखर मद की भूमि अ क 531 रकबा 0.3440हे0 के संपूर्ण रकबे में बिहारी राय पिता गणेश राय व संतोश राय पिता बिहारी राय व्दारा अतिक्रमण कर गेहूं फसल बोकर अतिक्रमण किया गया जिसे बेदखल करते हुए सरपंच ग्राम पंचायत कछरवार एवं ग्राम सचिव कछरवार को सौंपा गया। इस अवसर पर तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी ,राजस्व निरीक्षक हल्का पटवारी ग्राम कोटवार सहित ग्रामीणजन व अतिक्रमक उपस्थित रहे।

चैत्र नवरात्रि आज से, मंदिरों में उमड़ेगी भक्तों की भीड़

उमरिया (स्वतंत्रमत)

चैत्र नवरात्रि आज 19 मार्च से प्रारंभ होगी जिसका समापन 27 मार्च को रामनवमी के साथ होगा। चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन मां शैलपुत्री की विधि विधान से पूजा की जाएगी। नवरात्रि के अवसर पर जिला मुख्यालय उमरिया स्थित मां ज्वालामुखी मंदिर, शारदा देवी मंदिर, वैश्णों देवी मंदिर, शाकाम्भरी देवी मंदिर, अन्नपूर्णा देवी मंदिरो में सुबह से भक्तों का तांता उमडेगा। भक्तों की सुरक्षा को देखते हुए मंदिर प्रबंधन व्दारा भी सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। मंदिर प्रबंधन व्दारा पुरूश एवं महिलाओं के लिए अलग अलग लाईनों की व्यवस्था की गई है, ताकि दर्शनार्थियों को माता के दर्शन करते समय किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नही करना पडे। नवरात्रि पर्व को देखते हुए मंदिर प्रबंधन व्दारा मंदिरों को आकर्शक ढंग से सजाया गया है। इसी तरह बिरसिंहपुर पाली स्थिम मां विरासिनी धाम में भी जिला उमरिया सहित आस पास के जिलों से मां के दर्शन करने भीड उमडेगी, जहां पर भक्तों की संख्या को देखते हुए इंतजाम किए गए है। इसी तरह नौरोजाबाद के उंचेहरा धाम स्थित ज्वालाधाम में भी भक्तों का जमावडा उमडेगा। विदित हो कि ज्वालाधाम मे करौंदे के पेड के नीचे विराजी मां ज्वाला मां के दर्शन मात्र से ही भक्तो के सभी कश्टों का निवारण हो जाता है।

क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी के छात्रों ने नवोदय और सैनिक स्कूल परीक्षा में गाड़े सफलता के झंडे

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके किन्ही स्थित क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। हाल ही में घोषित हुए जवाहर नवोदय विद्यालय और सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के परिणामों में एकेडमी के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को सिद्ध किया है। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 में विद्यालय के तीन होनहार छात्र सार्थक वासनिक, श्रेयांश लिल्हारे और अनघ रहांगडाले ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से

सफलता की सूची में जगह बनाई है। इन छात्रों का चयन उनके माता-पिता के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बना हुआ है। विशेष रूप से, विद्यालय के छात्र सार्थक वासनिक ने एक असाधारण उपलब्धि हासिल की हैं। नवोदय विद्यालय के साथ-साथ सार्थक ने प्रतिष्ठित सैनिक स्कूल चयन परीक्षा में भी बाजी मारी है। सैनिक स्कूल जैसी कठिन प्रतियोगिता में स्थान सुनिश्चित करना सार्थक की कुशाग्र बुद्धि और विद्यालय के व्यवस्थित मार्गदर्शन को दर्शाता है।

प्रबंधन और शिक्षकों ने दी बधाई...-इस शानदार उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यालय के प्राचार्य तुलमोहन भोयर ने कहा कि यह केवल छात्रों की सफलता नहीं, बल्कि उनके अटूट परिश्रम और हमारे शिक्षकों के समर्पण का प्रतिफल है। हम छात्रों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मानसिक रूप से भी तैयार करते हैं। सार्थक की दोहरी सफलता हमारे संस्थान के लिए एक मील का पत्थर है।

क्षेत्र में हर्ष की लहर...

विद्यार्थियों की इस कामयाबी से पालकों और स्थानीय निवासियों में उत्साह का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन ने सभी चयनित छात्रों को मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों का मानना है कि ग्रामीण परिवेश में स्थित होने के बावजूद क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान कर प्रतिभावान छात्रों को तराशने का कार्य कर रही है।

अगर सात दिन में नहीं की कार्यवाही तो होगा उग्र आंदोलन बीजादांडी सीईओ को हटाने एक मंच में दिखा पंचायती अमला

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिले की बीजाडांडी जनपद पंचायत इन दिनों जबरदस्त प्रशासनिक संकट के दौर से गुजर रही है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि जनपद क्षेत्र की सभी 42 ग्राम पंचायतों के सरपंच और 12 जनपद सदस्य खुलकर विरोध में उतर आए हैं। इन जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) बासंती दुबे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और उन्हें तत्काल पद से हटाने की मांग करते हुए जिला प्रशासन को कड़ा संदेश दे दिया है। मामले ने उस समय तूल पकड़ लिया जब बड़ी संख्या में सरपंच और जनपद सदस्य जिला मुख्यालय पहुंचे और मंडला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सीईओ पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं जिनमें भ्रष्टाचार विकास कार्यों में जानबूझकर अड़ंगा डालना और जनप्रतिनिधियों के साथ असहयोगात्मक रवैया शामिल है। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि सीईओ बासंती दुबे की कार्यप्रणाली के चलते पंचायतों में विकास कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि 15वें और 5वें वित्त आयोग के तहत स्वीकृत कार्यों की तकनीकी मंजूरी जानबूझकर रोकी जा रही है। इससे गांवों में बुनियादी विकास कार्य ठप पड़ गए हैं और आम जनता को सीधा नुकसान उठाना पड़ रहा है।

दबाव और अवैध वसूली के आरोप

सरपंचों ने आरोप लगाया है कि सीईओ द्वारा योजनाओं में अनावश्यक जांच बैठाई जाती है और फिर जांच खत्म करने के नाम पर अवैध राशि की मांग की जाती है। यह आरोप न केवल प्रशासनिक तंत्र पर सवाल खड़े करता है बल्कि पंचायत व्यवस्था की पारदर्शिता पर भी गंभीर चोट करता है। जनपद सदस्यों का कहना है कि यह स्थिति केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं है बल्कि जनप्रतिनिधियों की गरिमा और अधिकारों का भी खुला उल्लंघन हो रहा है। उनका आरोप है कि सीईओ का व्यवहार तानाशाहीपूर्ण है और वे जनप्रतिनिधियों की बात सुनने को तैयार नहीं रहतीं।

कर्मचारी भी परेशान की शिकायत

इस पूरे विवाद में एक चौंकाने वाला पहलू यह भी सामने आया है कि केवल सरपंच ही नहीं बल्कि जनपद पंचायत के कई कर्मचारी भी सीईओ के व्यवहार से असंतुष्ट हैं। कर्मचारियों ने भी अपनी लिखित शिकायतें जनपद अध्यक्ष को सौंपी हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि मामला व्यक्तिगत नहीं बल्कि व्यापक प्रशासनिक असंतोष का रूप ले चुका है।

डीएससी लेकर पहुंचे सरपंच

विरोध का स्वरूप उस समय और गंभीर हो गया जब सभी 42 ग्राम पंचायतों के सरपंच अपनी-अपनी डीएससी (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे। यह कदम पंचायतों के कामकाज को पूरी तरह ठप करने की चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। सरपंचों ने दोटूक शब्दों में कहा कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे अपनी डीएससी जिला प्रशासन को सौंप देंगे और पंचायतों का समस्त कार्य रोक दिया जाएगा। इससे ग्रामीण विकास की पूरी व्यवस्था ठहर सकती है। सरपंच चंद्रलेखा मरावी ने तीखे शब्दों में कहा कि हम लंबे समय से सीईओ और तकनीकी अमले की मनमानी से परेशान हैं। यदि बासंती दुबे को यहां से नहीं हटाया गया तो कोई भी सरपंच सरकारी कार्य नहीं करेगा।

सभी दिखे एक मंच में

इस विरोध की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभी 12 जनपद सदस्य और 42 पंचायतों के सरपंच एक साथ खड़े नजर आए। इतनी बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों का एकजुट होकर विरोध करना इस बात का संकेत है कि मामला बेहद गंभीर और व्यापक है। राजनीतिक और प्रशासनिक जानकारों का मानना है कि यदि समय रहते इस विवाद का समाधान नहीं निकाला गया तो यह आंदोलन जिलेभर में बड़ा रूप ले सकता है।

कलेक्टर ने दिया जांच का भरोसा

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया है कि उनकी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। प्रशासन ने इस संबंध में 7 दिन का समय मांगा है और कहा है कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर के आश्वासन के बाद फिलहाल सरपंचों और जनपद सदस्यों ने अपने आंदोलन को जांच अवधि तक स्थगित कर दिया है। हालांकि उन्होंने साफ कर दिया है कि यदि निर्धारित समय सीमा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र होगा।

गांवों में विकास कार्य प्रभावित

इस पूरे विवाद का सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। विकास कार्य रुकने से सड़कों पेयजल स्वच्छता और अन्य योजनाओं पर असर पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासनिक खींचतान का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। बीजाडांडी जनपद पंचायत का यह विवाद अब जिला प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। एक ओर जहां जनप्रतिनिधियों का भारी दबाव है वहीं दूसरी ओर प्रशासन को निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लानी होगी। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो कार्रवाई तय मानी जा रही है।

एड्स जागरूकता पर प्रतियोगिता

मण्डला (स्वतंत्र मत)। शासकीय महाविद्यालय अंजनिया में एड्स जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेड रिबन क्लब के तत्वाधान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रभारी प्राचार्य डॉ. नवीन कुमार हरदहा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत 13 मार्च को पोस्टर प्रतियोगिताए 14 मार्च को रंगोली प्रतियोगिता तथा 16 मार्च को मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को एड्स के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर डॉण् गरिमा छाबड़ा, डॉ. धनश्याम झारिया, डॉ. विजय मोर्च, डॉ. प्रशांत यादव, संदीप चौरसिया एवं संतोष नंदा सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

मण्डला (स्वतंत्र मत)। सड़क सुरक्षा को लेकर जिला स्तर पर सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा दुर्घटना पीड़ितों को शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल या मृत व्यक्तियों के परिजनों को शासन द्वारा संचालित योजनाओं का समय पर लाभ दिलाया जाए। विशेष रूप से प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को सहायता राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। पीएम राहत योजना विशेषकर सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए दुर्घटना के पात्र पीड़ितों को कैशलेस इलाज प्रदान करती है।

वेयरहाउस का किया निरीक्षण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में स्थित ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस का मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विधानसभा बिछिया निवास तथा मंडला के लिए निर्धारित ईव्हीएम हॉल का गेट खुलवाकर विधिवत निरीक्षण पूर्ण किया। कलेक्टर ने वेयरहाऊस की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।

जल-गंगा संवर्धन अभियान

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के उद्देश्य से आगामी 19 मार्च से जिले में जल-गंगा संवर्धन अभियान का शुरू होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने जिला योजना भवन में समीक्षा बैठक ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। कलेक्टर ने बताया कि इस अभियान का जिला स्तरीय कार्यक्रम संगम घाट पर आयोजित किया जाएगा।

परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग मण्डला में विभागीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एजेंडावार चर्चा करते हुए कार्यपालन यंत्री मनोज भास्कर की अध्यक्षता में विभागीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक में कहा कि सभी अपने अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों के विभिन्न लंबित प्रकरणों के संबंध में निराकरण की जा चुकी है। बैठक में कर्मचारियों के सातवें वेतनमान के निर्धारण समयमान वेतनमान कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका एवं सेवा सत्यापन कर्मचारियों के स्वत्व भुगतान, वरिष्ठता सूची, विभागीय भविष्य निधि पर्ची, पेंशन प्रकरण, अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरण सहित अन्य विषयों पर कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारी के साथ विमर्श किया गया।

इस अवसर पर राधेलाल नरेटी, केडी दुबे, बीके राय, सतीश चन्द्रौल, मिश्री लाल यादव, एन के शुक्ला, एकल कुमार पटेल, गजराज मरावी, प्रकाशचन्द्र वरकड़े राजीव उसराठे सहित संबंधित अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

सांसद कुलस्ते का प्रवास आज

मण्डला (स्वतंत्र मत)। एससी एसटी कल्याण संबंधी समिति लोकसभा एवं सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते आज दोपहर 1 बजे जिला सिवनी से मंडला के लिए रवाना होंगे और शाम 4 बजे मंडला पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे शाम 7 बजे मंडला से जेवरा के लिए प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि 8 बजे जेवरा पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। 20 मार्च को सांसद श्री कुलस्ते प्रात: 9 बजे जेवरा से जिला डिण्डौरी के लिए प्रस्थान करेंगे। शाम 6 बजे जिला डिण्डौरी से मंडला के लिए रवाना होकर रात्रि 9 बजे जेवरा पहुंचेंगे और रात्रि विश्राम करेंगे। सांसद श्री कुलस्ते 21 मार्च को प्रात: 10 बजे जेवरा से मवई के लिए रवाना होंगे तथा दोपहर 12 बजे मवई, विकासखंड बिछिया में विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण की बैठक में शामिल होंगे। शाम 4 बजे मवई से रायपुर, छत्तीसगढ़ के लिए प्रस्थान करेंगे।

सहकार भारती प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में विक्रमादित्य भवन के विद्या भारती प्रांतीय कार्यालय में मध्यप्रदेश के सहकार भारती के अपेक्षित सभी पदाधिकारीयों की उपस्थिति में 18 मार्च को सहकार भारती की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक संपन्न हुई। उपरोक्त प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में सहभागिता कर रहे मंडला से सहकार भारती के जिलाध्यक्ष रंजीत कछवाहा और जिला महामंत्री अखिलेश सोनी ने बताया बैठक की शुरुआत संस्कार भारती के संस्थापक पूज्यनीय लक्ष्मण राव ईमानदार और भारत माता के तैलीय चित्र पर तिलक वंदन, दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण और सहकार भारती के गीत से शुरुआत हुई तत्पश्चात मंचासीन अतिथि मध्य भारत क्षेत्र प्रमुख दादा दिलीप पाटीदार, राष्ट्रीय मंत्री गौतम, प्रदेश अध्यक्ष शेखर किवे, प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान, प्रदेश संगठन मंत्री राधेश्याम जलक्षत्री, प्रदेश महिला प्रमुख जया श्रीवास्तव का स्वागत वंदन स्थानीय पदाधिकारियों के द्वारा किया गया। तत्पश्चात बैठक के प्रथम सत्र में विग

त प्रदेश स्तरीय बैठक जो इंदौर में संपन्न हुई थी उस पर समीक्षा की गई। तत्पश्चात आगामी आयोजनों पर रोड मैप तैयार किए जाने एवं उसे कार्यान्वित किए जाने पर सामूहिक चर्चा जिलाध्यक्ष एवं जिला महामंत्री के द्वारा जिलेवार हुई। जिलाध्यक्ष रंजीत कछवाहा ने अमरकंटक और कान्हा नेशनल पार्क में प्रदेश स्तर के अधिवेशन के आयोजन पर सुझाव दिया। अंतिम समापन सत्र पर क्षेत्र प्रमुख ने राष्ट्रीय स्तर पर हुए निर्णयों पर ढेर सारी जानकारी दी जिसमें हरियाणा सरकार के सहयोग से मल्टीटास्किंग ट्रेनिंग सेंटर दो एकड़ में बनाया जाने की शुरुआत पर जानकारी दी साथ ही स्वसहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के लिए विभिन्न ट्रेनिंग सेंटर देश के कई राज्यों में शुरुआत किए जाने और प्रदेश सरकार से अनुबंध की प्रक्रिया पर जानकारी दी।

अध्यक्ष से मिलकर किया शोक प्रकट

मण्डला(स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सुपुत्री सुरभि खंडेलवाल के असामयिक और दुखद निधन पर शोक की लहर है। इस अत्यंत कठिन और पीड़ादायक समय में अपनी संवेदनाएं व्यक्त करने के लिए जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा एवं भाजपा जिला पदाधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष के निजी आवास पर पहुंचे। जिले से बैतूल पहुंचे भाजपा पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की। नेताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संवेदना प्रकट की। बेटी का असमय चले जाना पूरे परिवार एक अपूरणीय क्षति है श्रृद्धांजलि के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष रामप्रकाश साहू, जिला उपाध्यक्ष महेंद्र राठौर, जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल उपस्थित रहे।

आवेदकों की सुनी समस्या

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिला मुख्यालय स्थित जिला योजना भवन में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर ने आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना। इस दौरान जिले के विभिन्न अंचलों से आए 102 आवेदकों ने अपनी शिकायतों और मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों से संवाद करते हुए कलेक्टर ने आवेदनों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें।

अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर के निर्देशन में जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत जिसमें ग्राम बम्हनी में मदिरा का अवैध रूप से विक्रय करने की शिकायत पर आबकारी विभाग द्वारा दबिश की कार्रवाई की गई। जिसमें बम्हनी बंजर के टिकरी टोला में मदिरा विक्रय वाले संदिग्ध स्थलों की तलाशी ली गई जिसमें 12 डब्बे महुआ लहान एवं 18 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब जप्त की गई। मदिरा का विक्रय करने वाले तीन व्यक्तियों के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। साथ ही महाराजपुर क्षेत्र के संगम में मदिरा का विक्रय करने वाले व्यक्तियों पर की गई कार्रवाई में गई। 15 पाव प्लेन एवं 35 पाव विदेशी मदिरा एवं बियर जप्त की गई जिनके विरुद्ध विधिवत पंजीबद्ध किया गया। जप्त मदिरा की अनुमानित कीमत 21550 रूपए है।

शिक्षक पर दुर्व्यवहार के आरोप

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्र मत)। जिले कि विकासखंड मोहगांव कि ग्राम चाबी की शासकीय संदीपनी विद्यालय के छात्र छात्राओं ने संदीपनी विद्यालय के एक शिक्षक पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया है और उन्हें तत्काल हटाने की मांग की है छात्रों का कहना है कि वे इस तरह के माहौल में पढ़ाई नहीं कर सकते और ऐंसे शिक्षक को विद्यालय में रखना ठीक नहीं है बता दें शासकीय संदीपनी विद्यालय चाबी में पदस्थ शिक्षक भरत साहू के व्यवहार से नाराज छात्रों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है और विद्यालय के दर्जनों छात्रों ने विद्यालय के प्राचार्य के कार्यालय पहुंचकर संबंधित शिक्षक भरत साहू को स्कूल से तत्काल हटाने की मांग को लेकर प्राचार्य को शिकायत पत्र सौंपा है।

ग्राम इंद्री में बिजली आपूर्ति बहाल

मण्डला (स्वतंत्र मत)। ग्राम इंद्री में फेल हुए ट्रांसफार्मर को बदलकर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई है। ग्रामीणों ने 17 मार्च को जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई थी कि ट्रांसफार्मर खराब होने से कृषि फसलों को नुकसान हो रहा है। शिकायत के बाद सहायक अभियंता द्वारा मामले की जांच की गई जिसमें पाया गया कि ट्रांसफार्मर 16 मार्च को खराब हुआ था। तत्परता दिखाते हुए 17 मार्च को ही ट्रांसफार्मर बदलकर बिजली आपूर्ति सुचारू कर दी गई। प्रथम दृष्टया लाइनमैन की लापरवाही पाए जाने पर उसका स्थानांतरण भी कर दिया गया है। ग्रामीणों ने गांव में एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने की मांग भी की है। इस संबंध में प्रस्ताव उच्च कार्यालय को भेज दिया गया है। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में फंड उपलब्ध होने पर गांव में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा।

अवैध रेत परिवहन पर कार्यवाही

मण्डला(स्वतंत्र मत)। खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राप्त शिकायतों के आधार पर 14 मार्च को नैनपुर क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान खनिज विभाग की टीम ने अवैध रेत परिवहन में संलिप्त एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। जानकारी के अनुसार नीले रंग का सोनालिका ट्रैक्टर बिना नंबर के अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पाया गयाए जिसे खनिज विभाग की टीम ने मौके पर ही जब्त कर लिया। जब्त वाहन को शासकीय अभिरक्षा में संबंधित थाना प्रभारी थाना नैनपुर की सुपुर्दगी में रखा गया है।

जनजातीय समाज ने सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

जनजातीय आस्था स्थल की रक्षा को लेकर जनजातीय समाज ने अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बीजाडांडी के द्वारा राज्यपाल, मुख्यमंत्री, अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग के नाम सौंपा ज्ञापन विकासखंड मंडला के ग्राम पंचायत भंवरदा अंतर्गत ग्राम प्रेमपुर में आदिवासी समाज की आस्था और परंपराओं से जुड़े खेरोदई स्थल पर विवादित मूर्ति स्थापना के विरोध में जनजातीय समाज के प्रतिनिधियों ने शासन प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। जनजातीय समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि ग्राम प्रेमपुर स्थित खेरोदई स्थल जनजातीय समुदाय का प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्था केंद्र है जहां सदियों से बाना परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना की जाती रही है। आरोप है कि कुछ गैर-जनजातीय व्यक्तियों द्वारा इस स्थल के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ कर विवादित मूर्ति स्थापित करने का प्रयास किया गया जिससे जनजातीय समाज में आक्रोश व्याप्त है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह कृत्य भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13, अनुच्छेद 244, पांचवी अनुसूची तथा पेसा एक्ट की भावना के विपरीत है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पूर्व में भी प्रशासन को कई बार शिकायतें एवं ज्ञापन दिए जा चुके हैं लेकिन अभी तक दोषियों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ज्ञापन के माध्यम से शासन प्रशासन से मांग की गई है कि खेरोदई स्थल पर रखी गई विवादित मूर्ति को तत्काल हटाया जाए जनजातीय धार्मिक स्थल के मूल स्वरूप को सुरक्षित रखा जाए तथा इस मामले में शामिल दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। जनजातीय समाज ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की गई तो समाज व्यापक जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

कार्यालय नगर परिषद् निवास जिला मण्डला (म.प्र.)

क्र/न.परि./2026/942 — निवास, दिनांक 16/03/2026

// आमंत्रण सूचना//

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद निवास द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 (1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक) के लिये दैनिक साप्ताहिक, मढ़ई गुदरी नीलामी तथा कांजी हाउस की नीलामी किया जाना है। अत: इच्छुक व्यक्ति दिनांक 23/03/2026 तक कार्यालयीन समय में अमानत राशि जमा कर खुली नीलामी प्रकिया में भाग ले सकते है।

क्र.	नीलामी मद	नीलामी की तिथि	समय	शासकीय बोली	अमानत राशि
1.	दैनिक, साप्ताहिक, बाजार एवं मड़ई गुदरी नीलामी।	24/03/2026 दिन मंगलवार	दोपहर 02:00 बजे से नगर परिषद सभाकक्ष में।	1320000/-	50000/-
2.	कांजी हाउस नीलामी।	24/03/2026 दिन मंगलवार	दोपहर 02:00 बजे से नगर परिषद सभाकक्ष में।	50000/-	5000/-

टीप:-1 अमानत राशि जमा बाद ही नीलामी में भाग ले सकेंगे न्यूनतम 03 अमानतदार मान्य होगें।
2 नीलामी में भाग लेने वाले ठेकेदार को अपने नाम से / माता पिता एवं परिवार के सदस्यों के नाम से निकाय के समस्त कर का भुगतान कर प्रमाण-पत्र राजस्व प्रभारी से प्राप्त कर अमानत राशि जमा करेगें।

(श्रीमति हेमलता परस्ते) अध्यक्ष — (श्री बसंत चौधरी) उपाध्यक्ष — (श्रीमति राजकुमारी सिंगरौरे) सभापति राजस्व मुख्य — (श्री शिवा सिंह लोधी) नगर पालिका अधिकारी

संपादकीय

पिता पर 'सुप्रीम' टिप्पणी

देश में पितृत्व अवकाश यानि पैटरनिटी लीव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अहम टिप्पणी की है। अदालत ने केंद्र सरकार से कहा है कि पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता देने के लिए कानून बनाने पर विचार किया जाए। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि बच्चे का पालन-पोषण केवल मां की जिम्मेदारी नहीं है। पिता की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है और शुरुआती समय में दोनों की मौजूदगी बच्चे के विकास के लिए जरूरी है। गौरतलब है कि इस समय केंद्रीय कर्मचारियों को 15 दिन का पितृत्व अवकाश दिया जाता है। प्राइवेट सेक्टर की बात करें तो कुछ कंपनियों में 7 दिन का अवकाश है लेकिन कुछ कंपनियों में स्पष्ट नीति नहीं है।

देखा जाय तो बच्चे के शुरुआती महीने और साल उसके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इसी समय बच्चे और माता-पिता के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत होते हैं। अगर पिता को इस समय बच्चे के साथ रहने का मौका नहीं मिलता, तो बच्चे और पिता दोनों इस महत्वपूर्ण अनुभव से वंचित रह जाते हैं। इसलिए पितृत्व अवकाश की व्यवस्था होना जरूरी है। हालांकि, मातृत्व अवकाश के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गोद लेने वाली मां को भी 12 हफ्ते का मातृत्व अवकाश मिलना चाहिए, चाहे बच्चे की उम्र कुछ भी हो। अदालत ने कहा कि बच्चे की देखभाल और भावनात्मक विकास में माता-पिता दोनों की भूमिका अहम होती है। यह बात भी सही है कि मां बच्चे के विकास में केंद्रीय भूमिका निभाती है, लेकिन पिता की भूमिका को नजरअंदाज करना भी उचित नहीं है। पिता का सहयोग मां के लिए भी जरूरी होता है, खासकर बच्चे के जन्म या गोद लेने के शुरुआती समय में। पितृत्व अवकाश से पिता बच्चे की देखभाल में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं और परिवार की जिम्मेदारियां साझा कर सकते हैं। पितृत्व अवकाश की व्यवस्था से समाज में पारंपरिक सोच भी बदलेगी। इससे यह धारणा कमजोर होगी कि बच्चों की देखभाल केवल महिलाओं की जिम्मेदारी है। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि अगर पिता को भी अवकाश मिलेगा तो परिवार और कार्यस्थल दोनों जगह लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और माता-पिता दोनों की भूमिका संतुलित होगी। अब अदालत ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता देने के लिए कानून बनाने पर विचार करे। अवकाश की अवधि भी ऐसी होनी चाहिए जो बच्चे और माता-पिता दोनों की जरूरतों के अनुरूप हो। इससे पिता भी बच्चे के शुरुआती विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे और परिवार को बेहतर समर्थन मिलेगा। भारत में माताओं को छुट्टी तो मिल जाती है लेकिन पिता के पितृत्व अवकाश की बात होने लगे तो इस गैरजरूरी या छुट्टी का बहाना समझा जाता है। कुछ कंपनियों में 15 दिन की पैटरनिटी लीव लेने पर वरिष्ठ साथी यह कहकर मजाक बनाते हैं कि अच्छा है, उनके समय में तो एक दिन की भी छुट्टी नहीं थी। कुछ तंज कसते हैं कि दूध मां पिलाएगी तो तुम्हारा घर में क्या काम है? ऐसे में कर्मचारी पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बन जाता है कि वह जल्दी से ऑफिस जॉइन कर ले। जबकि पहले बच्चे के जन्म पर मां-बाप की दुनिया ही बदल जाती है। कई अप्रत्याशित चीजें होती हैं। मां को शारीरिक और भावनात्मक रूप से एक साथ की जरूरत होती है, जो बच्चे की देखरेख में उसका साथ दे सके। यही वजह है कि अब देश में पैटरनिटी लीव बढ़ाने की मांग तेज हो गई है।

समरसता की चेतना का पोषण दूर करेगा विभाजन

डॉ. ऋतु सारस्वत
लेखिका समाजशास्त्री हैं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रस्तावित नए नियमों को लेकर देशभर में विवाद पूरी तरह थमा नहीं है। बुद्धिजीवी वर्ग से लेकर शिक्षाविदों, छात्र संगठनों और आम नागरिकों तक, विभिन्न स्तरों पर इस प्रस्ताव का विरोध दिखाई दे रहा है। आलोचकों का मानना है कि इन नियमों से उच्च शिक्षा की स्वायत्तता और शैक्षणिक ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जबकि सरकार और आयोग का तर्क है कि ये बदलाव शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। यही कारण है कि यह मुद्दा केवल शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित न रहकर सार्वजनिक बहस का विषय बन गया है।

इस विरोध की तीव्रता का अंदाज़ा राजधानी दिल्ली में हुए प्रदर्शनों से लगाया जा सकता है। जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्रित हुए और यूजीसी द्वारा प्रस्तावित नियमों का खुलकर विरोध किया। गौरतलब है कि कुछ ही दिनों पूर्व में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशन्स, 2026' के संदर्भ में पूछे गए प्रश्न के उत्तर ने व्यापक बहस को उत्पन्न कर दिया। अवांछित तर्कों के बीच हमें एक गंभीर विषय पर विचार करने की आवश्यकता है कि क्या वास्तव में हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव उस रूप में विद्यमान है, जिस रूप में यह प्रचारित और प्रसारित किया जा रहा है? सत्ताईस वर्षों के अध्यापन अनुभव और हजारों विद्यार्थियों के निकट संपर्क के आधार पर मेरा अनुभव रहा है कि महाविद्यालयीन परिसर जातिगत भेदभाव से मुक्त सामाजिक संरचना का उदाहरण प्रस्तुत

करते हैं। वहां का वातावरण मूलत: संवाद, सहभागिता और मित्रता के आधार पर विकसित होता है, जहां पारस्परिक संबंध जातिगत पहचान के बजाय मानवीय संपर्क और साझा शैक्षणिक जीवन से निर्मित होते हैं। दुर्भाग्य यह है कि भारतीय समाज आज जातिगत विमर्श के ऐसे जाल में उलझता जा रहा है, जहां पूर्व धारणाएं प्राय: तथ्यों पर भारी पड़ती प्रतीत होती हैं। हम वास्तविकताओं की शांत और गहन पड़ताल करने के बजाय प्रचलित मान्यताओं को ही अंतिम सत्य मान लेने की प्रवृत्ति विकसित कर चुके हैं। यह भी एक व्यापक धारणा बन गई है कि भारतीय परंपराएं स्वयं जातिगत भेदभाव का पोषण करती रही हैं परंतु क्या यह सत्य है? या ऐसा कुछ है जिससे हम परिचित नहीं हैं। एएल बाशम ने 1954 में 'द वन्डर दैट वाज इण्डिया' में लिखा था कि 'मध्य युग के पूर्व भारत में जाति व्यवस्था सरल थी।' बहुत से उदाहरण ऐसे भी मिलते हैं जहां वर्ग परिवर्तित होता रहा है। कार्य को बदलने पर सामाजिक स्थिति बदलती रहती है। वैदिक वाङ्मय और प्राचीन संस्कृत साहित्य में कहीं भी जाति व्यवस्था या अस्पृश्यता के उदाहरण परिलक्षित नहीं होते हैं। शूद्र' शब्द को 'क्षुद्र' से बना हुआ मानना भाषाशास्त्रीय रूप से प्रामाणित नहीं है। इसकी व्युत्पत्ति को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं, अत: इसे सीधे 'हीन' अर्थ से जोड़ना उचित प्रतीत नहीं होता। अथर्ववेद के शब्दों की निरुक्ति में अपने श्रम के स्वेद (पसीने) से विविध उत्पादकीय कार्य में रत वर्ग को शूद्र कहा गया है। अर्थात् परिश्रमपूर्वक विविध प्रकार की मूल्यवान वस्तुओं के उत्पादन में रत (संलग्न) रहने वाले वर्ग को शूद्र कहकर संबोधित किया गया। इसमें किंचित भी संशय नहीं कि भारत पर हुए बाहरी आक्रमणों से पूर्व अपने उत्पादन कार्यों के प्रतिफल के स्वरूप शूद्र का समाज में आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से उच्च स्थान था। इसलिए कामन्दक नीतिसार में कहा गया है कि राजा को नया नगर बसाते समय शूद्र जो कि विभिन्न मूल्यवान वस्तुएं उत्पादित करते हैं उन्हें व वैश्य जो उन वस्तुओं के व्यापार से आय उत्पन्न करके राजस्व बढ़ाते हैं उन्हें अधिक संख्या में बसाना चाहिए। एगंस मेड्सिन ने अपने अध्ययन में स्पष्ट उल्लेखित किया है कि विश्व का एक-तिहाई उत्पादन भारत में होने व प्राचीन वाङ्मय के अनुसार समग्र उत्पादन का दायित्व शूद्रों के नियंत्रण में होने से ही शूद्र प्राचीन काल से ही राज्य की अर्थव्यवस्था का आधार रहे हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि यकायक शूद्र निम्न श्रेणी में कैसे अवस्थित हो गए? अगर इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार किया जाए तो यह विदित होगा कि इस वर्ग के पास कौशल और परिश्रम की निधि थी जिसे औद्योगीकरण के प्रभाव ने समाप्त कर दिया और परिणामस्वरूप रोजगार का अभाव उनकी आर्थिक विपन्नता का कारण बना। अंग्रेजों द्वारा उन्हें यह विश्वास निरंतर दिलाया गया कि उनके साथ जो कुछ भी नकारात्मक हुआ है और हो रहा है उसका कारण श्रेष्ठी वर्ग हैं। असत्य को निरंतर दोहराने पर वह सत्य प्रतीत होने लगता है। ब्रिटिश काल में बोया गया जातिगत विभाजन का बीज धीरे-धीरे एक ऐसी बेल में परिवर्तित हो गया, जो समाज के अनेक हिस्सों में फैलता चला गया। समय के साथ हमने यह कठोर सत्य भी भुला दिया। जब-जब समाज बिखरता है तब तक राष्ट्र की शक्ति क्षीण होती है।

इतिहास साक्षी है कि आंतरिक विभाजन किसी भी देश की प्रगति को धीमा कर देता है। हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित 'वर्ण व्यवस्था' 'जाति व्यवस्था' का आवरण पहन समय के साथ विकृत रूप ग्रहण करती गई और बीती कई सहस्राब्दियों में उसने भारतीय समाज के मूल आदर्श सहिष्णुता, सामाजिक समरसता तथा एकत्व भाव पर कुठाराघात किया। देश की सुदृढ़ता और अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि हम उन विखंडित इतिहास-कथनों और विभाजनकारी आख्यानों से स्वयं को मुक्त करें, जो हमें बार-बार यह विश्वास दिलाने का प्रयास करते हैं कि हम किसी से श्रेष्ठ हैं या किसी से निम्नतर हैं।

हमें यह स्मरण रखना होगा कि समाज किसी एक व्यक्ति, समुदाय या समूह से नहीं बनता; उसका प्रत्येक अंग राष्ट्र-निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अत: आवश्यक है कि हम जातिगत पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसकी प्रतिभा और उसके चरित्र की विशेषताओं को महत्व दें। किसी भी समाज की वास्तविक उन्नति व्यक्ति की क्षमता, परिश्रम, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक दृढ़ता पर आधारित होती है, न कि जन्माधारित पहचान पर। हम यह कैसे विस्मृत कर सकते हैं कि भारत वह राष्ट्र है जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का उद्घोष किया है। जब हमारी सभ्यता विश्व को एक परिवार के रूप में देखने का आदर्श प्रस्तुत करती है, तब जाति की संकीर्ण विचारधाराओं में उलझे हमारे ही आदर्शों की खिल्ली उड़ाते प्रतीत हो रहे हैं। ध्यान रहे कि एक ऐसा समाज, जो स्वयं को लगातार खांचों में बांटता रहता है, अंतत: अपनी सामूहिक शक्ति खो देता है। इसलिए आवश्यक है कि हम विभाजन की मानसिकता को नहीं, बल्कि समरसता की चेतना को पोषित करें।

नव संवत्सर: कृषि, जल और विकास के रोडमैप का संकल्प

डॉ. मोहन यादव
लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होने वाला नवसंवत्सर हमारी सांस्कृतिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टि और प्राकृतिक जीवन पद्धति का प्रतीक है। इस वर्ष विक्रम संवत् 2083 का शुभारंभ हुआ है। यह मध्यप्रदेश के लिए गर्व और गौरव का विषय है कि भारतीय कालगणना की गौरवशाली परंपरा उज्जयिनी से प्रारंभ हुई है।

सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक से आरंभ हुआ विक्रम संवत् भारतीय संस्कृति की चेतना और राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक है। सम्राट विक्रमादित्य न्यायप्रियता, पराक्रम, धैर्य, ज्ञानशीलता और सुशासन के आदर्श हैं। विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर उन्होंने राष्ट्र की रक्षा और भारतीय संस्कृति के गौरव को प्रतिष्ठित किया। उनके शासनकाल में सुशासन की आदर्श परंपराएं स्थापित हुई।उन्होंने न्याय और नीति के जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी शासन और प्रशासन के लिए प्रेरणास्रोत हैं। विक्रमादित्य के सुशासन की परंपरा का उल्लेख 'सिंहासन बत्तीसी' की कथाओं में मिलता है। यह उस आदर्श शासन-व्यवस्था का प्रमाण है जिसमें योग्य मंत्रियों, विद्वानों और नीति-निपुण व्यक्तियों के सहयोग से राज्य संचालित किया जाता था। सम्राट विक्रमादित्य ने जिस तरह ज्ञान, संस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था को विकसित किया, वह भारतीय राज्य परंपरा की श्रेष्ठता का प्रतीक है। सम्राट विक्रमादित्य के व्यक्तित्व और भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश में 'विक्रमोत्सव-2026' का आयोजन किया जा रहा है। 12 फरवरी 2026 से 30 जून 2026 तक चलने वाला यह 139 दिवसीय उत्सव दीर्घ आयोजन का कीर्तिमान स्थापित करेगा। इसमें विभिन्न सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के जीवन, उनके आदर्श और उपलब्धियों को समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

उज्जयिनी प्राचीन काल से ही भारत की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक चेतना का केन्द्र रही है। बाबा महाकाल की पावन नगरी का संबंध कालगणना, खगोल विज्ञान और आध्यात्मिक साधना से रहा है। हमारे पूर्वजों ने हजारों वर्ष पहले ग्रहों की गति और नक्षत्रों की स्थिति का गहन अध्ययन कर जो कालगणना पद्धति विकसित की, वह आज भी विश्व के लिए आश्चर्य का विषय है। उज्जैन की वेधशाला और वैदिक कालगणना हमारी ज्ञान परंपरा का प्रमाण है।

हमारे लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का पुनर्स्थापन किया गया। यह घड़ी भारतीय समय गणना की परंपरा को आधुनिक युग में पुनर्जीवित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। भारतीय नववर्ष प्रकृति के नवोदय का पर्व है। इससमय प्रकृति नवजीवन से समृद्ध होती है, पृथ्वी पर नवचेतना और नवसृजन का संचार होता है। देश भर में मनाए जाने वाले नवसंवत्सर के विभिन्न नाम हैं। कहीं इसे गुड़ी पड़वा, कहीं उगादि, कहीं चैती चांद और कहीं नवरोज के रूप में मनाया जाता है।इसी दिन से चैत्र नवरात्र का भी शुभारंभ होता है। नवरात्र के नौ दिन साधना, आत्मशुद्धि और शक्ति उपासना का अवसर है। भारतीय जीवन पद्धति में पर्व और परंपराएं व्यक्ति और समाज के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

मध्यप्रदेश में नवसंवत्सर का आयोजन विकास और जनकल्याण के नए संकल्पों के साथ किया जा रहा है।नवसृजन के प्राकृतिक उत्सव अवसर पर मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश में यह वर्ष कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान अर्थव्यवस्था की आधारशिला है, इसलिए किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। इस वर्ष हमने पहली कृषि कैबिनेट बैठकबड़वानी जिले के भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में की है। इसमें कृषि विकास और कल्याण के लिए 27 हजार 500 करोड़ रुपये की योजनाओं को स्वीकृत किया गया।

कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साहित करने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन के लिए प्रदेश में योजनाएं लागू की गई हैं। हमारा लक्ष्य है कि किसान उत्पादन बढ़ाने के साथ कृषि-आधारित उद्योगों के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करें और आत्मनिर्भर बनें। यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में हम विरासत के साथ विकास मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। इसी अनुरूप प्रदेश में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों के संरक्षण और विकास पर कार्य किया जा रहा है। ओंकारेश्वर, उज्जैन, मैहर और अन्य प्रमुख तीर्थस्थलआध्यात्मिक पर्यटन स्वरूप में विकसित हो रहे हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ पर्व के लिए होने वाली समस्त तैयारियां प्रगति पर हैं।इसके साथ ही श्रीराम वनगमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय जैसी योजनाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ा जा रहा है।

भारतीय नववर्ष का आयोजन हमें प्रकृति संरक्षण की प्रेरणा देता है।हमारी परंपरा में गुड़ी पड़वा के दिन सूर्योदय से पहले स्वच्छ जल में स्नान करने और सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। अर्घ्य देने की परंपरा में जल स्रोतों की पवित्रता और संरक्षण का संदेश है।जल संरक्षण के इसी भाव के साथ मध्यप्रदेश में आज से जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। नववर्ष प्रतिपदा पर शिप्रा तट उज्जैन से प्रारंभ होने वालेइस तीसरे राज्य स्तरीय अभियान में जल संरक्षण की पारंपरिक पद्धतियों और नवीन तकनीकी, नवाचारों के साथ प्रदेश के जल स्रोतों को सुरक्षित किया जायेगा।

मेरा प्रदेशवासियों से आग्रह है कि जल गंगा संवर्धन अभियान को जन आंदोलन बनाएं। प्रकृति के नवसृजन, अवसर पर आज हम विकसित मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लें। नवचेतना, नवजागृति के साथ आइये हम सब मिलकर प्रदेश के नवकल्याण की ओर बढ़ें और विकसित भारत निर्माण में सहभागी बनें। मुझे विश्वास है कि नव संवत्सर मध्यप्रदेश की प्रगति, समृद्धि और नई उपलब्धियों का वर्ष सिद्ध होगा। आपके सुखी, समृद्ध और आनंदमय जीवन के लिए आप सभी को नव संवत्सर की पुन: हार्दिक मंगलकामनाएं।

उत्तराखंड की राजधानी का अनसुलझा विवाद

चमोली ज़िले में स्थित भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में जब भी दो-तीन दिनों के लिए उत्तराखंड विधानसभा का सत्र आयोजित होता है तो सीमांत हिमालयी प्रदेश उत्तराखंड की स्थाई राजधानी का मुद्दा फिर गर्मा जाता है। नवम्बर, 2000 से लेकर अब तक राज्य गठन के 25 साल हो चुके हैं, लेकिन राज्य की राजधानी का मुद्दा अब तक नहीं सुलझा है।

भाजपा की सरकार ने राजधानी के विवाद को सुलझाने के लिए भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित तो कर दिया, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल तो दूर, यह घोषणा राज्य की राजधानी की मांग को लेकर एक अभूतपूर्व आंदोलन चलाने वाले लोगों के गले भी नहीं उतरी। किसी एक स्थान पर महज कुछ दिनों के लिए विधानसभा सत्र आयोजित करने से वह स्थान राजधानी नहीं बन जाता! अगर लोग भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी मान भी लें, तो शीतकालीन या स्थाई राजधानी का सवाल अभी भी अनुत्तरित है। जिस भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया गया है, वहां पिछले छह वर्षों में केवल एक बार ग्रीष्मकालीन सत्र हुआ, और वह भी बहुत संक्षिप्त। उत्तराखंड अकेला राज्य है, जिसकी राजधानी आज तक तय नहीं हो पाई। इसके लिए उत्तराखंड का अपना राजनीतिक तंत्र जिम्मेदार रहा है, जो राज्य गठन से लेकर अब तक राजधानी को लेकर एक राय नहीं बना सका। जब संसद में उत्तर प्रदेश पुनर्गठन विधेयक पास हो गया था, तो उसी समय से राजधानी की तलाश शुरू हो गई थी।

उस समय जब विधायकों और सांसदों के बीच राजधानी को लेकर गढ़वाल और कुमाऊं के बीच रस्साकशी होने लगी, तो तत्कालीन वाजपेयी सरकार ने यह मुद्दा उत्तराखंड के लोगों पर छोड़ दिया और तात्कालिक ढांचागत सुविधाओं को देखते हुए देहरादून को अस्थायी राजधानी घोषित किया। साथ ही कुमाऊं के लोगों को संतुष्ट करने के लिए नैनीताल को हाईकोर्ट दे दिया। आज ये दोनों शहर अपनी सीमित धारण क्षमता के कारण राजधानी और हाईकोर्ट के बोझ तले दबे हुए हैं। दोनों ही भूगर्भीय दृष्टि से अति संवेदनशील हैं।

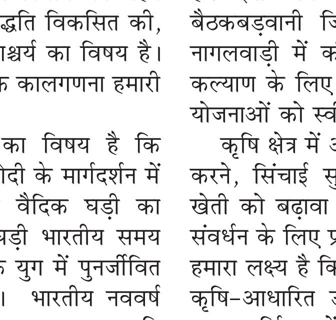

नैनीताल की विकट स्थिति को देखते हुए स्वयं हाईकोर्ट को अपने लिए कोई नई जगह तलाशने के आदेश देने पड़े। केंद्र सरकार ने राजधानी के चयन की जिम्मेदारी उत्तराखंड (उत्तरांचल) सरकार पर छोड़ दी थी, इसलिए पहली नित्यानंद स्वामी सरकार ने इसके लिए दीक्षित आयोग का गठन कर दिया, जिसे छह माह के अंदर अपनी सिफारिशें देनी थीं। लेकिन आयोग उत्तराखंड की राजनीति से अपरिचित नहीं था, इसलिए उसने मामला आठ साल तक लटकाए रखा। फिर भी दीक्षित आयोग कायम रहा। 11 जनवरी, 2001 को गठित इस आयोग ने भारी जन दबाव के बाद 17 अगस्त, 2008 को अपनी रिपोर्ट दाखिल की, जो दिसंबर, 2008 में विधानसभा में रखी गई। दीक्षित आयोग की यह रिपोर्ट भी उत्तराखंड की क्षेत्रीय राजनीति की पोल खोलने के लिए काफी है। आयोग के समक्ष 70 विधायकों में से केवल एक और पांच सांसदों में से भी एक ने अपनी राय दी। सर्वेक्षणों में जनता का बहुमत गैरसैंण के पक्ष में था, लेकिन आयोग के सामने लिखित राय देने वाले केवल 4-5 लोग ही इसके पक्ष में खड़े दिखे। आयोग में राय देने वाले अधिकांश लोगों ने अपने क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता दी।

गढ़वाल के लोगों ने ऋषिकेश या देहरादून और कुमाऊं के लोगों ने रामनगर या काशीपुर को वरीयता दी। ऐसी स्थिति में आयोग ने देहरादून के रायपुर क्षेत्र को ही अपनी वरीयता दे दी। भराड़ीसैंण में आयोजित बजट सत्र के दौरान 4 मार्च, 2020 को ग्रीष्मकालीन राजधानी की घोषणा हो गई। इस घोषणा की पुष्टि के लिए 8 जून, 2020 को आधिकारिक अधिसूचना भी जारी कर दी गई। भराड़ीसैंण के 'ग्रीष्मकालीन राजधानी' बनने के बाद पिछले छह वर्षों में केवल जून, 2022 में ही वहां वास्तविक ग्रीष्मकालीन सत्र हुआ। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, उत्तराखंड में 25 वर्षों के दौरान 80 हजार करोड़ का कर्ज चढ़ चुका है। यह केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे लंबा 'राजनीतिक छलावा' है। हालांकि, कांग्रेस दो बार सत्ता में रह चुकी है और उत्तराखंड क्रांति दल भी सरकारों में शामिल रहा है। ऐसी स्थिति में देहरादून को स्थायी या शीतकालीन राजधानी घोषित करना राजनीतिक दृष्टि से जोखिम से खाली नहीं है। राजधानी केवल ईंट-पत्थर की इमारतों या विधानसभा की सीढ़ियों का नाम नहीं होती; यह राज्य के 'विजन' और उसकी 'आत्मा' का प्रतिबिंब होती है। 25 साल बाद भी यदि उत्तराखंड की सरकारें 'ग्रीष्मकालीन' और 'शीतकालीन' के जुमलों में उलझी हैं तो यह उन शहीदों के बलिदान का अपमान है जिन्होंने एक समृद्ध और स्वाभिमानी पहाड़ के लिए अपना रक्त दिया था।

- जय सिंह रावत

बात पते की

सोच नहीं बदली तो होते रहेंगे हादसे

देव शंकर अवस्थी

साहस, अनृत, चपलता, माया। भय, अविवेक, असौच, अदाया।। स्त्रियों के बारे में ये रावण के विचार हैं, जिसकी रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदासजी ने व्याख्या की है। पुरुष कभी इतना साहसी नहीं रहा कि वह अपने चार बच्चों को लेकर कुएं में कूद जाए। अभी तक ऐसा करते हुए महिलाओं को ही देखा है। अभी हाल की दो घटनाओं ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। दोनों ही हादसों में दो माताओं ने अपने ही हाथों से अपने मासूमों को पहले मौत के घाट उतारा, फिर खुद अपनी जान देने का प्रयास किया। इसमें एक मां की मौत हो गई, जबकि दूसरी बच गई। अपनी मां के हाथों सात मासूमों का असमय ही काल के गाल में समा जाना, इस बात को दर्शाता है कि कहीं न कहीं कुछ बड़ा गड़बड़ है। इस तरह की घटनाएं एकदम साधारण कैसे हो सकती हैं?

पहली घटना सागर जिले के केसली थाना स्थित एक गांव की है, जहां सात साल से लेकर चार माह तक की चार बच्चियों में से तीन के शव कुएं में उतराते मिले। समीप ही लगे बेर के पेड़ से बच्चियों की मां का शव फांसी पर लटकता मिला। महिला का पति दूसरे शहर में मजदूरी करने गया था। दूसरी घटना खरगोन जिले की है। यहां सनावद थाना इलाके में एक मां ने अपने ही तीन मासूम बच्चों की हत्या कर दी। महिला ने अपने तीनों बच्चों को कुएं में फेंकने के बाद खुद भी छलांग लगा दी। आरोपी महिला तैरना जानती थी इसलिए बच गई। इस तरह की घटनाएं पहली दफा नहीं हुई। पहले भी कई माताएं अपने मासूमों के साथ अपनी जान दे चुकी हैं। सागर की घटना केवल इसलिए हो गई कि तीन बच्चियां होने बाद भी जब चौथी बच्ची पैदा हुई तो पिता काफी परेशान रहने लगा। खबरों के अनुसार उसने घर आना कम कर दिया था। इसी से व्यथित होकर महिला को यह कदम उठाना पड़ा। महिलाओं के ऐसे कदमों से ध्वनित होता है कि अभी अज्ञानता का कोहरा छंटने में काफी समय लगेगा। बेटियों के जन्म लेने पर आज भी समाज में दोयम दर्जे की सोच है। इस भेदभाव भरी सोच को तिरस्कृत किए बिना ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगना असंभव है।

नर्मदा तटों पर सावधान रहें

नर्मदा की गहराई और तेज बहाव में आएदिन कहीं न कहीं हादसे हो रहे। गौरीघाट के ऊपर जमतरा तट पर बीते दिन इंजीनियरिंग के दो छात्रों की डूबने से मौत हो गई। इस घाट पर पहले भी कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिसमें मरने वाले सभी युवा रहे। युवाओं को एक बात समझनी होगी कि नर्मदा का प्रत्येक तट गहरा और तेज बहाव वाला है। बिना तैरने वालों के लिए नर्मदा के घाट तभी तक सुरक्षित हैं, जब तक वह कम पानी में स्नान कर रहा। एक कदम दाएं-बाएं होते ही पता नहीं कितनी गहराई में चले जाएं। दूसरा यह कि लड़कों की टोली तटों पर बचकानी हरकतों से बाज नहीं आती। तटों पर आस्था नहीं वरन् टूरिस्ट स्पॉट समझकर जाते हैं। नर्मदा तटों और आसपास के खाली पड़े स्थान ओपन बार में तब्दील हो जाते हैं। नशा करना और फिर पानी में धमाचौकड़ी मचाना, आखिर ऐसा कब तक चलेगा। एक बात ध्यान में रहे कि नर्मदा में आस्था की डुबकी ही जीवनदायिनी बन सकेगी।

...और अंत में

आत्मा की आवाज हमेशा बोलती है, अंतर इतना कि हम उसे सुन नहीं पाते। कभी सुनते भी हैं तो उसकी बात नहीं मानते। अभी हाल ही में आत्मा की आवाज सुनने और उस अमल करने के दो मामले चर्चा में आए। तिरुपति में एक सगाई कार्यक्रम से जेवरात चोरी हो गए। काफी हंगामा मचा लेकिन जेवर नहीं मिले। चंद दिनों बाद एक कोरियर आया, जिसमें सभी जेवरात सुरक्षित वापस आ गए। चोर की अंतरात्मा की आवाज जागी और जेवर रखने का साहस नहीं कर पाया। एक अन्य वाकया राजस्थान के पाली स्थित गांव का है, जहां एक अनाज व्यापारी को बोरा खोलते ही जेवरों से भरी पोटली मिली। व्यापारी ने तत्काल अनाज बेचने वाले किसान को बुलाया और जेवर वापस किए। दरअसल, किसान की पत्नी ने जेवरों को चोरों से बचाने के लिए उन्हें अनाज के बोरे में छिपा दिया था।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग की पार्टी का सभी 687 सीटों पर कब्जा

नई दिल्ली। उत्तर कोरिया में 2026 के संसदीय चुनावों में किम जोंग उन की वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया और उसके सहयोगी दलों ने एक बार फिर जीत हासिल की है। उत्तर कोरिया की स्टेट मीडिया के मुताबिक, 15 मार्च को हुए वोटिंग में कुल 99.99 प्रतिशत मतदाताओं ने हिस्सा लिया और इनमें से 99.93 प्रतिशत ने नामांकित उम्मीदवारों को समर्थन दिया। सिर्फ 0.07 प्रतिशत वोट विरोध में पड़े। इस तरह सभी 687 सीटें सत्ताधारी गठबंधन के पास चली गईं। ये चुनाव 15वें सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के डिप्टी चुनने के लिए कराए गए थे। वोटिंग के नतीजे आने के बाद प्योंगयांग में नई असेंबली की पहली बैठक जल्द ही होने वाली है।

डिप्टी मेयर पर घमासान, एक वोट के लिए 10 लाख और थार का ऑफर

रांची। रांची नगर निगम चुनाव में चाणक्य नीति साम, दाम, दंड, भेद देखने को मिल रही है। 19 मार्च को होने वाले डिप्टी मेयर चुनाव को लेकर महागठबंधन कांग्रेस, जेएमएम, आरजेडी और दूसरी तरफ भाजपा के दिग्गज नेताओं ने मोर्चा संभाला है। पार्षदों को अपने पक्ष में लाने के लिए सुबह से लेकर देर रात तक बैठकों को दौर चल रहा है। महागठबंधन का डिप्टी मेयर प्रत्याशी कौन होगा इसे लेकर पूर्व सांसद सुबोध कांत सहाय, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की व जेएमएम के नेताओं के साथ पार्षदों की बैठक हुई। बैठक में महागंठबंधन समर्थित 34 के करीब पार्षद शामिल हुए। डिप्टी मेयर का चुनाव रांची नगर निगम के 53 पार्षद अपने वोट से करेंगे। शुरुआत में कुछ पार्षदों ने डिप्टी मेयर के लिए खुद को सबसे योग्य उम्मीदवार बताया। इसके बाद बात हुई कि कौन-कौन कितना खर्च करेगा। शुरुआत पांच लाख से हुई। जो बढ़कर 10 लाख तक पहुंच गई। जैसे ही एक वोट 10 लाख का खर्च करने की बात हुई, लगभग सभी डिप्टी मेयर के प्रत्याशी बैकफुट पर आ गए। बैठक में अन्य निगमों का उदाहरण भी दिया गया। अंत में चुटिया से जीतकर आई जेएमएम समर्थित एक महिला पार्षद को डिप्टी मेयर प्रत्याशी बनाए जाने पर सहमति बनी। इस दौरान एक पार्षद ने एक वोट के लिए थार राक्स एसयूवी देने की बात कही। लेकिन वह भी बैकफुट पर आ गया।

अब लैब में तैयार किया जाएगा सोना

नई दिल्ली। अब मार्केट में लैब में बना सोना पेश किए जाने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लैब में तैयार सोना, केमिकली और फिजिकली खदान से निकाले गए सोने जैसा ही होगा, लेकिन असल अंतर इसके बनाने की प्रोसेस में है। जमीन से सीधे खुदाई करके सोना निकालने के बजाय, अब वैज्ञानिक कंट्रोल्ड लैबोरेट्रीज में आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करके सोना बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसलिए, यह सोना न तो गोल्ड-प्लेटेड होगा और न ही इसमें सोने की सिर्फ फिलिंग होगी। यह कोई नकली चीज भी नहीं है। यह असली सोना ही होगा, बस इसे एक अलग तरीके से बनाया जाएगा। अगर लैब में बना सोना भी शुद्धता के उन्हीं मानकों को पूरा करता है, तो उसकी कीमत भी खदान से निकाले गए सोने के बराबर ही होगी।

नहीं थमी ईरान की जंग तो गल्फ मुल्कों में आएगी तबाही

1991 के खाड़ी युद्ध जैसा हाल

तेहरान

मिडिल ईस्ट में कमोबेश तीन हफ्तों से जारी जंग सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं है। अमेरिका और इजरायल लगातार ईरान के अलग-अलग हिस्सों में बमबारी कर रहे हैं। इस हमले का सीधा असर ईरान पर तो पड़ ही रहा है, लेकिन इसका झटका खाड़ी देशों को भी तेजी से महसूस होने लगा है। ईरान खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। हालांकि खाड़ी देशों का कहना है कि इन हमलों से उनके अपने शहर, इंफ्रास्ट्रक्चर और अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। दरअसल, ये वही खाड़ी देश हैं - सऊदी अरब, यूएई, कतर, कुवैत, बहरीन और ओमान- जिनकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से तेल उत्पादन, पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर टिकी हुई है। लेकिन जंग के चलते अब इन तीनों सेक्टर पर गहरा असर पड़ा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि जो शहर कभी दुनिया के सबसे व्यस्त व्यापारिक और यात्रा केंद्र माने जाते थे, वहां अब सन्नाटा छाने लगा है। इस जंग का सबसे बड़ा असर तेल उत्पादन पर पड़ा है। आमतौर पर खाड़ी देश मिलकर रोजाना करीब 21 मिलियन बैरल तेल का उत्पादन करते हैं। लेकिन युद्ध शुरू होने के कुछ ही दिनों में यह घटकर करीब 14 मिलियन बैरल रह गया। होर्मुज स्ट्रेट के ठप पड़ने की वजह से सबसे ज्यादा तेल उत्पादन प्रभावित हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का सबसे अहम तेल मार्ग माना जाता है, जहां से बड़ी संख्या में तेल टैंकर गुजरते हैं। लेकिन अब सुरक्षा खतरे के कारण कई जहाज इस रास्ते से गुजरने से बच रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो तेल उत्पादन घटकर सिर्फ 6 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक आ सकता है, जो एक बड़ा आर्थिक झटका होगा। हालांकि, सऊदी अरब और यूएई ने वैकल्पिक पाइपलाइन तैयार कर रखी हैं, जिससे वे कुछ हद तक तेल सप्लाई जारी रख सकते हैं। लेकिन कतर, कुवैत और बहरीन जैसे देशों के पास ऐसे विकल्प नहीं हैं, इसलिए वे इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। अनुमान है कि, अगर जंग अप्रैल के अंत तक जारी रहती है, तो कतर और कुवैत की अर्थव्यवस्था में 14 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। वहीं यूएई को 5 प्रतिशत और सऊदी अरब को 3 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है। अगर यह संघर्ष तीन महीने तक चलता है, तो पूरे खाड़ी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था 10 से 15 प्रतिशत तक सिकुड़ सकती है। तेल के अलावा पर्यटन और ट्रैवल सेक्टर भी लगभग ठप हो गया है। खाड़ी देशों की जीडीपी में करीब 11 प्रतिशत हिस्सा पर्यटन का होता है, लेकिन अब हालात यह हैं कि 10 दिनों के अंदर ही 37,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। दुबई जैसे बड़े एयरपोर्ट को भी ड्रोन हमले के बाद कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल के मुताबिक, सिर्फ पर्यटकों के न आने से ही खाड़ी देशों को हर दिन करीब 600 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है। इस बीच इराक भी इस संकट से अछूता नहीं है। तेल उत्पादन में 70 प्रतिशत तक की गिरावट के कारण इराक को रोजाना करीब 3 अरब डॉलर का नुकसान हो रहा है। अगर जंग जल्द खत्म हो जाती है, तो ये देश इस संकट से उबर सकते हैं। लेकिन खतरा अभी भी बना हुआ है। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि अगर यह जंग लंबी चली, तो हालात 1991 के खाड़ी युद्ध जैसे हो सकते हैं जब पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान झेलना पड़ा था।

बदल गया नियम: प्लेन में अब पसंदीदा सीट के लिए नहीं देने होंगे एक्स्ट्रा पैसे

नई दिल्ली

भारत में हवाई यात्रियों को जल्द ही छिपे हुए खर्चों से बड़ी राहत मिल सकती है, क्योंकि सरकार ने सीट चुनने पर लगने वाले एक्स्ट्रा चार्ज पर रोक लगाने और सभी एयरलाइंस में यात्रियों के अधिकारों को और मज़बूत करने के लिए कदम उठाए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन ऑपरेटरों को निर्देश दिया है कि वे यह तय करें कि किसी भी फ़्लाइट में करीब 60 फीसदी सीटें चुनने के लिए मुफ़्त में उपलब्ध हों। इसका मतलब है कि वेब चेक-इन या सीट सिलेक्शन के दौरान यात्रियों से वसूले जाने वाले एक्स्ट्रा शुल्क पर लगाम लगेगी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा जारी इस आदेश का मकसद हवाई यात्रा को ज्यादा सहज और पारदर्शी बनाना है। कई एयरलाइंस टिकट बुक करने के बाद या वेब चेक-इन के दौरान पसंदीदा सीट चुनने के लिए एक्स्ट्रा चार्ज ले रही थीं। नए निर्देश का मकसद इस तरह एक्टिविटीज पर लगाम लगाना और यात्रियों को बेहतर सुविधा मुहैया करवाना है। मंत्रालय ने एयरलाइंस से यह भी तय करने को कहा है कि एक ही पीएनआर पर सफर करने वाले यात्री साथ बैठें और हो सके तो उन्हें आस-पास की सीटें ही अलॉट हों। इससे उन परिवारों और ग्रुप्स को राहत मिलने की उम्मीद है, जिन्हें अक्सर एक-दूसरे के पास सीटें पाने के लिए ज़्यादा पैसे देने पड़ते थे। एयरलाइंस को सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए, खेल के सामान और म्यूज़िकल उपकरणों को ले जाने की सुविधा पारदर्शी और यात्री-अनुकूल तरीके से देनी होगी। उनसे यह भी कहा गया है कि वे पालतू जानवरों को ले जाने के बारे में साफ़ नीतियां प्रकाशित करें। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें यात्रियों के बीच अक्सर भ्रम की स्थिति बनी रहती है। सरकार ने यात्रियों के अधिकारों का सख्ती से पालन करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, खासकर तब जब उड़ान में देरी हो, उड़ान रद्द हो जाए या यात्रियों को बोर्डिंग से रोक दिया जाए। एयरलाइंस को अपनी वेबसाइट, मोबाइल ऐप, बुकिंग प्लेटफ़ॉर्म और एयरपोर्ट्स के काउंटरों पर इन अधिकारों को साफ़-साफ़ दिखाना होगा। ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक पहुंच स्थापित करने के लिए यात्रियों को उनके अधिकारों के बारे में क्षेत्रीय भाषाओं में भी जानकारी दी जानी चाहिए।

भारत का घरेलू एविएशन सेक्टर तेज़ी से बढ़ा है और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाज़ार बन गया है। यहां के हवाई अड्डों पर रोज़ाना पांच लाख से ज़्यादा यात्री आते-जाते हैं। ऐसे में मंत्रालय ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि यात्रियों को सुविधाएं देना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। मंत्रालय ने उड़ान यात्री कैफे जैसी पहलों का जिक्र किया है, जहां हवाई अड्डों पर किफायती खाना और मुफ्त वाई-फाई की सुविधा मिलती है।

नेपाल में चिनफिंग की किताब जलाने पर विवाद

काठमांडू

चीन ने की कार्रवाई की मांग

नेपाल में उस समय एक विवाद खड़ा हो गया, जब मोरांग जिले के मनमोहन टेक्निकल कॉलेज में कथित तौर पर सैकड़ों किताबें जला दी गईं। इनमें चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा लिखी गई किताब द गवर्नेंस ऑफ चाइना की प्रतियां भी शामिल थीं। इस घटना को लेकर चीन ने कड़ा विरोध दर्ज कराया और अपनी नाराजगी जाहिर की। काठमांडू स्थित चीनी दूतावास ने नेपाल के विदेश मंत्रालय को एक आधिकारिक नोट भेजा, जिसमें इस मामले पर तत्काल कार्रवाई और स्पष्टीकरण की मांग की गई। जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ मोरंग के मुख्य जिला अधिकारी युवराज कट्टेल ने मीडिया संस्थानों से इस फुटेज को हटाने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि इसका नेपाल-चीन संबंधों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। नेपाल के गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने पुष्टि की कि इस घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और आश्वासन दिया कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि चीन ने इस संबंध में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। सूत्रों के अनुसार, यह घटना ऐसे समय में हुई है जब नेपाल में कई मुद्दों को लेकर चीन पहले से ही चिंतित है। इन मुद्दों में तिब्बती धार्मिक नेताओं की यात्राएं, पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़ी कथित अनियमितताएं और नेपाल में 5जी नेटवर्क के विस्तार में हुवावे की भागीदारी शामिल हैं।

राज्यसभा चुनाव में धोखा देने वाले विधायकों के नाम सार्वजनिक करो

सिरसा

सिरसा के कांग्रेसी विधायक गोकुल सेतिया ने इंटरनेट मीडिया पर लाइव आकर राज्यसभा चुनाव में क्रास वोट करने वाले और वोट रद्द करने वाले विधायकों के नाम सार्वजनिक करने की मांग की है। साथ ही उसने घोषणा की कि चंडीगढ़ में अपनी पार्टी आफिस के बाहर धरना दूंगा और बाकी विधायकों से अनुरोध करूंगा कि वे भी धरने पर आए। जिन पांच विधायकों ने क्रास वोट करके पार्टी की मंजी ठोकने का काम किया है, उन्हें बाहर निकालने का काम करना चाहिए। पार्टी का विधायक होने के कारण मेरा भी अपनी बात रखने का हक है। क्योंकि फेक न्यूज में मेरा नाम लिखा हुआ है। विधायक ने कहा कि हमारी पार्टी 37 में से पांच से सात को निकाल दें तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सरकार तो नहीं गिरेगी। आगे से ऐसे व्यक्तियों को सबक मिल जाएगा। नहीं तो उस एरिया में पार्टी कोई नया नेता नहीं दे पाएगी। ऐसे विधायक सरकार से वोट के बदले डील करते रहेंगे। मैं बाकी विधायकों से अपील करता हूं कि सभी आए। हम विरोध नहीं कर रहे। जिन्होंने धोखा किया, हम उनकी श्रेणी में क्यों आए।

ईरान का पॉवर ब्रिज टूटा...लारीजानी की मौत से बिखर सकता है सुरक्षा सिस्टम

नई दिल्ली/तेहरान

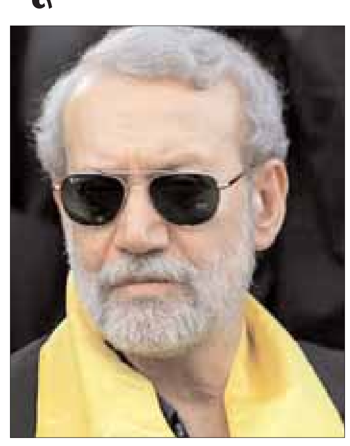

इजरायली हमले में ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी की मौत हो गई। लारीजानी की मौत ने इस्लामिक रिपब्लिक के सिक्योरिटी सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। वो ईरानी शासन के केंद्रीय सुरक्षा के टॉप लीडर्स में से एक थे। अली लारीजानी की मौत 2020 में कासिम सुलेमानी की हत्या की याद दिलाता है। लारीजानी भी सुलेमानी की तरह कूटनीति, खुफिया जानकारी और सैन्य शक्ति को जोड़ने वाली एक अहम कड़ी थे।

विशेषज्ञों का मानना है कि लारीजानी की कमी से ईरान की जोखिम आंकने की क्षमता कमजोर होगी। कासिम सुलेमानी की मौत के बाद भी ईरान के नेटवर्क में तालमेल की कमी देखी गई थी। सुलेमानी के जाने के बाद जो खालीपन आया, उसे कोई पूरी तरह नहीं भर सका। अब लारीजानी के जाने से ये बिखराव और बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जब ईरान में हालात बिगड़ रहे थे, तब पश्चिमी देशों को लगा कि अली लारीजानी वो शख्स हो सकते हैं जो पुराने सिस्टम और भविष्य के नए सिस्टम के बीच एक पुल का काम करेंगे।

लारीजानी ने अपने करियर की शुरुआत ईरान-इराक युद्ध के दौरान की थी, जहां वो रिवोल्यूशनरी गार्ड में ब्रिगेडियर जनरल के पद तक पहुंचे। उन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के प्रमुख (1994-2004) के तौर पर भी काम किया। उनके नेतृत्व में मीडिया ने खुफिया सेवाओं के साथ मिलकर शासन के लिए वफादारी मजबूत करने और असहमति को दबाने का काम किया। 2025 में सुरक्षा प्रमुख बनने के बाद, परमाणु नीति और संकट प्रबंधन में उनकी भूमिका और मजबूत हो गई थी।

28 फरवरी को एक हमले में सुप्रीम नेता अली खामेनेई की मौत के बाद, लारीजानी का नाम बार-बार सामने आ रहा था। लारीजानी उन गिने-चुने लोगों में से थे जो इन बिखरे हुए हिस्सों को केंद्रीय कमान से जोड़ने की काबिलियत रखते थे। उनके जाने से सिस्टम की कार्यक्षमता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लारीजानी की मौत से ईरान के कमांड सिस्टम में जवाबी कार्रवाई का दबाव बढ़ सकता है। उनकी मौत से इस्लामिक रिपब्लिक कहीं न कहीं बिखर गया है और बिखरी हुए सिस्टम में ही काम कर रहा है। सत्ता अब मौलवियों, आईआरजीसी कमांडरों और बासिज संरचनाओं के जरिए लोकल लेवल पर चल रही है। कुल मिलाकर लारीजानी की मौत के बाद ईरान का सिक्योरिटी सिस्टम थर्राकर रह गया है। इजरायली हमले में लारीजानी के साथ-साथ उनके बेटे और बॉडीगार्ड की भी मौत हो गई। अब सवाल ये है कि लारीजनी के बाद ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव पद की कमान कौन संभालेगा।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

संकल्प: 10 एपिसोड वाली वेब सीरीज ने ओटीटी पर किया कब्जा

नई वेब सीरीज और मूवीज को लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म चर्चा में बने रहते हैं। इसी आधार पर हाल ही में एक लेटेस्ट वेब सीरीज को ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है, जिसकी कहानी 10 एपिसोड में बंधी हुई है। सीरीज का जॉनर पॉलिटिकल ड्रामा है, जो आपको हर एक एपिसोड में रोमांचित करती हुई नजर आएगी। आलम ये है कि मौजूदा समय में ये वेब सीरीज मनोरंजन की दुनिया में सबसे अधिक सुर्खियां बटोर रही है। ऐसे में आइए जानते हैं कि यहां कौन सी थ्रिलर के बारे में जिक्र किया जा रहा है।

जिस नई वेब सीरीज के बारे में इस लेख में बात की जा रही है, सिनेमा जगत में फिलहाल उसका नाम चर्चा में बना हुआ है। हर सिनेप्रेमी इस सीरीज के बारे में बात कर रहा है और इसे 2026 का सबसे बेहतरीन पॉलिटिकल ड्रामा थ्रिलर बता रहे हैं। सीरीज का नाम संकल्प है, जिसका निर्देशन हिंदी सिनेमा के दिग्गज फिल्ममेकर प्रकाश झा ने किया है, जो इससे पहले राजनीति और गंगाजल जैसी कई शानदार फिल्में बना चुके हैं। इतना ही नहीं ओटीटी पर भी अभिनेता बॉबी देओल की लोकप्रिय वेब सीरीज आश्रम बना चुके हैं। फिलहाल संकल्प को लेक प्रकाश का नाम हर तरफ छाया हुआ है। 10 एपिसोड वाली इस सीरीज को फेमस ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन एमएक्स प्लेयर पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है। सीरीज में सियासी गलियारे के दांव-पेंच और नेतागिरी का फुल ऑन भौकाल दिखाया है। किस तरह से सिस्टम प्रशासन को भी अपने कब्जे में रखते है, लेकिन जब प्रशासन अपनी पर आता है तो नेतागिरी और सिस्टम की सारी पोल खोलकर रख देता है। इसके अलावा राजनीति के कई अहम पहलुओं पर संकल्प प्रकाश डालती है। इस सीरीज में अभिनेता नाना पाटेकर, संजय कपूर और मोहम्मद जीशान अयूब जैसे कई कलाकारों ने अहम भूमिका को अदा किया है। नाना पाटेकर स्टारर संकल्प वेब सीरीज को ऑडियंस और क्रिटिक्स की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। इस सीरीज की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि फिलहाल ये एमएक्स प्लेयर पर नंबर-1 के स्थान पर ट्रेंड कर रही है।

सुनील ग्रोवर ने कादर खान बनकर सबको किया हैरान

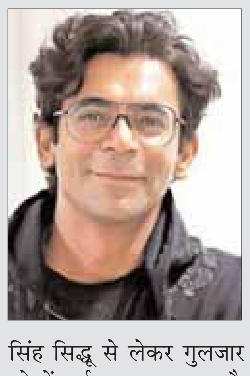

सुनील ग्रोवर क्या नहीं कर सकते? यह सवाल अब फैंस खुद से भी पूछते हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शो की जान सुनील ग्रोवर न सिर्फ अलग-अलग किरदार निभाते हैं, बल्कि वे उसमें इस कदर रम जाते हैं, मानो सामने वही शख्स खड़ा हो। सलमान खान से लेकर आमिर खान और नवजोत सिंह सिद्धू से लेकर गुलजार साहब तक, सुनील ग्रोवर ने शो में कई अलग-अलग और बेहतरीन एक्टर्स की मिमिक की। हालांकि, इस बार उन्होंने दिग्गज अभिनेता कादर खान का जो किरदार पकड़ा, उसे देखकर खुद डायरेक्टर डेविड धवन भी हैरान रह गए। हाल ही में नेटफ्लिक्स ने अपने यूट्यूब अकाउंट पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो के ग्रैंड फिनाले का एक प्रोमो शेयर किया है। इस ग्रैंड फिनाले के खास मौके पर शो में पिता-बेटे यानी डेविड धवन और वरुण धवन की जोड़ी नजर आई। कपिल शर्मा से बातचीत के दौरान वरुण धवन और डायरेक्टर डेविड धवन ने एक-दूसरे की खूब पोल-खोल की। गुत्थी और डॉ. मशहूर गुलाटी जैसे आइकॉनिक किरदार निभा चुके सुनील ग्रोवर, फिनाले एपिसोड में कादर खान के गेटअप में नजर आए। उन्होंने कादर खान की फिल्म के एक मशहूर सीन इधर आओ को भी रिक्रिएट किया। जिस तरह से सुनील ग्रोवर ने कादर खान को अपने अंदर उतारा और उनकी तरह मिमिक्री करते हुए एक्ट किया, उससे डेविड धवन भी काफी इम्प्रेस हो गए। उन्होंने सुनील ग्रोवर की तारीफ करते हुए कहा, कादर याद आ गया भाई।

सोचा नहीं था जिंदा रहूंगा

अनुराग डोभाल ने अस्पताल से किया पहला पोस्ट, खुद को बताया अनाथ

यूट्यूबर और बिग बॉस फेम अनुराग डोभाल की हेल्थ पर अपडेट आया है। उन्होंने बताया कि अब वह सेफ हैं और आईसीयू से बाहर आ चुके हैं। यूके07 राइडर को हाल ही में आत्महत्या के प्रयास के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीती रात उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट लिखी। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता था कि वह सड़क दुर्घटना में बच पाएंगे। उन्होंने अपनी एक तस्वीर भी साझा की जिसमें वह कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। अनुराग ने अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रहे हैं। उन्होंने लिखा, कभी सोचा नहीं था कि जिंदा रहूंगा जिस रास्ते पर गया था वहां से आना नामुकिन था। मेरे लिए ये सब एक चमत्कार से कम नहीं है। एक अनाथ हूं आज। मुझे नहीं पता आगे क्या होगा क्या करूंगा। लेकिन एक नया जन्म मिला है तो कुछ तो सोचा होगा भगवान ने। उन्होंने आगे कहा, बहुत सारे लोग परेशान हैं मेरे लिए। मैं आईसीयू से बाहर हूं और फिलहाल सुरक्षित हूं। शुक्रिया जो लोग साथ हैं और जिन लोगों ने मेरे लिए प्रार्थना की है, शायद आप लोगों की प्रार्थनाएं थीं जिसके कारण ये जन्म मिला है। बाकी भगवान भरोसे छोड़ दिया है सब। बता दें कि 15 नवंबर को रविवार को अनुराग के मैनेजर ने बताया था कि यूट्यूबर को शनिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी, लेकिन ट्रांसफर करते समय उनकी तबियत और भी ज्यादा खराब हो गई जिसके बाद उन्हें फिर से भर्ती करवाना पड़ा। इससे पहले, मार्च के पहले सप्ताह में अनुराग ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो शेयर किया था जिसमें उन्होंने अपने परिवार पर मानसिक उत्पीड़न और यातना का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया कि उनका परिवार रितिका के साथ उनकी इंटरकास्ट मैरिज के खिलाफ था और उन्हें घर में प्रवेश तक नहीं करने देता था।

भाई ने अनुराग को बताया झूठा

वीडियो वायरल होने के तुरंत बाद, उनके भाई कलाम ने सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया देते हुए दावा किया कि आरोप एकतरफा हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि अनुराग व्यूज और सोशल मीडिया पर पॉपुलैरिटी हासिल

डिप्टी कलेक्टर को सौंपा गया मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

नरसिंहपुर (स्वतंत्रमत)

ऑगनवाड़ी कार्यकर्तो की स्थानीय एवं प्रदेश स्तरीय समस्याओं के निराकरण के लिए म.प्र. बूलद आवाज नारी शक्ति आँगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायक संगठन ने कलेक्टर एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया है कि शासन द्वारा जो टेक होम राशन दिया जाता हैं उसे ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता को अपने स्वयं के खर्चे से परियोजन कार्यालय से केन्द्र तक लाना पडता हैं। टेक होम राशन समय से न मिलने के कारण हितग्राहियों को वितरण नहीं हो पाता और न ही उनका फेसकेपचर हो पाता, जिसके कारण कार्यकर्ताओं का मानदेय कटोती की जाती हैं।ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता को जो मोबाईल एवं बीएसएनल सिम दिये गये हैं वो वर्तमान कार्य के हिसाब से उपयुक्त नहीं हैं। दी गई सिम में सिग्नल एवं इंटरनेट की समस्या रहती हैं। जिससे संबंधित कार्य समय से नहीं हो पाते। उपयुक्त मोबाईल एवं एरिया नेटवर्क उपलब्धता देखते हुए सिम प्रदान की जावे ।साथ ही मानदेय समय पर नहीं दिया जाता। जिससे सभी ऑगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायकाओं को आर्थिक समस्याओं के साथ जीवन यापन करना पड़ता हैं एवं कार्यकती साहायिकाभी को ग्रीष्मकालीन अवकाश दिया जाये। वही एक अन्य ज्ञापन में उल्लेख किया है कि उच्च न्यायालय जबलपुर रिट याचिका संख्या 5966/2023 निर्णय दिनांक 3.2.2026 आदेशानुसार सम्यावधि के भीतर नया आदेश दिलाया जावे। उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेशानुसार 27.6.2019 से पहले दिए ज रहे मानदेय में अपना हिस्सा बहाल करें एवं बकाया राशि का भुगतान 6 प्रतिशत प्रति वर्ष की ब्याज दर के साथ 120 दिन के अन्दर किया जाए। श्रमिकों के मानदेय से उचित मानदेय वृद्धि किया जाए। मानदेय सर्वोच न्यायालय दिल्ली के पारित आदेश मणिबेन मंगन भाई भारि निर्णय को ध्यान में रखते हुए उच्च न्यायालय जबलपुर के पारित आदेशानुरा। नए आदेश 6 माह की उचित अवधि के भीतर जारी कर याचिकाकर्ता को सूचित किया जाए।

नवांकुर संस्था जया सेवा समिति द्वारा त्रैमासिक प्रस्फुटन समितियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बुधवार 18 मार्च को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में नवांकुर संस्था जया सेवा समिति द्वारा प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के तहत दीपप्रज्वलन के बाद ग्राम गंजरहा में प्रस्फुटन समितियों का त्रैमासिक क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। संभाग समन्वयक भीम सिंह एवं जिला समन्वयक रविंद्र शुक्ला एवं ब्लाक समन्वयक महेंद्र सिंह और सभी प्रस्फुटन समितियो के सदस्यों को प्रकृति प्रेरणा फाउंडेशन के गौशाला का अवलोकन कराया गया ।प्रथम सत्र में ठाकुर राम साहू जन अभियान का परिचय, द्वितीय सत्र नवांकुर संस्था अध्यक्ष देव प्रकाश गौतम व्दारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, तृतीय सत्र समाज सेवी कमलेश गौतम द्वारा वृक्षों का मानव जीवन मे महत्वपूर्ण, चतुर्थ सत्र प्रकृति प्रेरणा फाउंडेशन, पवन कुमार द्वारा जैविक कृषि, पंचम सत्र में जिला समन्वयक रविंद्र शुक्ला द्वारा सभी समितियो को कैशबुक के बारे में बताया गया। इसी तरह छटवें सत्र में संभाग समन्वयक भीम सिंह द्वारा सभी समिति को जमीनी स्तर में उतर कर काम करना होगा और सभी को समय समय मे समाज के साथ मिलकर गाँवो की समस्याओं को हल करें समाज के सहयोग से ही सब सम्भव हो सकता है। अंतिम सत्र में लघु फिल्म दिखाई गई जिसमें बंजर भूमि से उपजाऊ भूमि कैसे बनाए और पशुपालन के क्षेत्र में कैसे काम करे प्रमाण पत्र वितरित किये गए।

गाडरवारा पुलिस ने नष्ट किये 25 मॉडीफाईड साईलेंसर

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में यातायात नियमों के पालन एवं यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिये उल्लंघनकर्ताओं के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है । गौरतलब है कि गाडरवारा नगर में दो-पहिया वाहन चालकों द्वारा अपनी मोटरसाईकल में तेज आवाज वाले मॉडिफाईड साईलेंसर लगाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने की शिकायतें लगातार सामने आ रही थी । यातायात पुलिस एवं गाडरवारा पुलिस के द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन

करने वालों के विरूद्ध लगातार चालानी कार्यवाही की जा रही है । इसी तारतम्य में दिनांक 17/03/2026 को शाम 4 बजे पलोटनगंज गाडरवारा में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर संदीप भूरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) गाडरवारा ललित सिंह डागुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गाडरवारा निरीक्षक अशोक सिंह चौहान,थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक ममता तिवारी,सूबेदार नोवेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक सुरेश पटेल एवं स्टाफ के द्वारा गत दिवसों में गाडरवारा एवं आस-पास से जप्त किये गये कुल 25 मॉडीफाईड साईलेंसर का नष्टीकरण किया गया एवं यातायात नियमों के पालन करने की समझाईश दी गई ।

भारतीय किसान संघ की जिला बैठक

नरसिंहपुर (स्वतंत्रमत)

भारतीय किसान संघ की जिला बैठक संतोष राय जिला अध्यक्ष के निवास पर रखी गई । बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गिरिजा देवी ने कहा की खेती में भी मातृशक्ति की भूमिका होनी चाहिए उज्जैन में लैंड पूलिंग एक्ट के विरोध में हजारों महिलाओं ने शक्ति प्रदर्शन किया और सरकार को लैंड पूलिंग एक्ट कानून को वापस लेने को मजबूर होना पड़ा मातृशक्ति जागेगी सारी समस्या भागेगी आपने ग्राम समिति से लेकर तहसील समिति एवं जिला समिति तक महिलाओं को भारतीय किसान संघ में जोड़ने की बात कही । संगठन मंत्री

तुलारामजी ने 2027 में 50 साल का भारतीय किसान संघ कैसा हो इस पर चर्चा की एवं जिले की प्रत्येक तहसील एवं तहसील के प्रत्येक ग्राम में किसानों की समिति बनाकर भारतीय किसान संघ को और मजबूत किया जाए । बैठक में आभार भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष संतोष राय एवं मंच संचालन जिला मंत्री अभिषेक पटेल ने किया। बैठक में भारतीय किसान संघ के प्रांत उपाध्यक्ष नारायण पटेल प्रांत मंत्री स्वदेश कोठारी, संभागीय अध्यक्ष अनिरुद्ध पटेल, प्रान्त सदस्य सरदार सिंह पटेल , नरसिंहपुर तहसील अध्यक्ष गोधन पटेल , करेली तहसील अध्यक्ष अनिल पटेल , गोटेगांव अध्यक्ष यशवंत पटेल, राजन जिला कोषाध्यक्ष विष्णु पटेल , राजेंद्र

पटेल, राजेश चौरसिया ,दिनेश पटेल, भाव सिंह पटेल ,चंद्रभान, नंदराम ठाकुर, प्रीतम पटेल आदि मौजूद थे। बैठक के बाद भारतीय किसान संघ के सभी सदस्य कलेक्टर से मिले जहां पर गन्ना किसानों का भुगतान न होने पर नाराजगी व्यक्त की एवं जल्द भुगतान हो इसके लिए कलेक्टर को ज्ञापन दिया। कलेक्टर ने गन्ने का शीघ्र भुगतान कराने का आश्वासन दिया एवं जिला की अन्य समस्याओं के बारे में भी चर्चा की । इसके बाद करेली तहसील के ग्राम गोगावरी ग्रम समिति की बैठक हुई।

जीसीएल 2026 डे नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

रुद्र मैदान पर खेल दर्शक ले रहे रोमांचकारी मैचो का आन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

स्थानीय रूद्र मैदान पर जीसीएल - 8, 2026 डे नाइट टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन समस्त क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में किया जा रहा है द्य मंगलवार की शाम को प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया द्य इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 1 लाख एवं कप क्षेत्रीय विधायक स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह द्वारा द्वितीय पुरस्कार 51 हजार एवं योगेंद्र दिनेश मालपानी गाडरवारा सागर पल्सेस द्वारा , मैन ऑफ द सिरीज 11 हजार अन्नू शर्मा ज्वारा द्वारा, सभी मैचो में मैन ऑफ द मैच व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को पुरस्कार शिव एंड कंपनी द्वारा दिए जा रहे है द्य जीसीएल डे नाइट

टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में 16 टीमों ने भाग लिया हे द्य प्रतियोगिता के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता घनश्याम राजपूत, बसंती पालीवाल, कमल खटीक,रितेश राय, सुषमा साहू, रीना चौधरी ने रुद्र मैदान पर उपस्थित सभी टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए उनको प्रोत्साहित किया द्य शुभारंभ के मौके पर रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का सफल आयोजन करने वाले स्वर्गीय सुभाष राय को भी याद किया गया द्य प्रतियोगिता का पहला मैच ब्रदर एंड संस व रुद्र इलेवन के बीच खेला गया जिसमें रुद्र इलेवन ने शानदार क्रिकेट का प्रदर्शन करते हुए मैच जीत लिया इस मैच का मैन ऑफ द मैच छूटुआ कहार को दिया गया इन्होंने केफायती गेंदबाजी करते हुए 2 ओवर में 11 रन देकर 3 सफलताएं हासिल की थी द्य दूसरा मैच प्रिंस इलेवन व एस एम ज़ी के बीच खेला गया जिसमें प्रिंस इलेवन ने मैच जीत लिया इस मैच का मैन ऑफ द मैच शोएब खान को दिया गया इन्होंने 19 बाल में 36 रन बनाकर बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 4 सफलताएं हासिल की थी द्य मैच के कॉमेंटेटर जुल्फकार अली, स्कोरर यशवंत गुर्जर,चंदू कोरी, अंपायर इशाक खान, रामेश्वर मास्साब और अजीत कौरव द्य आयोजन समिति में समस्त क्रिकेट प्रेमियों से रुद्र मैदान पहुंचकर क्रिकेट मैचो का आनंद लेते हुए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की अपील की है।

साहू समाज ने मां कर्मा देवी की भव्यता व दिव्यता से मनाया 1010वीं जन्म जयंती महोत्सव

नरसिंहपुर (स्वतंत्रमत)

स्थानीय नरसिंहपुर साहू समाज की आराध्य देवी संत शिरोमणि मां कर्मा देवी आयोजन समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्यता एवं दिव्यता के साथ बीते 16 मार्च, 17 मार्च 2026 दो दिवसीय कार्यक्रम को भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी जी 1010 वीं जयंती महोत्सव धूमधाम से होटल सावित्री सिग्नेचर नरसिंहपुर में मनाई गई । 15 मार्च दिन रविवार को जयंती के उपलक्षये में पूर्ण विधि विधान से श्रवण कुमार साहू के द्वारा मां कर्मा देवी की पूजन पाठ कराई गई।16 मार्च दिन सोमवार में बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं भाग लेकर अपनी कला को प्रदर्शित किया एवं मातृशक्ति के द्वारा भगवान लड्डू गोपाल को अपने-अपने घर से लाकर छप्पन भोग लगाए एवं केक काटा गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को राजू कुल्फी वालों की ओर से आइसक्रीम वितरित की गई थी। दूसरे दिन 17 मार्च में रात 8 बजे सर्वप्रथम मां कर्मा देवी जी का पूर्ण विधि विधान मंत्रोच्चारण के साथ पूजन अर्चन आरती वंदन सिग्नेचर प्रांगण में उपस्थित साहू समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों, बुजुर्गों सहित पूर्व अध्यक्ष पत्रकार मनीष बंटी साहू एवं नवनियुक्त अध्यक्ष शांतनु साहू, महिला अध्यक्ष शिखा साहू के साथ पंडित मनीष महाराज के द्वारा कराई गई। कार्यक्रम की शुरुआत में रंगोली मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को स्व शिव दयाल साहू की स्मृति में गुलशन , शैलेश साहू संतोष एजेंसी वालों के द्वारा पुरस्कार दिया मेहंदी प्रथम पुरस्कार जय श्री राजू साहू द्वितीय पुरस्कार मुस्कान अंकुर बटरी, तृतीय पुरस्कार पूजा चेतराम रंगोली में प्रथम पुरस्कार मुस्कान अंकुर बटरी द्वितीय पुरस्कार वंदना भरत सिंह तृतीय पुरस्कार आरिका अभिषेक , पेंटिंग में स्वर्गीय प्रेमचंद साहू वीडी वालों की स्मृति में श्रीमती ममता मनीष साहू , आर्यन साहू बीड़ी परिवार ने प्रथम पुरस्कार जागृति रवि साहू द्वितीय पुरस्कार अक्षिता जगदीश साहू आरना रघुवीर साहू दिया ,फैंसी ड्रेस मैं श्रीमती अंजू चौधरी अजय साहू ने पुरस्कार प्रथम पुरस्कार मानया विष्णु साहू द्वितीय पुरस्कार रिया धनीराम साहू तृतीय पुरस्कार पूजा चेतराम साहू , डांस प्रतियोगिता में स्व. पूर्णिमा साहू की स्मृति में चौधरी चंद्रशेखर साहू ने प्रथम पुरस्कार अर्पिता राजकुमार द्वितीय पुरस्कार महिमा महक तृतीय पुरस्कार अनिका आशीष, व्यंजन प्रतियोगिता में स्वर्गीय श्री जगदीश प्रसाद साहू जी की स्मृति में शांतनु साहू, दिनेश,गोविंद, अनुज ने प्रथम पुरस्कार नीतू संजीव द्वितीय पुरस्कार आकांक्षा अरविंद तृतीय पुरस्कार आयुषी गोविंद को दिया गया। सभी प्रतियोगिता में दोनों अध्यक्षों के द्वारा समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कक्षा 10 वीं 12वीं स्नातक एवं स्नातकोत्तर के मेधावी छात्राओं को स्वर्गीय श्रीमती सावित्री देवी साहू की स्मृति में उनके पुत्र सुधीर साहू श्रीमती सुमन साहू ने कक्षा 10 वीं द्वश्च ड्डशह्म्र में छात्रा प्रथम पुरुस्कार आस्था राजकुमार 96.4प्रतिशत,नंदनी हरीशंकर 94.6प्रतिशत 10 वीं सीबीएसई प्रथम पुरुस्कार छबि अरुण, 12 वीं द्वश्च बोर्ड में प्रथम पुरस्कार अनुराग गोपाल96.2 द्वितीय पुरस्कार आस्था गंगाराम93.8, 12वीं सीबीएसई बोर्ड में आयुषी संजीव साहू इसी क्रम में स्व संजय साहू की स्मृति में सरकारी नौकरी में विभिन्न पदों पर चयनित साहू समाज के युवा वर्ग से स्वास्थ्य विभाग में प्रणव सुशील साहू रितेश राजेंद्र साहू रेलवे लोको पायलट,नेशनल शतरंज प्रतियोगिता में आर्यन साहू,आईआईटी दिल्ली में बीटेक में आयुषी संजीव साहू, वेद प्रकाश अशोक साहू नीट परीक्षा पास कर मेडिकल प्राप्त किया।

पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की प्रेस वार्ता हुई संपन्न

पूरी दुनिया अनिश्चितताओं से घिरी मगर देश मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा - प्रहलाद सिंह पटैल

नरसिंहपुर (स्वतंत्रमत)

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश सरकार के पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की प्रेस वार्ता स्थानीय होटल मिनिअेचर में संपन्न हुई प्रेस वार्ता भाजपा जिला अध्यक्ष राम स्नेही पाठक पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल पूर्व जिला अध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी व विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा की उपस्थिति में संपन्न हुई ।

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने वैश्विक चुनौतियों पर भारत की मजबूती विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुनिया अस्थिरता के दौर से गुजर रही है जहां रूस यूक्रेन युद्ध चल रहा है वहीं दूसरी ओर अमेरिका इजराइल और ईरान के बीच युद्ध चल रहा है जिसके कारण सम्पूर्ण विश्व में तेल एवं गैस की आपूर्ति बाधित हुई है सम्पूर्ण विश्व इस आपूर्ति से परेशान है परन्तु देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में युद्ध जैसी विषम परिस्थितियों में भारत तक गैस एवं तेल सुरक्षित पहुंच रहा है यह भारत के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जिससे लगातार देश में तेल एवं गैस की आपूर्ति नागरिकों को की जा रही है। इस पर हर भारतीय को गर्व है उन्होने कहा भारत हमेशा संवाद और शांति की नीति पर विश्वास करता है और उसी मार्ग से समाधान खोजने का प्रयास भी करता है। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तीसरे वर्ष की जानकारी देते हुए बताया कि पिछले वर्ष देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन व प्रदेश के मुखिया मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन जन अभियान बन गया है। जिसमे अनेको जल स्त्रोतों को जीवंत कर तालाबों का गहरीकरण नदी के उद्गम स्थलो का पुनर्जीवन के साथ ही नदी पर बोरी बंधान के माध्यम से पानी रोक कर जल के स्तर को बढाया गया अभियान की सफलता को देखते हुए प्रदेश सरकार ने इस वर्ष भी पुन: जारी रखा है।इस वर्ष सरकार की मंशा है कि जो कार्य पिछले वर्ष बरसात आने के कारण छूट गए थे उन्हे पूरा किया जाए साथ ही तालाबों का गहरीकरण इस प्रकार से किया जाए कि उसमें वर्ष भर पानी की निरंतरता बनी रहे जिससे गर्मी के मौसम में भी पानी की कमी न हो पाए। जल गंगा संवर्धन अभियान का मूल उद्देश्य ही नदियो को बारह मासी बनाना है यह कार्य बिना जनता की सक्रिय सहभागिता के संभव नही हो सकता अत: उन्होने जिले के सभी वासियों से अनुरोध करते हुए निवेदन किया कि कल दिनांक 19.03.2026 चैत्र नवरात्र से प्रारंभ होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान में अपने आस पास के जल स्त्रोतो पर जाकर शासन प्रशासन से कंधे से कंधा मिलाकर अभियान में अपनी सहभागिता प्रदान करे। उन्होनें प्रधानमंत्री जी महत्वाकांछी योजना हर घर जल जलजीवन मिशन योजना की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी का यह संकल्प था कि देश के हर घर में नल हो एवं उसमें शुद्ध पेय जल हो इस हेतु यह अभियान देशभर में चलाया जा रहा है। उनके इस संकल्प की पूर्ति हेतु म.प्र.सरकार व पंचायत विभाग कटिबद्ध है। इस हेतु म.प्र. ने भी यह अभियान वर्ष 2028 तक क्रियान्वयन हेतु बढायी गई है। 2014 से पहले जहां देश की ग्रामीण आबादी शुद्ध पेय जल के लिये संघर्षरत थी खासतौर पर महिलाओं को शुद्ध पेयजल के लिये अपने घर से लंबी दूरी तय करना पड़ती थी नरेन्द्र मोदी जी ने देश की इन्ही माताओं बहनो का कष्ट समझते हुए जलजीवन मिशन की शुरूआत की। नरेन्द्र मोदी जी का एक बड़ा संकल्प है जिसका उद्देश्य शुद्ध पेयजल, आवास, सड़क, स्वच्छता और बिजली पहुचाना है यह कार्य पंचायतो के अधिकार क्षेत्र में आते है और इनकी मजबूती से ग्रामीण विकास को गति मिलती है। मंत्री प्रहलाद सिंह पटैल ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की जानकारी देते हुए बताया कि 2014 से पहले जहां गांव उंगलियों पर गिनने लायक भी इन्द्रा आवास नहीं थे जबकि यह योजना अनेकों वर्षों से कांग्रेस द्वारा चलाई जा रही थी फिर भी जमीनी स्तर पर आज दिनांक तक एक भी इन्द्रा आवास देखने को नहीं मिलते जैसे ही 2014 में देश की जनता ने मोदी जी को अपना मत रूपी आशीर्वाद दिया उसी के बाद मोदी जी देश की ग्रामीण जनता के दर्द को समझते हुए कि गरीब झोपड़ी में किस प्रकार की कठिनाईयों को सहन करते हुए अपना जीवन यापन करता है कि समस्याओं के निराकरण हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण चालू की गई जिसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में मकान निर्माण हेतु राशि सीधे हितग्राही के खाते में दी गई जिसका परिणाम यह हुआ कि आज प्रत्येक गांव में सैकड़ों प्रधानमंत्री आवास है। जिन्हे अब सरकार की अन्य योजनाओं से जोड़कर सर्व सुविधा युक्त किया जा रहा है उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बतायां कि इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार जन व पार्टी के ज्येष्ठ कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में नवांकुर संस्था जन आवाज बहुउद्देशीय समिति चितरॉव सेक्टर क्रमांक 04 बनसुकली विकासखंड जयसिंहनगर के द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति क्षमता वर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिला एवं ब्लॉक समन्वयक के मार्गदर्शन में मां सरस्वती का पूजन-अर्चन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। जिसमें सरपंच सुनीता अगरिया, पंच देवलाल, सचिव, सहायक सचिव व ब्लॉक समन्वयक ऋत्विक दास मिश्रा, नवांकुर संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा, प्रशिक्षक पवन तिवारी व समस्त ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य व नवांकुर सखी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में समस्त प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

शहर की जल व्यवस्था पर महापौर सख्त जल संयंत्रों का किया निरीक्षण

ग्रीष्मकाल को देखते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने पर जोर

कटनी (स्वतंत्रमत)

आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए शहर में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से महापौर प्रीति संजीव सूरी द्वारा मंगलवार, 17 मार्च को एमआईसी सदस्य एवं संबंधित अधिकारियों के साथ जल व्यवस्था को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक से पूर्व महापौर द्वारा शहर के बैराज एवं जल शोधन संयंत्रों का निरीक्षण भी कर जल संग्रहण, जल उपलब्धता, फिल्ट्रेशन एवं शुद्धिकरण व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अमकुही स्थित 20 एमएलडी एवं सुरम्य पार्क के समीप स्थित 9 एमएलडी जल शोधन संयंत्रों की कार्यप्रणाली, फिल्टर यूनिट्स, ब्लीचिंग डोजिंग सिस्टम, एयर कंप्रेसर मशीन एवं जल शुद्धिकरण की विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी ली। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि किस प्रकार कच्चे पानी को विभिन्न चरणों से गुजारकर शुद्ध एवं पेय योग्य बनाया जाता है। महापौर ने संयंत्रों में संधारित स्टॉक रजिस्टर का भी अवलोकन किया एवं निर्देशित किया कि सभी आवश्यक सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे, जिससे जल शुद्धिकरण प्रक्रिया निर्बाध रूप से संचालित होती रहे। इस दौरान एमआईसी सदस्य उमेंद्र अहिरवार, सुभाष साहू, जयनारायण निषाद एवं प्रभारी कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जल आपूर्ति व्यवस्था को लेकर बढ़ी सक्रियता, सभी पहलुओं की हुई समीक्षा - महापौर ने जल व्यवस्था की समीक्षा बैठक लेते हुए बैराज की वर्तमान स्थिति, टैंकर एवं ट्रैक्टर के माध्यम से जल आपूर्ति, ट्यूबवेल की स्थिति, वार्डों में पानी सप्लाई का समय, टंकियों की स्थिति, निगम सीमांतर्गत लगाए जा रहे प्याऊ, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन, पानी की गुणवत्ता हेतु जांच, खदानों में जल उपलब्धता तथा नए कनेक्शनों की स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की। इसके साथ ही अमृत योजना-2 के अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों व वार्डों में जल व्यवस्था से संबंधित कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्मकाल में बढ़ती जल मांग को देखते हुए पूर्व से ही सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग, रख-रखाव एवं तकनीकी निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, फिल्टर प्लांट्स की समय-समय पर सफाई, मशीनों के सुचारु संचालन एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए। महापौर ने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है, अतः सभी अधिकारी टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जल आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएं।

बिलहरी पुलिस द्वारा किया गया नाबालिक गुमशुदा बालिका को दस्तयाब

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा जिले के सभी थाना चौकी प्रभारियों को नाबालिग बालक बालिकाओं की गुमशुदगी के मामलों में त्वरित कार्यवाही कर शीघ्र दस्तयाब करने के निर्देश दिए थे इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया थाना प्रभारी कुठला राजेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी बिलहरी सुयश पाण्डेय एवं स्टाफ द्वारा अपराध क्रमांक 191/26 धारा 137 (2) बीएनएस की गुमशुदा नाबालिक बालिका दस्तयाब कर वैधानिक कार्यवाही उपरांत परिजनों को सुपुर्द कर उनके चेहरे में मुस्कान लौटाई। चौकी प्रभारी बिलहरी सुयश पाण्डेय, सउनि राम सिंह, प्रधान आरक्षक संतोष प्रजापति, आरक्षक सौरभ जैन, लव कुमार उपाध्याय, दिलकेश्वर सिंह, विकास कुमार सैनिक, धनेंद्र त्रिपाठी रही।

बड़े हनुमान मंदिर में नवसंवत्सर का दिव्य उत्सव भक्ति में डूबेगा शहर धाम में होगा दिव्यता का महाआयोजन

कमानिया गेट स्थित बड़े हनुमान मंदिर में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम

कटनी (स्वतंत्रमत)। हिन्दू नववर्ष के पावन अवसर पर शहर का प्रसिद्ध आस्था केंद्र श्रीश्री 1008 सिद्धिपीठ दक्षिण मुखी बड़े हनुमान जी मंदिर, कमानिया गेट भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर होने जा रहा है। मंदिर समिति के तत्वाधान में 19 मार्च को एक दिवसीय भव्य धार्मिक आयोजन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शहर के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहेगी। इस दिव्य आयोजन की शुरुआत ब्रह्म मुहूर्त से होगी, जब भगवान हनुमान जी का विधिवत अभिषेक और अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। जैसे ही प्रभात की पहली किरण मंदिर परिसर को स्पर्श करेगी, वैसे ही वातावरण में भक्ति, मंत्रोच्चार और आस्था की अनुगूंज फैलने लगेगी। पूरे दिन विशेष पूजन-अनुष्ठान, वैदिक मंत्रों के साथ सम्पन्न होंगे, जिससे मंदिर परिसर एक आध्यात्मिक ऊर्जा केंद्र में परिवर्तित हो जाएगा। शाम के समय भक्ति अपने चरम पर पहुंचेगी जहाँ शाम 6 बजे से राम नाम संकीर्तन, शाम 7 बजे से 11 हनुमान चालीसा पाठ, वेद मंत्रों के मध्य दीप प्रज्वलन और रात्रि 8 बजे भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसके उपरांत रात्रि 8:30 बजे से विशाल प्रसाद वितरण किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालु भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। मंदिर समिति के अनुसार, यह आयोजन केवल धार्मिक परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि भगवान के प्रति अटूट श्रद्धा और भक्ति की अलख जगाने का एक पावन प्रयास है। ऐसी मान्यता है कि जब भक्त सच्चे मन, समर्पण और विश्वास के साथ भगवान को अपना मानकर उनके चरणों में प्रार्थना करता है, तो बजरंगबली उसकी हर मनोकामना पूर्ण करते हैं और जीवन के संकटों को दूर कर देते हैं। यह आयोजन न केवल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा, बल्कि समाज में एकता, सकारात्मकता और धर्म के प्रति जागरूकता का संदेश भी देगा। मंदिर समिति ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से अपील की है कि वे इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भक्ति का लाभ लें और हिन्दू नववर्ष का स्वागत भगवान की कृपा के साथ करें।

प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

नवांकुर संस्था मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह के नेतृत्व में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला कटनी के जिला समन्वयक डॉ. तेज सिंह केसवाल के निर्देशानुसार एवम् ब्लॉक समन्वयक नंदनी वाटिया के मार्गदर्शन में नवांकुर योजनांर्तगत सेक्टर क्रमांक 04 बसाड़ी के अंतर्गत प्रस्फुटन ग्राम बेहडीकला, नन्हवारा खुर्द, कुम्हरवारा, परसवारा खुर्द, मिडरा से अंतर्गत गठित प्रस्फुटन समितियो के एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण का आयोजन जीवन विकास ट्रेनिंग सेंटर बिजौरी में किया गया। कार्यक्रम समन्वयक रामकिशोर चौधरी द्वारा अतिथियों एवम् उपस्थित सदस्यों का परिचय कराया गया तत्पश्चात दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। सर्वप्रथम ब्लॉक समन्वयक नंदनी वाटिया के द्वारा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् की नवांकुर योजना और प्रस्फुटन योजना की अवधारणा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए समितियों की त्रैमासिक कार्यों की समीक्षा की गयी और समितियो के दस्तावेजीकरण पर गंभीरतापूर्वक प्रकाश डाला गया। इसके बाद आदर्श ग्राम बनाने प्रस्फुटन वाटिका का का निर्माण करना, संस्कार केंद्र खोलना, वाचनालय खोलने आदि पर विस्तृत चर्चा किया गया। मानव जीवन विकास समिति द्वारा तैयार डाक्यूमेंटरी फिल्म प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया जिसमे समग्र विकास की अवधारणा निहित है फिल्म देखकर प्रतिभागी काफी उत्साहित नजर आये। मानव जीवन विकास समिति के जिला समन्वयक चंद्रपाल कुशवाहा के द्वारा समग्र ग्राम विकास की अवधारणा एवम् विभिन्न चरणों पर बात रखते हुए ग्राम की छोटी छोटी आवश्यकताओं एवं समस्याओ को खोजकर आपसी सहयोग से हल करने हेतु प्रेरित किया। कुम्हरवारा ग्राम पंचायत सरपंच वृंदावन पटेल द्वारा बताय गया की ग्राम के विकास में प्रस्फुटन समितियों के साथ हमारा भरपूर सहयोग रहता है, समिति सदस्यों द्वारा लगातार ग्राम विकास के मुद्दे पर काम किया जा रहा है। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला कटनी के जिला समन्वयक डॉ तेज सिंह केसवाल के द्वारा समितियों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया गया की अपने अपने गांव से नि:स्वार्थ सेवा करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर ग्राम विकास के कार्यों में भागीदारी बनाये। नवांकुर संस्था के अनुकरणीय कार्यो का उदाहरण देते हुए जैविक कृषि को बढ़ावा देने बात रखी। यह भी बताया गया की बेहतर कार्य करने वाले को विभिन्न प्रकार के पद्मश्री से सम्मानित किया जाता है। दोपहर भोजन के बाद स्वैच्छिक संगठनो का गठन एवं प्रबंधन पर नवांकुर संस्था प्रोग्राम समन्वयक रामकिशोर चौधरी के द्वारा पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रकाश डाला गया। उजाला फाउंडेशन प्रमुख हरभगत सिंह के द्वारा गांव को नशामुक्त बनाने, प्लास्टिक मुक्त बनाने अपनी बात सहजता से राखी गई। सेक्टर प्रभारी गुलशन सिंह के द्वारा बताय गया की प्रस्फुटन समिति में सक्रीय सदस्यों को जोड़े ताकि ग्राम का विकास हो सके। कार्यक्रम के समापन में सभी प्रतिभागियों को जनप्रतिनिधि एवं अतिथियो के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला का समापन किया गया। कार्यक्रम में 35 प्रतिभागियों की शानदार उपस्थिति रही।

सीईओ ने क्वालिटी कंट्रोल लैब का किया निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिला पंचायत की सीईओ ने जनपद पंचायत कटनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत इमलिया में जिला स्तरीय क्वालिटी कंट्रोल प्रयोगशाला का औचक निरीक्षण कर संधारित रजिस्टर और सह अभिलेखों का अवलोकन कर जायजा किया। इस दौरान सीईओ ने लैब में तकनीकी संयंत्रों और उपकरणों को करीब से देखा और इनके उपयोग और टेस्ट रिपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया के संबंध में बारीकी से जानकारी ली। अभिलेखों का अवलोकन करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने मटेरियल परीक्षण संबंधी जानकारियों को वृहद रूप से उल्लिखित करने हेतु अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देशित किया। इस दौरान जनपद पंचायत कटनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप सिंह, परियोजना अधिकारी मनरेगा ऋषिराज चढ़ार, मीडिया प्रभारी योगेंद्र कुमार असाटी, मेघा मौर्य, सहायक यंत्री अभिषेक त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कंटेनर में क्रूरतापूर्वक भरे 31 गोवंश बरामद, तस्कर फरार

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी जिले की रीठी पुलिस ने गोवंश तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से ले जाए जा रहे 31 नग गोवंश को मुक्त कराया है। तस्करों ने एक बंद बॉडी कंटेनर के भीतर गायों और बैलों को अत्यंत क्रूरतापूर्वक ठूस-ठूस कर भरा था। पुलिस ने वाहन को जब्त कर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक बड़े कंटेनर में अवैध रूप से गोवंश की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही रीठी पुलिस की टीम ने 17 मार्च की रात करीब 12:03 बजे ग्राम सिमरा के पास मैदान में घेराबंदी की। पुलिस को देखकर अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी मौके से भागने में सफल रहे, लेकिन पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। जब पुलिस ने ट्रक कंटेनर (यूपी21बीएन5175) की तलाशी ली, तो भीतर का नजारा देख अधिकारी भी दंग रह गए। ट्रक के भीतर- कुल 31 नग गोवंश गाय, बैल और बछड़े मौजूद थे। पशुओं को बिना चारा-पानी के, गर्दन और पैर बांधकर क्रूरतापूर्वक भरा गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन पशुओं को वध या अवैध बिक्री के उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। रीठी पुलिस के उपनिरीक्षक विनोद पटेल की शिकायत पर पुलिस ने रेखा बाई और शील चंद दोनों निवासी तिदनी, थाना शाहनगर एवं दो अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों पर निम्नलिखित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है- मध्य प्रदेश गो-वंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 6(ख) और 9, पशु क्रूमरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11। बरामद किए गए सभी 31 पशुओं को सुरक्षित रूप से ट्रक से बाहर निकाला गया और उन्हें पास की गौशाला में उपचार व देखभाल के लिए भेज दिया गया है।

दिगंबर जैन महिला परिषद नीलांजना ने मनाया होली मिलन समारोह

कटनी (स्वतंत्रमत)। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद नीलांजना संभाग शाखा कटनी के तत्वाधान में नये सत्र का शुभारंभ नई ऊर्जा उमंग एवं हर्षोल्लास के साथ 15 मार्च दिन रविवार को होली मिलन एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का कार्यक्रम परिषद की नवनिर्वाचित कोषाध्यक्ष भावना जैन के निवास पर आयोजित किया गया। सर्वप्रथम अपने इष्ट आराध्य को स्मरण करते हुए परिषद की समस्त पदाधिकारी गण द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ होली मिलन पर सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर आपसी सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाया तत्पश्चात अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संस्था की संध्या जैन, वंदना जैन, सीमा नाहर, अर्चना जैन, एकता, पिंकी, प्रीति पटवारी, स्वाति, अंजू, अर्चना चंदेरिया द्वारा महिला सशक्तिकरण पर अपने उदगार व्यक्त किए। तत्पश्चात प्रश्नोत्तरी एवं हौजी गेम के साथ पुरस्कृत किया गया। सचिव मंजू जैन परिषद के प्रांतीय प्रभारी बबीता जैन, नीता जैन, सुनीता जैन एवं प्रांतीय चेयरपर्सन मीनू सिंह रही।

सनशाइन एकेडमी में पेरेंट्स टीचर मीटिंग का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन एकेडमी माधव नगर में पेरेंट्स टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें सभी बच्चों ने अति उत्साहित होकर अपने माता-पिता के साथ अपने वार्षिक परीक्षा के रिजल्ट की जानकारी ली। बच्चों ने बहुत खुशी से टीचर्स से मार्कशीट ली और साथ ही टीचर्स ने बच्चो के साथ सेल्फीज ली। पैरेंट्स टीचर मीटिंग, छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन, व्यवहार और समग्र विकास पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। यह सिर्फ प्रोग्रेस रिपोर्ट लेने का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षकों के साथ मिलकर बच्चे के उज्वल भविष्य की योजना बनाने का अवसर है। पीटीएम में अभिभावकों ने शिक्षको से बच्चों के बारे में कुछ इस प्रकार के प्रश्न किए जैसे:- बच्चा किस विषय में होशियार है और किसमें उसे मदद की ज़रूरत है- क्या बच्चा कक्षा में ध्यान केंद्रित करता है और दोस्तों के साथ घुलता-मिलता है, क्या वह सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में भाग ले रहा है, पिछले टेस्ट के मुकाबले बच्चे में क्या सुधार हुआ है, क्या बच्चा स्कूल में खुश और सहज महसूस कर रहा है, पैरेंट्स के लिए बेहद जरूरी है इसे अटेंड करना ताकि आपको अपने बच्चे की प्रॉग्रेस के बारे में पता चल सके। ऐसा करने से वे अपने बच्चे की ओवरऑल प्रोग्रेस रिपोर्ट से वाकिफ हो सकेंगे/ पीटीएम के माध्यम से पेरेंट्स को बताया गया कि बच्चो की परफॉर्मेंस कैसी रही। ऐसा कहा जाता है कि माता-पिता के बाद शिक्षक ही बच्चे के बारे में सबसे ज्यादा जानते हैं। घर के अलावा बच्चे सबसे ज्यादा समय स्कूल में बिताते हैं, जहां टीचर ही उनके गार्जियन का रोल निभाते हैं। यही वजह है कि स्कूलों में पेरेंट्स-टीचर मीटिंग होती है, जिससे पेरेंट्स और टीचर बच्चे से जुड़ी बातों पर चर्चा कर सकें। पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का उद्देश्य बच्चे के विकास से जुड़ी बातों को आपस में शेयर करना होता है। पीटीएम में बच्चों के टीचर्स से बात करके पेरेंट्स अपने बच्चों की प्रतिभाओं, क्षमताओं, कमजोरियों और लर्निंग स्टाइल को बेहतर तरीके से पहचान पाते हैं। खासतौर पर अगर आपके बच्चे ने अभी-अभी स्कूल जाना शुरू किया है, तो पेरेंट्स टीचर मीटिंग के जरिए आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे आप अपने बच्चे के विकास में मदद कर सकते हैं। इसके लिए बहुत जरुरी है कि आप पेरेंट-टीचर मीटिंग में टीर्चर से सही सवाल पूछें। पेरेंट्स टीचर मीटिंग में आपको न सिर्फ बच्चे की परफॉरमेंस के बारे में सवाल करने चाहिए, बल्कि उसके व्यक्तित्व से जुड़े सवालों को भी पूछना चाहिए।

20 मार्च को सभी ब्लॉक एवं तहसील मुख्यालयों में टेट के विरोध में शिक्षक सौंपेंगे ज्ञापन, दर्ज कराएंगे प्रबल विरोध

कटनी (स्वतंत्रमत)

वर्षों से शिक्षा विभाग में सेवाएँ दे रहे शिक्षकों पर सेवा के इतने लंबे समय बाद सशर्त टेट परीक्षा लागू किए जाने से पूरे देश और प्रदेश की तरह कटनी जिले के शिक्षक भी अपने भविष्य को लेकर चिंतित एवं भयग्रस्त हैं। टेट संघर्ष समिति के रमशंकर राजू तिवारी ने कहा कि यह चिंता स्वाभाविक है, क्योंकि जिन नियमों का निर्माण वर्ष 2011 के बाद हुआ, उन्हें 1994 से 2010 तक नियुक्त शिक्षकों पर लागू किया जा रहा है, जबकि इन शिक्षकों की नियुक्ति उस समय की शासन की विधि, नीति और नियमों के अनुसार हुई थी। सेवा के अनेक वर्ष पूर्ण करने के बाद अब टेट परीक्षा तथा अनिवार्य सेवानिवृत्ति जैसे प्रावधानों ने शिक्षकों में गहरा असंतोष उत्पन्न कर दिया है। शिक्षकों का मानना है कि वर्षों की सेवा के बाद इस प्रकार की शर्तें प्राकृतिक न्याय एवं नीतिगत सिद्धांतों के विपरीत हैं। इसी के विरोध में 20 मार्च को जिले के सभी विकासखंडों एवं तहसील मुख्यालयों पर शिक्षक एकत्र होकर ज्ञापन सौंपेंगे तथा टेट आदेश वापस लेने की मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे। टेट संघर्ष समिति एवं राज्य शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने जिले के समस्त शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है। समिति के संयोजक आशीष उरमलिया, अध्यक्ष शिवदास यादव, जे. पी. हल्दकार, नवनीत चतुर्वेदी, संजय अग्रवाल, रमाशंकर तिवारी, संजय मिश्रा, सुशील तिवारी, अखिलेश पांडेय, सोहन चौधरी, रामाधार सोनू सरावगी, मनीष दीक्षित, रीना साहू, राधा सोनी, दमयंती डेहरिया, रामबाई कोल, किशनलाल भुमिया, किरण पूर्वरिया, राजू भैया सिंह, अजय सिंह सहित अन्य साथियों ने सभी शिक्षकों से अपने-अपने ब्लॉक एवं तहसील मुख्यालयों पर अधिकाधिक संख्या में पहुँचने का आह्वान किया है।

धूमधाम से मनाया गया आयुध निर्माणी दिवस

कटनी (स्वतंत्रमत)। संपूर्ण भारत में 18 मार्च आयुध निर्माणी दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी आ. नि. कटनी में यह पर्व कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा मिलकर प्रफुल्लित मन से मनाया गया। आ. नि. बोर्ड एशिया का दूसरा एवं भारत का सबसे बड़ा रक्षा उपकरण निर्माता था। आ. नि. बोर्ड को चौथे रक्षा बल अर्थात सशस्त्र बलों के पीछे की सेना के रूप में भी जाना जाता था। इसी उपक्रम की बदौलत हमने तीन युद्द जीते हैं तथा भारत आर्म्स, एम्यूनिसंस, एक्सप्लोसिव्स, वेपन स्पेयर्स, पैराशूट्स, लेदर तथा क्लोदिंग आइटम्स आदि 30 से अधिक देशों में निर्यात करता है।

03 किलो 504 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अति. पुलिस अधीक्षक कटनी संतोष डेहरिया के कुशल निर्देशन एवं रत्नेश मिश्रा उप पुलिस अधीक्षक मुख्य के मार्ग दर्शन मे थाना एनकेजे प्रभारी को मिली सफलता। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा थाना क्षेत्र में नशे पर अंकुश लगाने हेतु नशे की अवैध गतिविधियों में रोकथाम के निर्देश दिये गये है इसी तारतम्य में 18 मार्च को थाना एनकेजे से एएसआई केवल उइके हमराह स्टाफ प्रआर 190 प्रहलाद सिंह, प्रआर 453 राजकुमार शर्मा आर. 499 जयन्त कोरी के थाना मोबाइल के पेट्रोलिंग हेतु रवाना हुए जो भ्रमण दौरान बाबाघाट रोशननगर कच्ची रोड सन्यासी बाबा के पास एक संदिग्ध व्यक्ति एक सफेद रंग के थैला लिये बैठा दिखा जो संदेही पुलिस की गाडी को देखकर भागकर झाड़ियो में जाकर छिप गया था। जिसे हमराह स्टाफ के घेरा बंदी कर पकडा गया। भागने व झाडियो में छिपने से संदेही पूरी तरह से गीला हो गया था पास मे रखे सफेद रंग का थैला भी गीला हो गया था। जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम छंगा उर्फ राम विलास निषाद पिता स्व. मिश्री लाल निषाद उम्र 35 साल निवासी प्रेमनगर तिलक कालेज के पास थाना एनकेजे जिला कटनी का होना बताया उसके थैला को खोलकर देखने पर 02 पालीथिन एवं दो खाकी रंग के टेप से लपेटे हुये पैकेट में हरि पत्तिदार बीज युक्त नमीयुक्त वनस्पति पदार्थ गांजा जैसा पदार्थ होना पाया।

अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर कायम, बुमराह टॉप-5 में

अफ्रीकी बॉलर बॉश के पॉइंट्स गिरने से फायदा

दुबई (वार्ता)

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी-20 बॉलर्स की रैंकिंग के टॉप-5 में वापसी कर ली है। वे बिना कोई मैच खेले टॉप-5 में पहुंच गए हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टी-20 वर्ल्डकप के बाद हुई साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की 5 मैच की सीरीज में अफ्रीकी टीम में कॉर्बिन बॉश को मौका नहीं मिला है। इससे उन्हें रैंकिंग में नुकसान हुआ और वह छठे स्थान पर खिसक गए। आईसीसी ने बुधवार को ताजा प्लेयर रैंकिंग जारी की। इसमें जसप्रीत 702 रेटिंग अंक के साथ पांचवें पहुंच गए। बुमराह टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। बैटर्स की रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। भारत के अभिषेक शर्मा (875 रेटिंग पॉइंट्स) टॉप पर हैं। वे जुलाई 2025 से टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं।

बॉलर्स रैंकिंग में कीवी कप्तान सैंटनर को फायदा- टी-20 इंटरनेशनल रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर को फायदा मिला है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज के पहले 2 मुकाबलों में उन्होंने 3 विकेट लेने के साथ 35 रन भी बनाए, जिसकी बदौलत सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। वहीं, अभी तीन मैच बाकी हैं। इस प्रदर्शन के दम पर सैंटनर गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। पिछले हफ्ते वह 24वें नंबर पर थे। टी-20 के ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी मिचेल सैंटनर करियर की बेस्ट रैंकिंग में पहुंच गए हैं। वे दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर आ गए हैं।

कॉन्वे ने बैटर्स रैंकिंग में 4 स्थान की छलांग लगाई- बल्लेबाजों की टी-20 रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। ईशान किशन भी पिछले हफ्ते की तरह दूसरे नंबर पर हैं। दोनों में सिर्फ 4 पॉइंट का अंतर है। न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए चार स्थान की छलांग लगाई। अब वह 70वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में कोई नया नाम नहीं- ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में कोई नया नाम शामिल नहीं हुआ है। सैंटनर ही 9वें से 7वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वनडे रैंकिंग में सलमान आगा को 9 स्थान का फायदा- वनडे रैंकिंग में बांग्लादेश के कप्तान मेहदी हसन मिराज और पाकिस्तान के टी-20 कप्तान सलमान अली आगा को फायदा हुआ है। पाकिस्तान के सलमान अली आगा हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी वनडे में शतक लगाया था, इससे उन्होंने एक साथ 9 स्थानों की छलांग मारी है, इससे अब वे 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग अब केएल राहुल के बराबर 664 हो गई है।

बॉलर्स में मेहदी हसन को फायदा- बांग्लादेश के लिए इस हफ्ते मेहदी हसन मिराज वनडे बॉलर्स की ताजा रैंकिंग में 9 स्थान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं 28 साल के मिराज ने ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी दो पायदान का सुधार किया है और अब वह इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। मेहदी हसन ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीनों मैचों में कुल पांच विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई, जिसकी बदौलत बांग्लादेश ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की। उनके अलावा गेंदबाजों की सूची में तस्कीन अहमद ने 12 स्थान की बढ़त के साथ 28वां स्थान हासिल किया, जबकि मुस्तफिजूर रहमान 13 स्थान की छलांग लगाकर 47वें पायदान पर पहुंच गए।

मंधाना ने 2025 विश्व कप जीत का श्रेय टीम की मेहनत और तैयारी को दिया

नयी दिल्ली (वार्ता)। स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर (महिला) का खिताब जीतकर अपने शानदार सीजन का समापन किया। उन्होंने विश्वकप जीत का श्रेय टीम की मेहनत और तैयारी को दिया। यह साल मंधाना के लिए निजी उपलब्धियों और वैश्विक मंच पर भारत की जीत, दोनों के लिहाज से बेहद यादगार रहा। उन्होंने व्यक्तिगत सम्मानों के बजाय टीम की सामूहिक सफलता को अधिक महत्व दिया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वीडियो में मंधाना ने कहा, यह साल बहुत अच्छा रहा। मैं अपनी निजी प्रदर्शन के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह सकती, क्योंकि जिस तरह से हमने विश्व कप खेला और उसे जीता, वह अपने आप में बहुत खास था। लेकिन मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर भी यह साल बहुत अच्छा रहा, क्योंकि मैं टीम के लिए जो कुछ भी कर सकती थी, मैंने किया और मुझे खुशी है कि मैं इसमें अपना योगदान दे पाई। उन्होंने सभी फॉर्मेट में भारतीय क्रिकेट के पुनरुत्थान पर भी बल दिया और बताया कि पुरुष और महिला, दोनों टीमों के लिए यह दौर कितना शानदार रहा है।

अबरार अहमद को साइन करने पर सनराइजर्स पर बरसे गावस्कर

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने पुरूष हंड्रेड के आगामी सीजन के लिए सनराइजर्स लीड्स के एक फ़ैसले नाराजगी जताई है। सनराइजर्स ने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को अपनी टीम के साथ जोड़ा है, जिस पर गावस्कर ने कहा है कि पाकिस्तानी क्रिकेटर पर लगाया गया पैसा परोक्ष रूप से भारतीय जवानों और आम नागरिकों की जान लेने में मदद करता है। हेडिंग्ली की इस फ़्रेंचाइज़ी का मालिकाना हक़ सन ग्रुप के पास है, जो आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम भी चलाता है। इस टीम को पहले नॉर्दन सुपरचार्जर्स के नाम से जाना जाता था। पिछले हफ़्ते हुई नीलामी में अबरार अहमद को लगभग 2 करोड़ 34 लाख रूपए की भारी-भरकम रक़म देकर साइन किया गया था। इस साइनिंग के साथ ही उन अटकलों पर भी विराम लग गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे कड़वे राजनीतिक रिश्तों की वजह से आईपीएल मालिकों की टीमें पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर अघोषित बैन लगा सकती हैं। हालांकि, इस फ़ैसले के खिलाफ सोशल मीडिया पर काफ़ी विरोध देखने को मिला। यह ऐसे समय में हुआ जब दोनों देशों के बीच संबंध लगातार बिगड़ रहे हैं, जिसमें मई 2025 में हुआ चार दिन का सैन्य संघर्ष भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाड़ियों को 2009 से आईपीएल से अनौपचारिक रूप से बाहर रखा गया है, और दोनों देशों के बीच 2012-13 के बाद से कोई द्विपक्षीय सीरीज़ नहीं खेली गई है। टी20 विश्व कप में उनकी हालिया भिड़ंत का पीसीबी द्वारा लगभग बहिष्कार किया गया था, हालांकि अंततः यह मैच श्रीलंका में न्यूट्रल वेन्यू पर खेला गया। दोनों कप्तानों ने टॉस के समय हाथ मिलाने की परंपरा को भी जारी नहीं रखा। गावस्कर की यह टिप्पणी अख़बार मिड डे में लिखे कॉलम में आई। 76 साल की उम्र में भी वह भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली चेहरों में से एक हैं, और उनका यह बयान इस बात का संकेत है कि यह मुद्दा इस साल के हंड्रेड टूर्नामेंट पर कितना असर डाल सकता है, जो जुलाई में शुरू होने वाला है। उन्होंने लिखा, एक भारतीय मालिक द्वारा द हंड्रेड में पाकिस्तानी खिलाड़ी को खरीदने पर जो विवाद हुआ है, वह हैरान करने वाला नहीं है। नवंबर 2008 में मुंबई हमलों के बाद से भारतीय फ्रेंचाइज़ी मालिकों ने आईपीएल के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों को पूरी तरह नजरअंदाज किया है। हालांकि देर से सही, अब यह समझ बन रही है कि एक पाकिस्तानी खिलाड़ी को दी गई फ़ीस, जो बाद में अपने देश को टैक्स के रूप में जाती है और जिससे हथियार ख़रीदे जाते हैं, वह अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय सैनिकों और नागरिकों की मौत में योगदान देती है। इसी कारण भारतीय संस्थाएं अब पाकिस्तानी कलाकारों और खिलाड़ियों को शामिल करने से भी बच रही हैं।

आरसीबी में अब भी कोहली ही मुख्य ताकत हैं: एबी डिविलियर्स

बेंगलुरु (वार्ता)

दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में विराट कोहली के हमेशा बने रहने वाले प्रभाव को रेखांकित किया है। उन्होंने कोहली को मौजूदा चैंपियन टीम की पहचान और सफलता के पीछे की मुख्य ताकत बताया है, चाहे वह मैदान के अंदर हो या बाहर। जैसे ही आरसीबी 28 मार्च को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपना इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का अभियान शुरू करने की तैयारी कर रही है, 2025 में ऐतिहासिक खिताब जीतने के बाद टीम से उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। टीम में कोहली की भूमिका के बारे में बात करते हुए, डिविलियर्स ने इस बात पर ज़ोर दिया कि उनका प्रभाव सिर्फ़ बनाए गए रनों से कहीं ज़्यादा है। उन्होंने उस ऊर्जा और विश्वास को उजागर किया जो वह टीम के अंदर, खासकर युवा खिलाड़ियों में भरते हैं। डिविलियर्स ने जियो हॉटस्टार से कहा, विराट निश्चित रूप से अब भी इस फ्रेंचाइजी की धड़कन हैं। न सिर्फ़ अपने प्रदर्शन और बल्ले से सालों से हासिल की गई निरंतरता के कारण, बल्कि अपनी मौजूदगी और टीम में लाई गई ऊर्जा के कारण भी। जिस तरह से वह मैदान के अंदर और बाहर खुद को पेश करते हैं, हमेशा टीम के लिए लड़ते हैं, वह सबसे अलग है। वह वह ऊर्जा लाते हैं और युवाओं को यह विश्वास दिलाते हैं कि वे आखिरकार आगे बढ़कर ट्रॉफी जीत सकते हैं, जैसा कि आरसीबी ने पिछले साल किया था। डिविलियर्स ने आरसीबी के 2025 के सफल अभियान के दौरान टीम के दृष्टिकोण में आए एक अहम बदलाव की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि टीम ने कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों पर अत्यधिक निर्भर रहने की आदत छोड़ दी और इसके बजाय सभी के सामूहिक योगदान से सफलता हासिल की। पिछले सीज़न के बारे में मुझे जो बात सबसे अच्छी लगी, वह यह थी कि हाँ, वह टीम के मुख्य रन बनाने वालों में से एक थे - जैसा कि आमतौर पर ओपनर होते हैं - लेकिन दूसरे खिलाड़ियों ने भी आगे बढ़कर योगदान दिया। अतीत में, आरसीबी अक्सर सिर्फ़ दो, तीन या चार खिलाड़ियों के लगातार अच्छा प्रदर्शन करने पर निर्भर रहने की गलती करती थी। इस बार, मुझे लगा कि पूरी टीम ने मिलकर योगदान दिया।

कमिंस की गैरमौजूदगी में ईशान किशन होंगे एसआरएच कप्तान

हैदराबाद (वार्ता) पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में ईशान किशन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरुआती कुछ मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करेंगे। पैट कमिंस अभी तक अपनी पीठ की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और उनके शुरुआती मैचों में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। इस दौरान अभिषेक शर्मा किशन के उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। ईशान किशन ने अपनी कप्तानी में झारखंड को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया है। कप्तानी के साथ-साथ ईशान ने बल्ले से भी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने उस टूर्नामेंट में 197.33 की स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा 517 रन बनाए थे। उन्होंने हाल ही में सम्पन्न हुए टी-20 विश्वकप में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को ट्रॉफी जिताने में अहमद योगदान दिया था। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप में कुल 532 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 207 का रहा था।

मियामी ओपन में बोल्टर ने की जीत के साथ शुरुआत

फ्लोरिडा (अमेरिका) (वार्ता)। ब्रिटिश की नंबर तीन खिलाड़ी केटी बोल्टर ने मियामी ओपन में अपने अभियान की शुरुआत पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बुजास मानेइरो पर जीत के साथ की। बोल्टर ने दुनिया की 48वें नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ पहले सेट के टाई-ब्रेक में 6-2 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए छह सेट पॉइंट बचाए। बोल्टर ने स्पेन की मानेइरो को 7-6 (11-9), 6-4 से हराया। बोल्टर ने पिछले महीने ओस्ट्रावा ओपन जीता था और टॉप 100 से बाहर होने के बाद अब रैंकिंग में 67वें स्थान पर पहुच गई हैं। मुकाबला जीतने के बाद बोल्टर ने कहा, मुझे पता है कि वह कितनी अच्छी खिलाड़ी हैं और आज रात हमारे टेनिस का स्तर और गुणवत्ता काफी अच्छी थी। यह मुश्किल था। मुझे ऐसा लग रहा था कि मुझे हर बार एक विनर शॉट मारना होगा, वरना वह मार देंगी। बोल्टर गुरुवार को दूसरे राउंड में डेनमार्क की दुनिया की 16वें नंबर की खिलाड़ी क्लारा टौसन से भिड़ेंगी।

इलेक्ट्रिक कार निर्माता बीवाईडी ने दिल्ली में शुरू किया शोरूम

नयी दिल्ली (वार्ता)

चीन की इलेक्ट्रिक कार निर्माता बीवाईडी ने वितरक पीपीएस मोटर्स के साथ मिलकर दिल्ली में बुधवार को अपने सबसे बड़े शोरूम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय राजधानी के मोतीनगर इलाके में लगभग 9,000 वर्ग फुट में फैले इस शोरूम का उद्घाटन कंपनी की भारतीय इकाई बीवाईडी इंडिया के इलेक्ट्रिक कार कारोबार के प्रमुख राजीव चौहान और पीपीएस मोटर्स के प्रबंध निदेशक राजीव सांघवी ने किया। श्री चौहान ने बताया कि यह देश में बीवाईडी का 48वां और दिल्ली-एनसीआर में छठा शोरूम है। मोती नगर में स्थित यह शोरूम कंपनी के लिए एक मील का पत्थर है। फिलहाल इस शोरूम में प्रीमियम रेंज के दो कार मॉडल सीलॉयन 7 और सील प्रीमियम सेडान उपलब्ध हैं। श्री चौहान ने बताया कि जल्द ही यहां सात प्रमुख मॉडल उपलब्ध करवाने की कोशिश होगी। उन्होंने कहा कि ब्लेड बैट्री से युक्त ये कारें पूरी तरह सुरक्षित और टिकाऊ हैं। उन्होंने कहा, इस क्षेत्र में ग्राहकों को उन्नत इलेक्ट्रिक कार उपलब्ध करवा कर हम देश के स्वच्छ परिवहन में अपना योगदान देना चाहते हैं। श्री सांघवी ने कहा कि पीपीए मोटर्स बीवाईडी के साथ मिलकर ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीक वाली इन प्रीमियम कारों को लोगों तक पहुंचाना चाहता है।

चावल, चीनी नरम- गेहूं मजबूत दालों- तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल की औसत कीमत घट गयी। चावल से साथ चीनी में भी नरमी रही। गेहूं में मजबूती देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 10 रुपये टूटकर 3,840 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं पांच रुपये महंगा हुआ और 2,808 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत भी पांच रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव देखा गया। तुअर दाल की औसत कीमत 18 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। चना दाल भी पांच रुपये सस्ती हुई। वहीं, मसूर दाल 40 रुपये और मूंग दाल 19 रुपये महंगी हुई। उड़द दाल का भाव चार रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 49 रिंगिट फिसलकर 4,532 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.91 प्रतिशत गिरकर 65.37 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 33 रुपये टूट गयी। सूरजमुखी तेल 30 रुपये और सोया तेल 26 रुपये फिसल गया। मूंगफली तेल में 38 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त रही। सरसों तेल और वनस्पति के दाम लगभग स्थिर रहे। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव नौ रुपये प्रति क्विंटल टूट मजबूत हुआ। वहीं, चीनी पांच रुपये सस्ती हुई। दाल चना 7708.15 रुपये, मसूर काली 8068.44 रुपये, मूंग दाल 10143.08 रुपये, उड़द दाल 10752.84 रुपये, तुअर दाल 11205.20 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2807.83 रुपये और चावल 3839.82 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3283.39 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4296.21 रुपये और गुड़ 4978.58 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17651.77 रुपये, मूंगफली तेल 18653.13 रुपये, सूरजमुखी तेल 17057.11 रुपये, सोया तेल 14281.32 रुपये, पाम ऑयल 13106.41 रुपये और वनस्पति 14585.45 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

रुपया 92.89 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया बुधवार को 49 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 92.89 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा पहली बार 92.50 रुपये प्रति डॉलर से नीचे लुढ़की है। पिछले कारोबारी दिवस पर यह 11.75 पैसे की गिरावट में 92.40 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपये की शुरुआत आज दो पैसे की गिरावट के साथ 92.42 रुपये प्रति डॉलर पर हुई थी। आज का इसका उच्चतम स्तर 92.41 रुपये प्रति डॉलर रहा। हालांकि बाद में लगातार टूटता हुआ यह 92.89 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क गया और अंत में उसी स्तर पर बंद हुआ। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में करीब पांच प्रतिशत के उछाल से रुपया कमजोर हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाल रहने और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक में तेजी से भी रुपये पर दबाव बढ़ा।

शेयर बाजारों में तेजी जारी

प्रमुख सूचकांक एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर

मुंबई (वार्ता)

आईटी और ऑटो सेक्टरों में अच्छी तेजी के दम पर घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे दिन हरे निशान में रहे और प्रमुख सूचकांक एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुए। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 633.29 अंक (0.83 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 76,704.13 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 196.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत चढ़कर 23,777.80 अंक पर रहा। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का 11 मार्च के बाद का उच्चतम स्तर है। मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली का जोर अधिक देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.09 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.67 प्रतिशत की बढ़त में रहा। आईटी, ऑटो, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियलटी और मीडिया समूहों के सूचकांकों में ज्यादा तेजी देखी गयी। बैंकिंग, तेल एवं गैस, स्वास्थ्य और फार्मा समूहों के सूचकांक भी बढ़त में रहे। सिर्फ एफएमसीजी और धातु समूहों में हल्की गिरावट रही। एनएसई में जिन 3,326 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,537 के शेयर बढ़त में और 705 के गिरावट में रहे। अन्य 84 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल का शेयर 3.37 प्रतिशत और टेक महिंद्रा का 3.27 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। इंफोसिस का शेयर 2.84 प्रतिशत, अडानी पोर्ट्स का 2.83, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 2.76, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 2.68 और टीसीएस का 2.07 प्रतिशत चढ़ा। एक्सिस बैंक में 1.94 प्रतिशत, एलएंडटी में 1.75, इंडिगो में 1.70, भारती एयरटेल में 1.55, बजाज फाइनेंस में 1.28, टाइटन में 1.20, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.19, एशियन पेंट्स में 1.08 और बजाज फाइनेंस में 1.01 प्रतिशत की तेजी रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज, बीईएल, भारतीय स्टेट बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर भी हरे निशान में रहे। एनटीपीसी का शेयर 1.29 प्रतिशत और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.04 प्रतिशत टूट गया। सनफार्मा, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयरों में भी गिरावट रही। वैश्विक स्तर पर एशियाई बाजारों में तेजी रही। जापान का निक्केई 2.87 प्रतिशत, हांगकांग का हैंग सेंग 0.61 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.32 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। यूरोप में फिलहाल जर्मनी का डैक्स 0.62 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.83 प्रतिशत नीचे है।

वर्षा की हर बूंद के संचयन का करेंगे प्रयास : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री इंदौर से गुड़ी पड़वा को करेंगे तीसरे जल गंगा संवर्द्धन अभियान का शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, 19 मार्च, गुड़ी पड़वा (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के दिन इंदौर के इस्कॉन मंदिर से तीसरे जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ करेंगे। इंदौर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। इस दिन प्रदेश के सभी जिलों, नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में भी जल स्त्रोतों या नदियों के समीप कार्यक्रम आयोजित कर अभियान की शुरुआत की जाएगी। साढ़े तीन माह तक चलने वाले इस प्रदेशव्यापी महाअभियान का समापन 30 जून को होगा। इसमें 18 विभाग शामिल होंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का नोडल विभाग होगा, जबकि नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग सह-नोडल विभाग रहेगा। अभियान के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर्स को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

हर जिले में प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में होगा क्रियान्वयन

जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन संबंधित जिले के प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में किया जाएगा। कलेक्टर जिलों में अभियान के नोडल अधिकारी होंगे। उनकी अध्यक्षता में जिला जल गंगा संवर्धन अभियान समिति कार्य योजना तैयार कर मॉनिटरिंग करेगी। इस समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत-समन्वयक और सभी सहभागी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे।

ये विभाग अभियान में होंगे शामिल

जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन एवं आवास, वन, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, राजस्व, संस्कृति, जन अभियान परिषद और जनसंपर्क विभाग शामिल हैं।

विभागवार होने वाले प्रमुख कार्य

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा वर्ष 2025 में जल गंगा संवर्धन अभियान में मनरेगा अंतर्गत प्रारंभ किए गए 86,360 खेत तालाब, 553 अमृत सरोवर, 1.5 लाख डगवेल रिचार्ज में से प्रचलित कार्यों को पूरा कराया जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-वॉटरशेड विकास 2.0 के अंतर्गत जल संरक्षण और संवर्धन के 2200 कार्यों का क्रियान्वयन किया जाएगा। मनरेगा अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-वॉटरशेड विकास 1.0 की परियोजनाओं में निर्मित किए गए चेक डेम तथा स्टापडेम की मरम्मत व नवीनीकरण का कार्य किया जाएगा।

चेक डैम्स के संधारण पर रहेगा जोर

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इस वर्ष प्रदेश के 10 हजार से अधिक चेक डैम और स्टॉप डैम के समुचित संधारण का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही कई छोटे-बड़े बांधों के गेटों की मरम्मत और जल संरचनाओं का सुदृढ़ीकरण कार्य भी किया जाएगा। इन संरचनाओं से वर्षा जल के संचयन को रोककर जमीन में पुनर्भरण का प्रयास रहेगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि होगी और सिंचाई के लिए अधिक पानी उपलब्ध हो सकेगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग होगा नोडल

जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रभावी संचालन के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। वहीं नगरीय विकास एवं आवास विभाग को सह-नोडल विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। इनके मार्गदर्शन में राज्य शासन के 16 से अधिक विभाग मिलकर इस अभियान को सफल बनाएंगे। सभी विभाग अपने-अपने क्षेत्र में जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से समय-सीमा में क्रियान्वित करेंगे। अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों को उनकी विशेषज्ञता के आधार पर विशिष्ट जिम्मेदारियां दी गई हैं।

मनरेगा में करेंगे खेत तालाब और अमृत सरोवर

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत शुरू किए गए खेत तालाब, अमृत सरोवर और डगवेल रिचार्ज जैसे कार्यों को पूरा कराया जाएगा। इस दौरान नए काम भी प्रारंभ किए जाएंगे। नगरीय विकास एवं आवास विभाग शहरों में अमृत 2.0 योजना के तहत जल संरक्षण संरचनाओं के जीर्णोद्धार और नए कार्यों को शुरू करेगा। वन विभाग द्वारा इस अभियान के दौरान लगभग 1.30 लाख हैक्टेयर भू-रकबे में भू-जल संवर्धन से जुड़े कार्य किए जाएंगे। इनमें बोल्डर चेक डैम, ब्रशवुड चेक डैम, परकोलेशन पिट्स और कंटूर ट्रेंच निर्माण जैसे कार्य किए जाएंगे।

जल संसाधन विभाग की बड़ी भूमिका

जल संसाधन विभाग और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा लघु सिंचाई परियोजनाओं के तालाबों के पाल (बंड) की मरम्मत और पुनर्निर्माण का कार्य किया जाएगा। नहरों की साफ सफाई और टेल-एण्ड तक पानी पहुँचाने के लिए फील्ड स्टॉफ को और अधिक सक्रिय किया जाएगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रदेश के सभी स्कूलों और आंगनवाड़ी केन्द्रों के पेयजल स्त्रोतों की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। साथ ही पेयजल स्त्रोतों के आसपास साफ-सफाई और स्वच्छता के कार्य भी किए जाएंगे।

सभी 55 जिलों में चलेगा अभियान

अभियान प्रदेश के सभी 55 जिलों में चलाया जाएगा। हर जिले में प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में यह अभियान क्रियान्वित किया जाएगा। जिला कलेक्टर्स इस अभियान के नोडल अधिकारी बनाये गये हैं। वे विभिन्न शासकीय विभागों, सामाजिक संगठनों एवं जन सहभागिता के परस्पर समन्वय से अधिकाधिक जल संचयन विकास कार्यों की योजना बनाएंगे और इनका समयबद्ध क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू से मिले राज्यपाल पटेल

राष्ट्रपति भवन पहुँचकर की शिष्टाचार भेंट

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने बुधवार को शिष्टाचार भेंट की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को पुष्पगुच्छ भेंट कर राज्यपाल श्री पटेल ने उनका अभिनंदन किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को राज्यपाल श्री पटेल ने भारतीय प्रतिनिधि मण्डल के साथ श्रीलंका से पवित्र बौद्ध अवशेषों को भारत वापस लाने की अपनी यात्रा के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रपति को राज्य की प्रगति से अवगत कराया तथा विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा की।

नववर्ष विक्रम संवत् एवं गुड़ी पड़वा पर आयोजन आज

दमोह (स्वतंत्र मत)। विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत भारत के पारंपरिक नववर्ष विक्रम संवत् गुड़ी पड़वा के अवसर पर 19 मार्च को प्रातः 10 बजे प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस दमोह में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दमोह विधायक जयंत मलैया करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दमोह सांसद राहुल सिंह, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया हटा विधायक उमादेवी खटीक, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल, उपाध्यक्ष डॉ. मंजू धर्मेन्द्र कटारे एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति का मंचन भी किया जाएगा जिससे उपस्थित जनों को भारतीय संस्कृति एवं इतिहास की गौरवशाली परंपराओं से परिचित कराया जाएगा।

भोपाल में एडीजी को धमकाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कांग्रेस ने उठाए कानून-व्यवस्था पर सवाल

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (प्रशिक्षण) राजाबाबू सिंह को धमकाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार यह घटना मंगलवार तड़के त्रिलंगा स्थित एडीजी के निवास के बाहर हुई, जहां कार से आए कुछ युवकों ने गाली-गलौज करते हुए धमकाया। सीसीटीवी फुटेज में एक युवक के हाथ में डंडा भी दिखाई दिया है। सूचना मिलने पर शाहपुरा थाना पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया। घटना के बाद एडीजी श्री सिंह ने पुलिस आयुक्त और डीजीपी को पत्र लिखकर सुरक्षा बढ़ाने की मांग की थी तथा जान को खतरा होने की आशंका जताई थी। थाना प्रभारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों नितेश चौरसिया और रुद्राक्ष यादव ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि वे गलत पते पर पहुंच गए थे, जिससे विवाद की स्थिति बनी। दोनों निजी नौकरी करते हैं। वही पुलिस आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। इस मामले को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में पुलिस अधिकारी ही स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और अतिरिक्त सुरक्षा की मांग कर रहे हैं, तो आम जनता की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए इसे विफल बताया। वही पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति तय

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रशिक्षण विभाग द्वारा द्वारा जिला स्तर, ब्लॉक कार्यकारिणी, मंडलम कार्यकारिणी एवं बीएलए के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना, कार्यकर्ताओं की भूमिका स्पष्ट करना एवं आगामी कार्यक्रमों के लिए रणनीति तय करना रहा। प्रशिक्षण में विशेष रूप से ट्रेनिंग टीम को यह बताया गया कि वे किस प्रकार प्रभावी तरीके से कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करें। साथ ही मतदाता सूची (वोटर लिस्ट) के सत्यापन एवं संशोधन (रिवीजन) की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी गई। यह निर्णय लिया गया कि कांग्रेस पार्टी द्वारा वोटर लिस्ट का भौतिक (फिजिकल) सत्यापन डोर-टू-डोर किया जाएगा, जिसमें बीएलए, पंचायत एवं वार्ड कमेटियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। जिला निर्वाचन से संबंधित प्रभारी को भी आमंत्रित कर उन्हें मतदाता सूची के संशोधन कार्यक्रम की जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। साथ ही पार्टी के विभिन्न विंग्स की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले ने संगठन की बैठकों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि एक एवं दो दिवसीय संयुक्त कार्यक्रमों के माध्यम से सभी स्तरों पर कार्यकर्ताओं की भूमिका सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने अपने बूथ के अनुभव साझा करते हुए कहा कि वोटर लिस्ट का डोर-टू-डोर सत्यापन कांग्रेस पार्टी का केवल नारा नहीं, बल्कि संकल्प है। प्रशिक्षण में ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने, डाटा प्रबंधन एवं तकनीकी उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रदान की गईं। प्रशिक्षण विभाग के प्रभारी महेंद्र जोशी ने जिले में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं व्यवस्थाओं की जानकारी दी। वहीं मतदाता सूची रिवीजन कार्यक्रम के प्रभारी ललित सेन ने जिला एवं विधानसभा स्तर पर समन्वय (कोऑर्डिनेशन) की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। पूर्व प्रदेश प्रवक्ता राहुल राज एवं सोशल मीडिया उपाध्यक्ष अविरल जैन द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीक एवं सोशल मीडिया के उपयोग की जानकारी दी गई। इस अवसर पर मतदाता सूची के सह-प्रभारी इरफान खान, आरिफा खान एवं प्रमिल मित्रा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खुशी का नवोदय विद्यालय चयन

दमोह (स्वतंत्र मत)। कु. खुशी ने 95 प्रतिशत अंकों के साथ नवोदय परीक्षा पास की है। लगभग 5000 बच्चों में से खुशी का चयन हुआ है। ज्ञात हो कि खुशी के पिता डॉ. मनोज कुमार अहिरवार वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र दमोह में एवं माताजी जयंती प्रेमी शासकीय शिक्षक हैं। खुशी की बड़ी बहन पहले से ही नवोदय विद्यालय हटा में कक्षा 9 में अध्ययन कर रही हैं। इनके चयन में धर्म सिंह राजपूत एवं हेमंत प्रेमी शिक्षक मामाजी और केंद्रीय विद्यालय हटा के सभी शिक्षकों का योगदान रहा है।

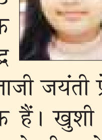

नगर के मंदिरों में दिखी आस्था की रंगत, तैयारियां पूरी

हटा (स्वतंत्र मत)।

चैत्र नवरात्र के शुभारंभ के साथ ही नगर के प्रमुख मंदिरों में भक्तिमय वातावरण बन गया है। श्रद्धालुओं की बढ़ती आस्था को देखते हुए मंदिर समितियों ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। नगर के सबसे प्रसिद्ध चंडी जी मंदिर को आकर्षक सजावट और भव्य लाइटिंग से सजाया गया है, जहां नवरात्र भर विशेष पूजन, सायंकालीन आरती, प्रतिदिन देवी का श्रृंगार एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। नवरात्र के प्रथम दिवस देवी द्वारों पर विधिविधान से घट स्थापना की जाएगी। वहीं मंदिरों में दुर्गा सप्तशती पाठ के लिए पंडितों की टोलियां बैठेंगी जो पूरे नौ दिनों तक पाठ एवं अनुष्ठान संपन्न कराएंगी। वहीं शीतला माता मंदिर में नवरात्र के पहले दिन से ही महिलाओं द्वारा जल अर्पित करने के लिए सुबह से लंबी कतारें लगने की संभावना है। इसके अलावा कलेही माता मंदिर, मां पीतांबरा मंदिर, गायत्री शक्तिपीठ एवं संतोषी माता मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। मंदिरों में साफ सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और भक्तों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। नवरात्र के दौरान नगर पूरी तरह भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आएगा जहां हर ओर देवी भजनों और आरती की गूंज सुनाई देगी।

उन्मुक्त संस्था ने किया नशामुक्त मैराथन दौड़ का आयोजन

दमोह। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन शक्तिकरण विभाग भोपाल के मार्गदर्शन में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत उन्मुक्त सर्वजन कल्याण समाजसेवी संस्था द्वारा नशामुक्त मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से नितिन पटेल, समग्र सुरक्षा अधिकारी, गगन कनौजिया जिला क्रीड़ा अधिकारी व हर्षा दुबे खेल प्रभारी सीएम राइज स्कूल एवं वंदना जैन ब्लॉक समन्वयक जनअभियान परिषद ने हरी झंडी दिखा कर मैराथन दौड़ का आरंभ किया जो कलेक्ट्रेट परिसर से नव जागृति स्कूल होते हुए किल्लाई नाका शासकीय सांदीपनि विद्यालय में समापन हुआ। जिन प्रतिभागियों ने दौड़ में भाग लिया, उनको पुरस्कार वितरण कर उनका उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम में केके यादव, गौतमी ताम्रकार, अंकित मिश्रा, श्रीकांत सेन, मोहित आठ्या, दयाराम पटेल, नरेंद्र तिवारी, कृष्ण कुमार शर्मा, रतन सिंह, देवेंद्र कुशवाहा, गोविंद पटेल, जागेश्वर पटेल, नारायण यादव, अरुण तिवारी, जसवंत लोधी, सतीश राठौर, शशांक चौराहा, प्रिंस लोधी, राजा पांडे, नारायण यादव, हर्ष कुर्मी, मोहित ठाकुर, नील चौधरी, मीत, प्रियांशु अहिरवार आदि की उपस्थिति रही।

आज से चैत्र नवरात्र प्रारंभ

बड़ी देवी मंदिर एवं जटाशंकर मंदिर में उमड़ेगी भक्तों की भीड़

दमोह (स्वतंत्र मत)।

आज से चैत्र नवरात्र प्रारंभ होते ही मंदिरों भक्तिमय वातावरण रहेगा। नवरात्र प्रारंभ होने के पूर्व मंदिरों में साफ सफाई के साथ प्रकाश व्यवस्था के पर्याप्त इंतजाम किये गये हैं। नगर के प्रसिद्ध बड़ी देवी मंदिर सहित जटाशंकर देवी मंदिर, गायत्री शक्तिपीठ, छोटी माता मंदिर, ककांली माता मंदिर में धार्मिक आयोजन होंगे।

इसके साथ ही नवरात्र पर पूरे 9 दिनों तक फुटेरा तालाब स्थित बड़ी देवी मंदिर एवं नगर जटाशंकर मंदिर में जल चढ़ाने वाले महिला-पुरूषों एवं बच्चों की भीड़ रहेगी। इसके अलावा सभी देवी मंदिरों एवं दिवालों पर मातारानी की घट स्थापना के साथ जवारों की स्थापना की जायेगी। हालांकि मंदिर प्रबंधन द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इसके साथ ही पूरे नौ दिनों तक नगर में जगह-जगह हे माता अम्बे जय दगदम्बे कीर्तन एवं देवी भक्ति गीत सुनाई देंगे। इसके साथ गुड़ी पडवा प्रतिपदा के साथ ही पंचमी एवं अष्टमी पर कन्या भोज भण्डारा के आयोजन किये जायेंगे। नवरात्र के अंतिम दिन माता रानी को खीर-पूड़ी हलवा, बताशा, नारियल आदि अर्पित कर पूजा अर्चना की जायेगी। इसके साथ ही बाजार में जगह-जगह मातारानी को लाल जासौन के फूल-चुनरी प्रसाद आदि की दुकानें सज गई हैं। बड़ी देवी मंदिर में जल चढ़ाने महिला-पुरूष भौर होते ही निकल पड़ते हैं यह सिलसिला प्रातः 4 बजे से शुरू होकर दोपहर 12 बजे तक चलता रहता है। शाम 4 बजे से फिर भक्तजनों का आना शुरू हो जाता है देर रात्रि तक चलता रहता है। कहीं-कहीं तो चौबीस घंटे का अखंड संकीर्तन चलता है तो कहीं पूरे नौ दिनों तक अखंड संकीर्तन चलता रहता है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 18/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति भारती सोनी पति श्री मिलन कुमार ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 21 साकार नगर परमार जी के पीछे सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000380674 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1500 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 750 व.फु. प्रथम 750 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री शरद केशरवानी पिता श्री कोमल चंद केशरवानी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 18/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुब्रत कुमार देवनाथ पिता श्री साधन कुमार देवनाथ ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक म.नं. 890/247 मां नर्मदे नगर सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000386140 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1000 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 673 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री प्रमोद कुमार प्रसाद पिता श्री एम.एल. प्रसाद का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक MIG-II-D/C-229(1) (1) सुश्री प्रीती तंतुवाय पिता स्व. श्री गोपाल प्रसाद तंतुवाय (2) सुश्री ममता तंतुवाय पिता स्व. श्री गोपाल प्रसाद तंतुवाय (3) श्रीमती लीला कोरी पति स्व. श्री गोपाल प्रसाद तंतुवाय के नाम आंवटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनाक 16.10.1995 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन (1) सुश्री प्रीती तंतुवाय पिता स्व. श्री गोपाल प्रसाद तंतुवाय (2) सुश्री ममता तंतुवाय पिता स्व. श्री गोपाल प्रसाद तंतुवाय (3) श्रीमती लीला कोरी पति स्व. श्री गोपाल प्रसाद तंतुवाय ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 16.03.2026 के माध्यम से श्रीमती श्रद्धा भार्मा पति श्री उमाशंकर दीक्षित को विक्रय किया है। अतः श्रीमती श्रद्धा भार्मा पति श्री उमाशंकर दीक्षित द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तातरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तातरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति राप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कॉलोनी, जबलपुर स्थित भवन कमांक एल आइ.जी.- 851 श्री अशोक कुमार नेमा पिता श्री स्वामीदीन अहिरवार के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 28.01.2012 को आवटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन कमांक एल.आई.जी. 851 श्री अशोक कुमार नेमा पिता श्री स्वामीदीन अहिरवार ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 29.01.2026 के माध्यम से श्रीमती सविता विदेही पति स्व. श्री भूपेंद्र विदेही को विक्रय किया है। अतः श्रीमती सविता विदेही पति स्व. श्री भूपेंद्र विदेही द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तातरण बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गोरखपुर जबलपुर म.प्र.

रा.प्र.क्र.91/अपील/2025-26

मेसर्स श्रीराम एसोसिएट्स द्वारा पार्टनर, 1. श्री प्रमोद श्रीवास्तव पिता श्री मुन्ना लाल श्रीवास्वत, 2. श्री नीलू चौधरी पिता श्री काशीराम चौधरी, निवासी 2770, देवताल, रामनगर, गढ़ा जिला जबलपुर ....अपीलार्थी ।

विरुद्ध

आम जनता..................... प्रत्यर्थी।

आम सूचना एवं इश्तहार

एतत् द्वारा प्रत्यर्थीगण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी मेसर्स श्रीराम एसोसिएट्स द्वारा पार्टनर, श्री प्रमोद श्रीवास्तव पिता श्री मुन्ना लाल श्रीवास्वत, श्री नीलू चौधरी पिता श्री काशीराम चौधरी, निवासी 2770, देवताल, रामनगर, गढ़ा जिला जबलपुर के द्वारा आवेदन अंतर्गत म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 44(1) के तहत् अपील प्रस्तुत की है।

प्रति अपीलार्थीगणों एवं वादग्रस्त भूमि मौजा पुरवा स्थित खसरा नं. 9/1/1 रकबा 1.1262 हे. भूमि में से रकबा 0.9002 हे. व खसरा नं. 10/1/1 रकबा 0.3088 हे. में से रकबा 0.115 हे. कुल रकबा 1.0117 हे. भूमि पर हित रखने वालों को सूचित किया जाता है कि प्रकरण दिनांक 25/03/2026 को सुनवाई हेतु नियत किया गया है। जिसमें न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाशक के साथ उपस्थित होकर दावे एवं आपत्तियां लिखित में समक्ष में पेश कर सकते है।

नियत पेशी तिथि के उपरांत कोई भी दावा एवं आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी तथा प्रकरण में अग्रेत्तर कार्यवाही की जाकर प्रकरण का निराकरण गुण/दोष के आधार पर किया जावेगा।

नियत पेशी दिनांक 25/03/2026

आज दिनांक 11/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अनुभाग गोरखपुर जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 18/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति रीना तिवारी पति अशोक कुमार तिवारी ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वर दास रोहाणी के भवन क्रमांक प्लाट नं. सी. 13/8 प्रियदर्शनी कालोनी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1002419399 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2400 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री सईद मोहम्मद अली पिता सय्यद अब्दुल वकील का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 18/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति अदिति तिवारी पिता अशोक कुमार तिवारी ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वर दास रोहाणी के भवन क्रमांक प्लाट नं. बी. 131 प्रियदर्शनी कालोनी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000362798 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2400 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री राकेश कुमार सिंह पिता श्री के.एन. सिंह का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 18/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति मोना सैनी पति स्व. श्री मनोज सैनी ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक एल.आई.जी. 1 फोर्थ फ्लोर फ्लेट नं. 1 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000388144 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित चतुर्थ तल 600 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री अनिल मिश्रा पिता स्व. आर.के. मिश्रा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 18/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राना प्रताप सिंह पिता सत्य नारायण सिंह ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चंद्र बनर्जी के भवन क्रमांक डिलाइट एस्टीन दुकान नं...... सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000397525 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 180 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री योगेन्द्र सिंह का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 18/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोनिका पिल्लई पिता ऋषिकेश पिल्लई ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस. 12 फेस 03 राजुल सिटी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 9000023239 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 358 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती मोनिका पिल्लई पति श्री ऋषिकेश पिल्लई का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

विक्रम सम्वत् 2083
भारतीय नववर्ष
की हार्दिक
मंगलकामनाएं
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
राज्यस्तरीय
जल गंगा संवर्धन
अभियान
जनभागीदारी की अनूठी पहल का
तृतीय चरण : 19 मार्च से 30 जून 2026
शुभारंभ
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
इस्कॉन मंदिर, इंदौर
पिछले दो चरणों में 3.50 लाख से अधिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन के साथ
नए निर्माण कार्य, भू-जल स्तर में वृद्धि और खेतों के लिए संजीवनी साबित हो रहे हैं
आइये, सब जुड़ें
जब सब जुड़ेंगे, तब ही जल बचेगा, धरती बचेगी
आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित होगा
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
डॉ. मोहन यादव का
अभ्युदय
मध्यप्रदेश
D-11222/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी